राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित शर्मा की बातचीत का वीडियो लीक ...

केजरीवाल के बाहर आते ही आक्रामक होगा आप का चुनावी प्रचार, पार्टी ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 31 | पटना, रविवार, 12 मई, 2024 | विक्रम संवत 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

संक्षिप्त खबरें

आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी, तेदेपा, जनसेना आंध्र प्रदेश में भाजपा की 'बी' टीम : राहुल गांधी

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी और राज्य के अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भाजपा का मतलब बाबू (तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू), जगन और पवन (जनसेना के संस्थापक पवन कल्याण) हैं।कडप्पा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि तीनों नेताओं का ह्यरिमोट कंट्रोलह्न प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है।पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा के पूरे आंध्र प्रदेश में राजशेखर रेड्डी की पदयात्रा उनकी भारत जोड़ो यात्रा के लिए प्रेरणा थी। गांधी ने तीनों दलों पर निशाना साधते हुए कहा, आज आंध्र प्रदेश को भारतीय जनता पार्टी की बी टीम चला रही है। भाजपा की बी टीम का मतलब है-बी से बाबू, जे से जगन और पी से पवन। इन तीनों लोगों का रिमोट कंट्रोल नरेन्द्र मोदी के पास है।

अबकी बार भाजपा गठबंधन का 400 पार जाना तय : शाहनवाज

पटना।लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा गठबंधन का 400 पार सीटों पर कामयाबी हासिल करना तय है। इस बार दक्षिण में भी जोरदार खिलेगा कमल। भाजपा-टीडीपी और जनसेना गठबंधन आंध्रप्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीत हासिल करेगा। दक्षिण भारत में भी मोदी की लहर है और यहां के लोग उन्हें तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रुप में देखना चाहते हैं। शाहनवाज हुसैन ने विजयवाड़ा में भव्य रोड शो के बाद प्रेस कांफ्रेस में ये बातें कहीं। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि आंध्र प्रदेश की जनता ने विकसित भारत और विकसित आंधप्रदेश के लिए भाजपा गठबंधन को अपार मतों से जीत दिलाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि मैं दूसरी बार चुनाव प्रचार के लिए आंध्र प्रदेश आया हूं और जो माहौल मैं यहां देख रहा हूं, उसके साफ संकेत हैं कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ आँध्र प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतेगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और विजयवाड़ा के एनडीए प्रत्याशी वाई एस चौधरी जी के लिए विजयवाड़ा में भव्य रोड शो किया। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि आंध्र प्रदेश में लोकसभा की सभी सीटों पर तो भाजपा गठबंधन की जीत होगी ही, आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री ने चुनावी सभा को किया संबोधित, राजद पर बोला हमला

बिहार के विकास के लिए हर क्षेत्र में किए जा रहे काम : नीतीश

सीएम बोलें - 2005 के पहले लोग शाम से घर से नहीं निकलते थे

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल और लालू परिवार पर जमकर मुख्यमंत्री ने वैशाली में चिराग के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पहले कोई शाम में घर से निकलता था क्या ? सड़क और शिक्षा स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल था यह आप लोग को पता है न? बिहार में हम लोगों को मौका मिला और हम लोगों ने सभी क्षेत्रों में कार्य किया। आप लोग स्वर्गीय रामविलास पासवान को रिकार्ड मतों से चुनाव जीताए थे। वैसे ही चिराग पासवान को भी रिकार्ड मतों से चुनाव जितायिये। देश में एनडीए 400 सीट पार होगा और तीसरी बार मोदी पीएम बनेंगे। वैशाली के एसपीएस कॉलेज देसरी में चिराग पासवान के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए ।नीतीश कुमार ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान से हम लोगों का पुराना रिश्ता है। जितना काम हुआ है, सब हम लोगों ने किया है आज कोई बोलने चलता है कि हमने किया है। तो वह अपने विभाग में कितना बहाली किया यह बताना चाहिए। उसको कोई आइडिया है। खाली अंड बंड बोलता है। चुनाव बाद सब पता चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों ने बिहार में छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल योजना चलाई। शिक्षा को बढ़ावा दिया। सभी पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलवाए। नीतीश कुमार ने कहा कि पहले प्रजनन 4.3 था अब घटकर 2.9 हो गया। बिहार में जीविका दीदी से जुड़ी महिलाओं का विकास हुआ। बिहार में 10 लाख 51 हजार जीविका दीदी का समूह है। एक करोड़ 13 लाख महिलाएं जीविका से जुड़ी है। 8000 कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई गई। 60 वर्ष से पुरानी मंदिर की भी घेराबंदी कराई गई। हर घर नल जल योजना बिजली पहुंचाई गई। एक बार बैठक में विपक्ष के लोगों ने जातिगत आधारित जनगणना करने से मना कर दिया। हम लोगों ने आर्थिक गणना करने के पश्चात 50 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत आरक्षण कर दिया। 94 लाख परिवारों को दो लाख रुपये दिया जाएगा। वैशाली में इंजीनियरिंग मेडिकल कॉलेज एवं वैशाली विधानसभा में बुद्ध संग्रहालय बनाया जा रहा है।

संविधान और आरक्षण को कोई खतरा नहीं : वैशाली में सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वाले आज संविधान को खतरे में बता रहे हैं। जब तक चिराग पासवान जिंदा है तब तक संविधान और आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। देश में पीएम जन कल्याण योजना के तहत 81 करोड लोगों को राशन दिया जा रहा है। अगर देश में आईएनडीए की सरकार बनी तो गरीबों को मिलने वाला राशन छीन लिया जाएगा। यह सोच कांग्रेस और राजद की है। कांग्रेस विरासत टैक्स लगाने की सोच रही है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एवं कश्मीर में धारा 370 को समाप्त किया गया। चिराग पासवान ने लोगों से 13 मई को हाजीपुर के कुतुबपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभा में आने का आमंत्रण दिया।

हमलोग काम किए तो हालात बदल गए

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सीतामढ़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने सीतामढ़ी की जनता से पार्टी के नेता और बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर के लिए लोगों से वोट डालने की अपील की। इस दौरान नीतीश कुमार ने अपने भाषण में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर जमकर हमला किया। नीतीश कुमार ने लालू को परिवारवाद का पार्याय बताते हुए कहा अगला कि पहले खुद बना, फिर पत्नी को बनाया और बेटी को बना रहा। नीतीश कुमार ने बच्चों की संख्या के लिए लालू यादव को आड़े हाथों लिया और कहा कि हमारे लिए तो पूरा बिहार एक परिवार है। लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत के लिए धुआंधार प्रचार कर रहे नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी समेत बिहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि उन लोगों के बिहार से कोई मतलब नहीं है। जब बिहार के सीएम पद पर बैठे थे तो आरोप बड़ा आरोप लगा। जब पद छोड़ना पड़ा तो पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। अपने हटता है और अपनी पत्नी को बनवा देता है। इसको किसी से कोई मतलब नहीं है, अपने सिर्फ परिवार से मतलब है। हम तो इतना दिन से काम कर रहे हैं हमारे परिवार के सदस्य को आप लोग जानते हैं तो बताइए। मेरे लिए तो पूरा बिहार एक परिवार है। हम आप सभी को एक परिवार मानते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि इतना पैदा किया जाता है, 9 गो बाल बच्चा पैदा किया। आप लोग जरा याद करिए कि बीवी को बना ही दिया, बेटी को बनवा दिया, बेटा को बनवा दिया। अब एक और बेटी को बनाना चाहता है। यही सब काम करते रहा। नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी की जनता से देवेश चंद्र ठाकुर को वोट देकर जीत दिलाने की अपील की। नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी इच्छा थी कि देवेश चंद्र ठाकुर सीतामढ़ी से लोकसभा का चुनाव लड़ें। हम यही अनुरोध करने के लिए आए हैं कि उम्मीदवार को जिताइए। इसके बाद कुछ और बात कह देना चाहते हैं। पहले कितना बुरा हाल था। मेरे खिलाफ जो लोग बोलता है, उससे पूछिएगा की पहले क्या हालत था।

मणिशंकर अय्यर के परमाणु बम वाले बयान पर पीएम का तंज

कांग्रेस बार-बार अपने ही देश को डराने की कोशिश करती है : मोदी

प्रात : किरण

फुलबनी /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उनके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और हमनें ये दिखा दिया था कि देशभक्ति से ओत-प्रोत सरकार देशहित के लिए, देश की सुरक्षा के लिए, देश के लोगों को आशा-अपेक्षा के लिए कैसे काम करती है। एक वो दिन था, जब भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य से परिचित कराया था। दूसरी तरफ कांग्रेस बार-बार अपने ही देश को डराने की कोशिश करती है। पीएम मोदी ने मणिशंकर की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा, वो कहते हैं कि संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। ये मरे पड़े लोग, देश के आदमी को भी मार रहे हैं। वे पाकिस्तान के बम के बारे में बात करते हैं, लेकिन पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि लोग उनकी गुणवत्ता के बारे में जानते हैं। दरअसल, कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया है, जिसमें अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत करने का समर्थन किया और सरकार से अपील करते हुए कहा कि अगर वहां कोई पागल सत्ता पर काबिज हो जाए तो क्या होगा, उनके पास परमाणु बम है। हमारे पास भी है, लेकिन अगर लाहौर स्टेशन पर बम फूटा तो सिर्फ 8 सेकेंड में बम का रेडिएशन अमृतसर पहुंच जाएगा। ऐसे में हमें कोशिश करनी चाहिए कि बातचीत करके बमों का इस्तेमाल रोका जाए। अगर आपने उनसे बात करने की कोशिश की और उन्हें इज्जत दी, तभी वे अपने बम के बारे में नहीं सोचेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इसी कमजोर रवैये के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 60 साल तक आतंक भुगता है। देश ने कितने आतंकी हमले झेले हैं। देश भूल नहीं सकता कि आतंकियों को सबक सिखाने के बजाय ये लोग आतंकी संगठनों के साथ बैठकें करते थे। 26/11 के मुंबई हमले के बाद इन लोगों की हिम्मत नहीं पड़ी, कि आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई करें। और क्यों? क्योंकि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगता था कि अगर हम कार्रवाई करेंगे तो हमारा वोटबैंक नाराज हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आज कांग्रेस को दो टूक कहूंगा, भारत के मुसलमान... कोई इधर-उधर जाएगा, ऐसा मानने की कोशिश न करें। कांग्रेस के शहजादे आए दिन बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विपक्ष (संसद में) बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या का 10% चाहिए। कांग्रेस वाले कान खोलकर सुन लें... कांग्रेस इस देश में मान्य विपक्ष भी नहीं बन पाएगा। वे 50 सीटों (कांग्रेस) से नीचे सिमटने वाले हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मेरा सौभाग्य है कि कंधमाल आते ही मुझे ऐसे आशीर्वाद मिले हैं, जो मैं जीवनभर नहीं भूल सकता। ये आशीर्वाद, पूरे देश में क्या परिवर्तन आ रहा है, कैसा परिवर्तन आ रहा है, उसका साक्षात उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मैं ओडिशा के लोगों का ऋणी हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके प्यार और आशीर्वाद का ये कर्ज, ज्यादा से ज्यादा मेहनत करके, देश की सेवा करके चुकाऊंगा। साथ-साथ ओडिशा को देश में एक विकसित राज्य बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करके चुकाऊंगा। उन्होंने कहा कि भाजपा, विकास भी और विरासत भी के मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। ये भाजपा ही है, जिसकी सरकार में देश का 500 साल का इंतजार पूरा हुआ।

कांग्रेस अध्यक्ष बोलें- मोदी सरकार बनना अब मुश्किल

विकास पर बात करने की बजाय हिंदू-मुस्लिम कर रहे पीएम : खड़गे

प्रात : किरण

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि तीन चरणों के चुनाव के बाद साफ हो गया है कि केंद्र में अब नरेंद्र मोदी की सरकार बन पाना अत्यंत मुश्किल है, इसलिए वह देश के विकास के बारे में बात करने की बजाय वोट के लिए हिंदू-मुस्लिम को बांटने की कोशिश में लगे हुए हैं। श्री खड़गे ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (इंडी गठबंधन) के नेताओं के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन चरणों का चुनाव हो चुका है। इससे साफ हो गया है कि मोदी जी के लिए अब सरकार बना पाना अत्यंत मुश्किल है। इसलिए, वह अब अपनी चुनावी सभाओं में विकास को लेकर कुछ नहीं बोलते हैं। आम लोगों की परेशानी कैसे कम हो इसपर भी चर्चा नहीं करते। वे वोट के लिए हिंदू-मुस्लिम को बांटना चाहते हैं लेकिन जनता उनकी हर चालाकी को समझ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन को लेकर जनता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ काफी रोष है। बेरोजगारी-गरीबी से जनता त्रस्त है। महंगाई से भी हर कोई परेशान है।

चौथे चरण की पांच सीटों पर चुनाव प्रचार थमा, मतदान कल

प्रात : किरण

दो केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

पटना। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए प्रचार अभियान थम गया है। अब प्रत्याशियों के पास घर-घर जनसंपर्क का विकल्प ही बचा है। बिहार के शुरूआती तीन चरणों के चुनाव में कोई बहुत बड़ा नाम नहीं था। चौथे चरण में दो केंद्रीय मंत्रियों गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय की प्रतिष्ठा दांव पर है। इसके अलावा बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के भी भाग्य का फैसला 13 मई को होने वाला है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी के राजनीतिक कॅरियर का फैसला भी इसी चरण में है। चौथे चरण में बिहार की पांच सीटों पर कुल 55 प्रत्याशी हैं। इनमें चार महिलाएं हैं।

बेगूसराय, मुंगेर, उजियारपुर, दरभंगा और समस्तीपुर में वोट: चौथे चरण में बेगूसराय, उजियारपुर और दरभंगा में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज मैदान में हैं। मुंगेर में जदयू के मौजूदा सांसद ललन सिंह उतरे हैं। समस्तीपुर में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के टिकट पर शांभवी चौधरी चुनावी रण में उतरी हैं। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के सामने कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के प्रत्याशी अवधेश राय समेत कुल 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। बेगूसराय को फैसला लेना है कि वह भाजपा के साथ रहेगा या वामपंथी धारा में वापसी करेगा। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर की लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के सामने राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व सांसद और 28 जनवरी तक बिहार में रही महागठबंधन सरकार के तत्कालीन कद्दावर मंत्री आलोक कुमार मेहता समेत कुल 13 प्रत्याशी हैं। उजियारपुर को फैसला करना है कि वह पीएम मोदी के साथ जाएगा या राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव व तेजस्वी यादव के प्रति आस्था दिखाएगा। मुंगेर में जदयू के मौजूदा सांसद ललन सिंह के सामने राजद ने गैंगस्टर अपराधी अशोक महतो की नई-नवेली पत्नी अनीता देवी को उतारा है। मुंगेर से कुल 12 प्रत्याशी हैं। वोटरों को तय करना है कि वह सीएम नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ जाएगा या लालू-तेजस्वी की ओर से सामने लाए गए चेहरे का साथ देगा।

दरभंगा में भाजपाई सांसद गोपालजी ठाकुर के मुकाबले इस बार राजद ने मुस्लिम की जगह लालू-तेजस्वी की जाति से ललित यादव को प्रत्याशी बनाकर बड़ा खेल किया है। यहां आठ ही प्रत्याशी हैं, इसलिए वोट भी कम कटेगा और लड़ाई अच्छी जमेगी। समस्तीपुर सीट से दिवंगत रामचंद्र पासवान के बेटे प्रिंस राज लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद हैं। टूटी पार्टी के इस हिस्से को मौका नहीं मिला है, इसलिए दूसरे हिस्से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपना प्रत्याशी दिया- शांभवी चौधरी। शांभवी को एनडीए की यह सीट बचानी है। उनके मुकाबिल यहां उनके पिता अशोक चौधरी के साथ बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी के बेटे सन्नी हजारे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी सन्नी हजारी और शांभवी को मिलाकर समस्तीपुर से कुल 12 प्रत्याशी मैदान में हैं।

95.83 लाख वोटर, 9447 मतदान केंद्र: चौथे चरण में सबसे ज्यादा 22 लाख मतदाताओं वाले बेगूसराय और सबसे कम 17.48 लाख वोटरों वाले उजियारपुर समेत पांच सीटों पर चुनाव हो रहा है। कुल 9447 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होगी। इस चरण में कुल 95 लाख 83 हजार 662 मतदाताओं को अपने प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में दर्ज करना है। अबतक तीसरे चरण में सर्वाधिक 60 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है। चौथे चरण के मतदान के दिन मौसम अनुकूल रहने के कारण मतदान प्रतिशत और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। चौथे चारण में 40 लाख से ज्यादा पुरुष, 45 लाख से ज्यादा महिलाएं और 193 थर्ड जेंडर के वोटरों को प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करना है।

सरकार बनने पर एक करोड़ नौकरी दी जायेगी : तेजस्वी

दरभंगा/एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो 15 अगस्त को एक करोड़ लोगो को सरकारी नौकरी दी जाएगी साथ ही सभी महिलाओं को साल में एक लाख रुपया नकद दिया जायेगा।श्री यादव चौथे चरण के चुनाव के अंतिम दौर में चुनावी प्रचार में आज विकासशील इंसान पार्टी केप्रमुख मुकेश सहनी के साथ दरभंगा के सोनकी गांव पहुंचे। इस दौरान तेजस्वी यादव और मुकेशसाहनी ने दरभंगा के राजद प्रत्याशी ललित यादव के पक्ष में प्रचार किया। तेजस्वी यादव ने जनसभामें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी हमला बोला। उन्होंने अपनी चोट को पहले लोगो को दिखाया फिरचोट के बहाने लोगो को बताया की डाक्टर उन्हें तीन सप्ताह का बेड रेस्ट बताया। उन्होंने कहा उन्हेंनहीं बल्कि मोदी जी को बेड रेस्ट में जाने की जरुरत है।राजद नेता ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो 15 अगस्त को एक करोड़ लोगों कोनौकरी दी जाएगी।

पीओके भारत का है, कांग्रेस परमाणु बम के डर से छोड़ना चाहती है इसपर अधिकार: शाह

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम होने के डर से सबसे पुरानी पार्टी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भारत का अधिकार छोड़ना चाहती है। शाह ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का कहना है कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है और इसलिए भारत को पीओके के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, परमाणु बम के डर से वे पीओके पर हमारा अधिकार छोड़ना चाहते हैं। लेकिन आप चिंता न करें, मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और पाकिस्तान की गोलियों का जवाब तोप से दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्रवाई की और आतंकवादियों का खात्मा किया। रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा था कि पुलवामा हमला खुफिया विफलता का नतीजा था। उन्होंने कहा था, ह्यमोदी जी ने पुलवामा घटना के बाद सर्जिकल स्ट्राइक से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की। मेरा मोदी जी से सवाल है कि आप क्या कर रहे हैं? पुलवामा घटना क्यों हुई? आपने इसे क्यों होने दिया? आप आंतरिक सुरक्षा के बारे में क्या कर रहे हैं? आपने आईबी, रॉ जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया? यह आपकी विफलता है।

चुनाव

चौथे चरण की सभी पांच सीट पर एनडीए का कब्जा, तीन सीटों पर इंडिया की ओर से नए चेहरे

चौथा चरण : एनडीए के दिग्गज व इंडिया के नवोदित प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर

रामाधार प्रसाद

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सियासी सरगर्मियां चरम पर है। तीन चरण की वोटिंग खत्म हो गई है। चौथे चरण के लिए प्रत्याशी पसीना बहा रहे हैं। एनडीए के दिग्गज व इंडिया के नवोदित प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर है। चौथे चरण में मुंगेर, बेगूसराय, समस्तीपुर सु ,दरभंगा और उजियारपुर सहित पांच सीटों पर 13 मई को वोट डाले जाएंगे। सभी पांच सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का कब्जा है।

इस चरण में पांच दिग्गज राजनेताओं की साख भी दाव पर है। इसमें बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, उजियारपुर से केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय, मुंगेर से जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, दरभंगा से पूर्व मंत्री ललित यादव एवं उजियारपुर से पूर्व सांसद आलोक मेहता की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। तीन सीट मुंगेर, बेगूसराय और दरंभगा सीट पर इंडिया गठबंधन के टिकट पर पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी राजग के सांसदों को चुनौती देंगे। मुंगेर संसदीय सीट से राजग के घटक दल में शामिल जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह व राजद के नवोदित प्रत्याशी बाहुबली अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी महतो के बीच कड़ा मुकाबला है। ललन सिंह चौथी बार मुंगेर से चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2009 और वर्ष 2019 के चुनाव में उन्हें जीत मिली, हालांकि उन्हें वर्ष 2014 के चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ा। बेगूसराय सीट पर भाजपा के फायरब्रांड नेता केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह को इंडिया गठबंधन के घटक वामदल ने बछवाड़ा विधानसभा के तीन बार के विधायक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रत्याशी अवधेश राय कड़ी चुनौती दे रहे हैं। श्री राय पहली बार लोकसभा के रण में अपनी किस्मत आजमां रहे है। वहीं, गिरिराज सिंह दूसरी बार इस सीट से चुनाव जीतने की फिराक में है। उजियारपुर से केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय जहां हैट्रिक लगाने की फिराक में हैं, वहीं राजद ने आलोक कुमार मेहता को उम्मीदवार बनाया है। राजद के श्री मेहता ने वर्ष 2004 के चुनाव में समस्तीपुर संसदीय सीट से जीत हासिल की थी। राजद के श्री मेहता उजियारपुर सीट पर तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2009 और वर्ष 2014 में उजियारपुर से चुनाव लड़ा लेकिन जीत नसीब नहीं हुयी। समस्तीपुर (सु) सीट पर राजग के घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी एवं बिहार सरकार में ग्रामीण कार्यमंत्री अशोक चौधरी की पुत्री शांभवी चौधरी व इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री पूर्व सांसद महेश्वर हजारी के पुत्र सन्नी हजारी कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है। बिहार सरकार के दोनों मंत्रियों की संतान अपने पिता की पार्टी को छोड़ दूसरी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2019 में समस्तीपुर (सु) से दिवंगत राम विलास पासवान के भाई रामचंद्र पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा और कांग्रेस के अशोक कुमार को पराजित किया। रामचंद्र पासवान के निधन के बाद वर्ष 2019 में ही हुये उपचुनाव में रामचंद्र पासवान के पुत्र प्रिंस राज ने जीत हासिल की थी।

प्रधानमंत्री मोदी का पटना में रोड शो आज भाजपा मेगा शो बनाने की कोशिश में

बिहार में पहली बार किसी प्रधानमंत्री का रोड शो, तैयारी पूरी

प्रात : किरण

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को राजधानी पटना की सड़कों पर भाजपा के समर्थन में रोड शो करेंगे। बिहार में पहली बार यह किसी प्रधानमंत्री का रोड शो होगा। भाजपा इसे मेगा शो बनाने की तैयारियों में जुटी है। प्रदेश भाजपा कार्यालय के मुताबिक रोड शो डाक बंगला चौराहा (श्रीराम चौक) से शुरू होगा। यह एसपी वर्मा रोड, एग्जीबिशन रोड चौराहा से उमा सिनेमा होते हुए कदमकुआं, साहित्य सम्मेलन, ठाकुरबाड़ी रोड और फिर उद्योग भवन पहुंचेगा। यहां रोड शो समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के पटना आगमन और रोड शो को लेकर कई मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध रहेगा। बताया गया है कि रविवार दोपहर बाद नेहरू मार्ग, एग्जीबिशन और फ्रेजर रोड पर वाहन नहीं चलेंगे। राज भवन, कदमकुआं, नाला रोड और अशोक राजपथ पर भी यातायात परिवर्तित रहेगा। शाम 6 बजे से पहले पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट जाने वाले हवाई यात्रियों को टिकट दिखाकर जाने की अनुमित होगी। इसके बाद उन्हें वैकल्पिक मार्ग से एयरपोर्ट जाना पड़ेगा। पटना जंक्शन पर सिर्फ जीपीओ गोलंबर के नीचे से वाहनों के जाने की अनुमति होगी। यातायात पुलिस ने परेशानी से बचने के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए पटना जंक्शन जाने वाले यात्रियों से करबिगहिया छोर का प्रयोग करने की अपील की है। ट्रैफिक एसपी अशोक कुमार चौधरी ने बताया कि प्रतिबंधित मार्ग पर सिर्फ सरकारी वाहन, एंबुलेंस सहित आपातकालीन वाहन आ-जा सकेंगे। इस दौरान सभी मार्गों पर पर्याप्त संख्या में यातायात पुलिस की तैनाती रहेगी। राजधानी पटना और बाहर के लोग सगुना मोड़, राजा बाजार की ओर नेहरू पथ होकर पटना जंक्शन जाने वाले वाहन नेहरू पथ में डुमरा चौकी से एयरपोर्ट होते हुए बीएमपी तिराहा, टमटम पड़ाव, गर्दनीबाग से मीठापुर होते हुए जीपीओ फ्लाईओवर से ऊपर से करबिगहिया जा सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

दो चोर को ग्रामीणों ने दबोचा, थाना को किया सुपुर्द

फतुहा। पचरुखिया थाना अंतर्गत पचरुखिया गांव में मिड डे मिल का चावल चोरी करने आये पांच चोरों में दो चोर धरा गए जबकि तीन चोर भागने में सफल रहे। इनके पास से एक टेंपो और मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है। जानकारी अनुसार दोनों चोर पिता और पुत्र बताएं जाते हैं। गांव के ही पशु चिकित्सक गुड्डू सिंह के सूचना पर रामानुज कुमार, रात्रि प्रहरी समरजीत कुमार, समाजसेवी रौशन सिंह सोलंकी, अमृतेष सिंह, मनीष, छोटू सहित अन्य ग्रामीणों ने चोरों को पकड़ने में सफलता पाई। दोनों चोरों को पचरुखिया थाना को सुपुर्द कर दिया गया।

बीस वर्षीय युवक लापता

फतुहा। थाना क्षेत्र के गोरी पुंदाह गांव से कार सवार बीस वर्षीय युवक के लापता हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस सन्दर्भ में युवक के पिता सुधीर प्रसाद ने खोजबीन से थककर शनिवार को थाने में फिलवक्त गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित पिता सुधीर प्रसाद की माने तो उनका बीस वर्षीय पुत्र अपने कार से दनियावां फरीदपुर स्थित अपने वाशिंग सेन्टर पर बीते तीन मई को सुबह सात बजे जाने के लिए निकला था। लेकिन अबतक वह अपने घर नही लौटा। शिकायत के आलोक में पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एटीएम बदलकर लाखों रुपए निकालने की बात सामने आई

दानापुर। नजर के अंतर्गत एक ढाबा मालिक का एटीएम कार्ड बदलकर साढ़े तीन लाख रुपए निकालने की बात सामने आई है। ठगी का शिकार मनेर के ब्रहमचारी निवासी बर्फी राय ने दानापुर थाना में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बताया कि खगौल रोड में आरके पुरम के पास एक ढाबा है। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सगुना मोड़ पर रुपए निकाले के लिए गए थे।बैंक स्टाफ द्वारा बताया गया कि आपके उक्त खाता में मात्र 18 रुपये जमा है। सुनते ही बर्फी राय अवाक रह गए।जबकि उनके खाते में लगभग साढ़े तीन रुपए जमा थे। बताया कि मेरा एटीएम कार्ड बदलकर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा निकाल लिया। उन्होंने अपना पिकअप गाड़ी बेचकर बैंक में रुपया जमा किये थे।बताया कि मेरे एटीएम कार्ड बदलकर एक अन्य कार्ड दे दिया गया।जिस पर मिथिलेश कुमार नाम अंकित है। पुलिस छानबीन करने में जुट गई है।

नरेंद्र मोदी के पटना आगमन पर शनिवार को भाजपा नेत्रियों ने भाजपा के नारों का मेंहदी रचाई

दानापुर। नगर के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना आगमन के पूर्व संध्या पर शनिवार को भाजपा नेत्रियों ने भाजपा के नारों का मेंहदी रचाई। नगर मंडल अध्यक्ष अखिलेश कुमार उर्फ मुदूर और छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष बंटी गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित मेंहदी रचाई कार्यक्रम में महिला कार्यकताओं ने अपने हाथों पर कमल,चार सौ पार,अबकी बार मोदी सरकार समेत अन्य नारों का मेंहदी अपने हाथों पर रचाई।मुदूर ने बताया कि पीएम मोदी के रोड शो में भाग लेने दानापुर से सैकड़ों महिलाएं व कार्यकर्ता जाएंगे।कार्यक्रम को नगर उपाध्यक्ष माधुरी देवी, आशा देवी, सुषमा देवी, रिंकी वालिया, ब्रजेश सिंह, मुन्ना समेत और भी गण मन लोगों उपस्थित थे

बाइक सवार बदमाशों ने एक सिमेंट छड़ व्यवसायी से हजार रुपए छीने

दानापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दियारा के अकिलपुर थाना क्षेत्र के पीपापुल मार्ग-दानापुर मार्ग पर दो बाइक सवार चार बदमाशो ने एक सिमेंट छड़ व्यवसायी से 50 हजार रुपए छीन लिये। भागने के क्रम में बदमाशो ने फायरिंग की। सूचना पर पहुंची अकिलपुर पुलिस मामले की छानबीन करते हुए सीसीटीवी फूटेज खंगालने में जुटी है। प्राप्त समाचार के अनुसार दियारा के माधोपुर के मुल निवासी अक्षय कुमार दानापुर थाना क्षेत्र के सगुनामोड़ के निकट रहते है। वे पुरानीपानापुर में पीपापुल के निकट सिमेंट छड़ का दुकान चलाते है। बताया जाता है कि बीते रात अक्षय कुमार बाइक से थैला में दुकान के बिक्री का 50 हजार रुपए लेकर जा रहे थे। उनके साथ दूसरे बाइक पर दुकान के दो लोग भी थे। जैसे ही अक्षय कुमार पीपापुल पार कर बालू के रेत पर पहुंचे कि पीछे से दो बाइक पर सवार चार लोग आये और अक्षय को घेर लिया उनके बाइक पर टंगे पैसा का थैला छीन लिया। जिसका विरोध करते हुए दोनो में हाथापाई भी हुई। तभी बदमाशो ने कट्टा निकाल लिया। ये देख अक्षय व उनके साथ रहे लोग डर गये। बदमाशो ने फायरिंग करते हुए भाग निकले। सूचना पर पहुंची अकिलपुर पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी फूटेज खंगालने में जुटी है।

पीएम मोदी के तख्त साहिब आगमन को ले अधिकारियों ने लिया जायजा

कारकेट का भी हुआ पूर्वाभ्यास, डीएम-एसएसपी ने की बैठक

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मई की सुबह तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में मत्था टेकने के लिए पहुंचेंगे। इसकी पुष्टि करते हुए प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही व महासचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि सोमवार की सुबह नौ बजे तख्तश्री पटना साहिब में पीएम मोदी का आगमन होगा। वह दरबार साहिब में मत्था टेकेंगे। यहां जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह के द्वारा उन्हें गुरुघर का आशीष व सिरोपा दिया जाएगा। इसी बीच शनिवार को सुरक्षा। स्पीच प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सही महासचिव इंद्रजीत सिंह उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह सूरज सिंह नलवा अमरजीत सिंह सतनाम सिंह सहित अन्य लोग उनकी तैयारी को फुल प्रूफ अंजाम देने में लगे हुए हैं बताया गया कि श्री मोदी के तक श्री परिसर में प्रवेश करने के साथ ही उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत किया जाएगा इसके बाद में सीधे विप लॉन्च हो जाएंगे फिर दरबार साहिब में जाकर मत्था टेक करेंगे यहां उन्हें गुरु घर का सरोपा प्रदान किया जाएगा इसके बाद में दरबार साहिब की परिक्रमा करने के दौरान पवित्र कुएं के जल को सकेंगे वह गुरु महाराज से जुड़े अस्त्र-शस्त्र और धरोहरों का दर्शन कर शीश नवाएंगे इस दौरान वह संगत के बीच बैठकर शब्द कीर्तन का श्रवण भी करेंगे। इधर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कारकेड का पूर्वाभ्यास आने वाले मार्ग में कराया गया। इसके बाद कारकेड वापस लौट गया। इस दौरान शहीद भगत सिंह चौक के पूर्व और चंदोरिया मोड से पश्चिम की ओर वाहनों के परिचालन को रोक दिया गया था साथ ही कंगन घाट मार्ग पर भी वाहनों को चलने नहीं दिया गया।

इससे पहले एसपीजी के आईजी, एसटीएफ के आईजी, डीएम शीर्षत कपिल अशोक व वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्र के साथ पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारियों का दल भी तख्तश्री पटना साहिब पहुंचा। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। तख्त साहिब के मीटिंग हाल में हुई बैठक में डीएम ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को यह लेकर यह गोपनीय बैठक है। वह इस संबंध में कुछ नहीं कहेंगे। बैठक के बाद अधिकारियों ने दरबार साहिब में जाकर मत्था टेका। उन सबों को गुरुघर का आशीष सिरोपा दिया गया। पीएम नरेंद्र मोदी के तख्त साहिब आने को लेकर प्रबंधक कमेटी के पदधारक, सदस्य व संगत में भी उत्साह देखा जा रहा है। एंटी सबोटिक और बम निरोधी दस्ता ने भी चप्पे-चप्पे को खंगाला है।

एजुकेशन फेयर में ऑन स्पॉट करा सकते हैं नामांकन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। एटूजेड शिक्षण संस्थान के द्वारा आगामी 30 जून को राजधानी के फ्रेजर रोड स्थित अलिना रिसॉर्ट, महाराजा कामेश्वर कॉम्प्लेक्स में एजुकेशन फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिक्षा मेला में देश के कोने-कोने से करीब 75 कॉलेज-यूनिवर्सीटिज भाग लेंगे। अपने-अपने स्टॉल लगाएंगे। अबतक 1300 छात्र रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। इनमें 1200 छात्र मेला में ऑन स्पॉट नामांकन कराएंगे। करीब पांच हजार छत्रों के ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन कराने की संभावना है।

देश के अलावा रूस, नेपाल जैसे कई अन्य देश के कॉलेज और यूनिवर्सीटिज भी भाग लेगी जो एमबीबीएस कोर्स के बारे में जानकारी देगी। मेधावी छात्रों के लिए स्कॉलरशिप की सुविधा भी प्रदान की जायेगी। इसकी जानकारी एटूजेड शिक्षण संस्थान के रौशन सर ने मीडिया को दी है। इस मौके पर कई शिक्षण संस्थान के शिक्षक एवं प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

पीएम के आगमन पर दरबार साहिब में रहेगी संगत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब आगमन पर दरबार साहिब संगत के बिना खाली नहीं रहेगा, बल्कि इस बार संगतों के दरबार साहिब में मौजूद रहने की व्यवस्था की जा रही है। प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों के द्वारा लोगों का आधार कार्ड और फोटो लेकर पास बनाया जा रहा है। उन्हें ही दरबार साहिब में बैठने की अनुमति रहेगी। दरअसल अक्टूबर, 2023 में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर संगतों को दरबार साहिब से जबरन निकाल दिया गया था। साथ ही उन सबों को किसी भी हालत में तख्तश्री परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसे लेकर उन सबों के द्वारा श्री अकाल तख्त साहिब में शिकायत किए जाने के बाद प्रबंधक कमेटी के दो पदाधिकारी और एक कार्यालय के पदाधिकारी को श्री अकाल तख्त साहिब में पेश होना पड़ा था। उसके बाद इन तीनों को धार्मिक सजा भी करनी पड़ी थी। इसी बात को लेकर इसी बार कमेटी के पदाधिकारीगण हर कदम फूंक-फूंक कर उठा रहे हैं। श्री गोविंद नगर चितकोहरा, लंगर टोली, फ्रेजर रोड और स्थानीय स्तर पर भी संगतों से आधार कार्ड और फोटो मांग कर उनका परिचय पत्र बनाया जाएगा और पीएम के आगमन के एक घंटा पूर्व ही उन्हें स्थान ग्रहण कर लेना होगा। इन सारी व्यवस्थाओं को अंजाम देने में कमेटी के उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह से लेकर उनके साथ अन्य स्थानीय लोग भी लगे हैं। गुरुद्वारा बाललीला मैनी संगत से भी करीब 40 लोगों का पास बनाया जा रहा है। इसमें स्थानीय प्रमुख बाबा गुरविंदर सिंह, बाबा मिंटा सिंह, बाबा गुरबंत सिंह, राजन सिंह से लेकर अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

ट्रेनों का दानापुर एवं राजेन्द्रनगर में अतरिक्त ठहराव

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल रविवार,12 तारीख को पटना जंक्शन की दोनों पार्किंग सुविधा उत्तर एवं दक्षिण छोर व महावीर मंदिर एवं करबिगहिया छोर दिनांक 11 तारीख के रात्रि 10:00 बजे से 12 तारीख के रात्रि 10:00 बजे तक उपलब्ध नहीं रहेगी।

केवल दक्षिण छोर करबिगहिया छोर पर पिक & ड्रॉप की सुविधा उपलब्ध रहेगी। पटना जंक्शन स्टेशन से बाहर निकलने के लिए यात्री करबिगहिया छोर का उपयोग कर सकते हैं ।पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन एवं मंडल के अन्य सभी स्टेशनों पर संभावित भीड़ के प्रबंधन हेतु, यात्रियों के सहायतार्थ दो हेल्पलाईन

इनक्वायरी नंबर मोबाईल नंबर 7209349777 व 7209342777जारी किये गये हैं। यात्री जनमानस इस सुविधा से अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं यात्रियों के सुविधा के मद्देनजर 12 तारीख को निम्नलिखित गाड़ियों का दानापुर एवं राजेंद्रनगर टर्मिनल पर पांच - पांच मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया गया है दानापुर एवं राजेंद्रनगर डाउन दिशा में गाड़ी संख्या -15657, 12328, वही अप दिशा में 12317 03413,12367,22197,12369 तथा 12305 राजेंद्रनगर एवं दानापुर स्टेशन पर रुकेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 12309 अप राजधानी एक्सप्रेस,12393 संपुर्ण क्रान्ति एक्सप्रेस का भी दानापुर स्टेशन पर पांच-पांच मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी संख्या 15126 पटना बनारस जनशताब्दी एक्स्प्रेस का दानापुर में पांच मिनट का ठहराव दिया गया है।वहीं डाऊन दिशा की गाड़ी संख्या 03132,13006 एवं 12334 राजेंद्रनगर में पांच मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया।

शहरी क्षेत्र के लोगों को नहीं हो सकेगा मोदी का दीदार

मरीन ड्राइव के रास्ते कंगन घाट उतर कर चौक थाना रोड होते पहुंचेंगे गुरुद्वारा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता, आनंद केसरी

प्रधानमंत्री के पटना में रोड शो होने और पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के वंचित होने का मलाल पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के लोगों को था। मगर जब उन सबों को सूचना मिली कि प्रधानमंत्री तख्तश्री हरिमंदिर की पटना साहिब आ रहे हैं, तो उन सबों में खुशी का आलम देखा जा रहा था। मगर अब उन सबों को निराशा हाथ लगेगी। कारण कि प्रधानमंत्री का कारकेड अशोक राजपथ, पुरानी बाइपास, एनएच 30 से होते हुए नहीं आएगा। पीएम का काफिला मरीन ड्राइव से गायघाट मितन घाट, महाराज घाट से होते हुए कंगन घाट में उतरेगा और चौक थाना रोड से होते हुए तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के नई दर्शनी ड्योढ़ी के रास्ते परिसर में प्रवेश करेगा। इसे लेकर कंगन घाट से लेकर चौक थाना के उत्तरी चहारदीवारी के बीच के रास्ते को बनाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। पुलिस प्रशासन के अधिकारी की माने, तो इतनी जल्दी फूल प्रूफ सुरक्षा करना सड़क मार्ग से संभव नहीं था और यह रास्ता सुगम था। क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम राजनीतिक नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से धार्मिक है। इस कारण से इसे राजनीति से दूर ही रखा गया है। ऐसे में लोग अगर गंगा किनारे सड़क पर भी जुटते हैं तो वह कारकेड को देख सकेंगे, मगर उसमें मौजूद प्रधानमंत्री का दीदार नहीं कर पाएंगे। तख्तश्री पटना साहिब में मत्था टेकने और अन्य रस्मों को पूरा करने के साथ ही प्रधानमंत्री का काफिला उसी रास्ते से वापस लौट जाएगा। यही कारण है कि अशोक राजपथ पर हरिमंदिर गली मोड़ से लेकर बाड़े गली मोड़, कंगन घाट से लेकर अशोक राजपथ के दोनों ओर बेरिकेडिंग का काम कराया जा रहा है। बताया गया कि मरीन ड्राइव पर बहुत थोड़ा सा काम बाकी है, जिसे महज 24 घंटे के अंदर फुल प्रूफ पूरा किया जा सकता है। ऐसे में एक लेन पूरी तरह से तैयार है और इस लेन से प्रधानमंत्री का काफिला का आना और लौटना संभव है।

सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर एक सामान गति से उस ओर बढ़ते रहें : राकेश

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी अगर पढाई में साईकल चलाने जितना आनंद आये तो जिदंगी के सफर को मंजिल तक पहुंचने में देर नहीं लगती। हमें अपने जीवन में गिरना, उठना और संभलकर आगे बढ़ जाना, साईकल यही तो सिखाता है ।विद्यार्थी जीवन में इसी सूत्र वाक्य को लेकर आगे बढे तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। उक्त विचार शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के अख्तियारपुर स्थित द ब्लू बेल्स इंटरनैशनल स्कूल में आयोजित मोटिवेशनल सेमिनार में स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए राकेश शांडिल्य ने कही` मौके पर उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सफलता में बेहतर प्रबंधन, निरंतरता और वर्तमान में जीने की कला बेहद आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए हमें लक्ष्य निर्धारित कर एक समान गति से उसकी ओर बढ़ना होता है साथ ही उन्होंने बच्चों को ओवर थिंकिंग और स्ट्रेस जैसे नेगेटिव चीजों से दूर रहने की सलाह दी ।वहीं निदेशक लव कुश शर्मा ने कहा कि मोटिवेशनल सेमिनार बच्चों को सकारात्मकता, संवेदनशीलता, लक्ष्य निर्धारण, और स्वाध्याय के महत्व के बारे में जागरूक करता है। ऐसे सेमिनार उन्हें स्वयं को समझने, सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है और सफलता की दिशा में उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करता है। मौके पर प्राचार्य वीरू शर्मा, सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, स्कूली बच्चे व कर्मी मौजूद रहे ।

गुरुद्वारा के अंदर ग्राउंड पार्किंग से अनेक वाहन उठा ले गई पुलिस

● वाहन पार्किंग को ले हुई नोकझोंक

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में अंडरग्राउंड वाहन पार्किंग की सुविधा है, मगर यहां कुछ लोगों के द्वारा महीनोन से चार पहिया और दो पहिया वाहनों को खड़ा कर छोड़ दिया गया था। अब जबकि प्रधानमंत्री का आगमन 13 मई को होना है, इसे लेकर वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक चार पहिया और दो पहिया वाहनों को ट्रेफिक एसपी के आदेश पर पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने क्रेन की मदद से उठा कर ले गए। अब ऐसे वाहन मालिकों को अपने वाहन को रिहा कराने के लिए ट्रेफिक थाना की शरण में जाना पड़ेगा। विदित हो कि इसके पूर्व भी जब राष्ट्रपति का आगमन अक्टूबर, 23 में हुआ था, तब इसी तरीके से अनेक फोर व्हीलर और टू व्हीलर को उठा कर यहां से चौक थाना में रखा गया था। इसके बावजूद अवैध रूप से लंबे समय तक यहां वाहन पार्किंग किए जाने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। हालांकि यहां प्राइवेट गार्ड को भी प्रतिनियुक्ति किया गया है। दूसरी ओर अंडरग्राउंड वाहन पार्किंग में वाहन पार्क किए जाने को लेकर ट्रेफिक जवानों के साथ कुछ लोग उलझ पड़े। वाहन को ले जाने और बाहर पार्किंग को लेकर हुए विवाद में अंततः स्थानीय स्तर पर सिखों को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। किसी तरह से मामले को शांत कराया जा सका।

बिहार में इंडी गठबंधन को एक भी सीट नसीब नहीं होगा: उमेश

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्षी एकता केवल चुनावी भाषणों और मीडिया चैनलों में ही दिखाई दे रहा है। धरातल पर आम जनता इस तथाकथित गठबंधन से पूरी तरह अनजान है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आधा चुनाव खत्म होने के साथ ही विपक्षी एकता एनडीए की आंधी में धराशायी हो चुका है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने सभी 40 सीटें एनडीए की झोली में डालने का मन बना चुकी है। इंडी गठबंधन वाले लाख जतन कर लें लेकिन यहाँ से एक भी सीट उन्हें नसीब नहीं होगा। बिहार में मोदी-नीतीश की जोड़ी का कोई तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पटना में इंडी गठबंधन के बैठक का कोई राजनीतिक असर बिहार की जनता पर नहीं होगा। यहाँ की जनता जाति और धर्म की सीमाओं से आगे बढ़कर एनडीए के पक्ष में पूरी तरह गोलबंद है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सारे भ्रष्टाचारी सिर्फ एक-दूसरे को राजनीतिक संरक्षण देने के लिये एकजुट हूए हैं और देश की जनता भी इस बात को भलीभाँति समझ चुकी है। परिवारहित को प्राथमिकता देने वाले कभी जनहित के प्रति संवेदनशील नहीं हो सकते हैं। देश की जनता ने कांग्रेस को और बिहार की जनता ने राजद को कई मर्तबा सेवा का मौका दिया था लेकिन इन दोनों पार्टियों ने सत्ता को सिर्फ धनार्जन का माध्यम बनाकर सरकारी खजाने को लूटने का काम किया और जनता के साथ छल किया। श्री कुशवाहा ने कहा कि सीट बंटवारे के समय ही इंडी गठबंधन का अंतर्कलह जगजाहिर हो चुका था। साथ ही उन्होंने कहा कि देश की जनता श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले चुकी है। एनडीए गठबंधन की लहर में सारे भ्रष्टाचारियों और परिवारवादियों सफाया होना निश्चित है।

जनसम्पर्क के दौरान तरेत मठ पहुंची मीसा भारती, सुमिरन महाराज से लिया आशीर्वाद

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में आगामी 1 जून को मतदान होना है इसे लेकर सभी दलों के नेता जनता को साधने की जुगत में लगे हैं. इलाके में लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है इसी कड़ी में शुक्रवार को महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार डॉ मीसा भारती, कॉंग्रेस नेता मंटू शर्मा सहित महागठबंधन के कई अन्य नेताओं के साथ स्थानीय तरेत मठ पहुंची` मौके पर सांसद प्रत्याशी डॉ मीसा भारती समेत अन्य नेताओं ने संत शिरोमणि सुमिरन जी महाराज से आशीर्वाद लियो आशीर्वाद के बाद नेताओं ने कहा कि हम लोगों को पूरा विश्वास है कि जब डॉ मीसा भारती यहां से चुनाव जीतकर जाएंगी तो निश्चित तौर पर बिक्रम, नौबतपुर समेत सम्पूर्ण पाटलिपुत्र का चौमुखी विकास होगा. हमारे नेता को समाज के हर वर्ग के लोगो का प्यार मिल रहा हैं. वहीं कॉंग्रेस नेता मंटू शर्मा ने दावा किया कि इसबार महागठबंधन की उम्मीदवार डॉ मीसा भारती का ऐतिहासिक जीत होगा, उन्होंने कहा कि इसबार पाटलिपुत्र की जनता संविधान की हत्या की राजनीति को खात्मे के लिए संकल्पित हैं मौके पर डॉ मीसा भारती ने पाटलिपुत्र के सांसद रामकृपाल यादव से जनता के समक्ष अपने कार्यकाल के विकास कार्ड प्रस्तुत करने को कहा` मौके पर उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से देश की संविधान बचाने हेतु लालटेन के निशान पर वोट डालने का अपील की है` उन्होंने कहा कि देश में गरीब, पिछड़े, आदिवासी, दलित, वंचित, महिला व युवाओं के कल्याण के लिए हमें एक एक मत महागठबंधन के पक्ष में देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी ने हर उस वर्ग के लोगों को बदहाली का जीवन जीने पर मजबूर कर दिया।

मोगलपुरा खिरनी का पेड़ बोरिंग पिछले दो दिनों से खराब

संवेदक को 5 साल तक रखरखाव का जिम्मा, जिम्मेवारी से भाग रहा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नगर निगम के वार्ड नंबर 60 के मोगलपुरा खिरनी का पेड़ स्थित बोरिंग पिछले दो दिनों से खराब है। इस कारण से मोगलपुरा, छोटी बाजार, पाली कॉलोनी, हैदरी कॉलोनी, टिकिया टोली, फौजदारी कुआं, कोऑपरेटिव कॉलोनी आदि क्षेत्र में पानी का संकट हो गया है।

निगम पार्षद शोभा देवी ने कहा है कि पिछले दो दिनों से बोरिंग खराब होने की शिकायत जल पर्षद के संवेदक राहुल कुमार एवं जूनियर इंजीनियर को टेलीफोन से दी गई। इसके बाद भी अब तक संवेदक के द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया है। पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने कहा कि वार्ड के खिरनी का पेड़ स्थित दिसंबर, 2022 में बोरिंग चालू हुआ था। इसका रखरखाव पांच साल तक संवेदक राहुल कुमार को करना था तथा पंप चालक का भुगतान पिछले एक साल से अधिक से नहीं होने के कारण वह पार्षद को खड़ी खोटी सुना रहा है। संवेदक के मनमानी के कारण लोगों को भीषण गर्मी में पानी से वंचित होना पड़ रहा है। जल्द ही इसकी शिकायत नगर आयुक्त से किया जाएगा।

पढ़ाई कर रहा छात्र ने की खुदकुशी

पटना सिटी (प्राकि)। बहादुरपुर के जय महावीर कॉलोनी में छात्र ने सुसाइड कर लिया है। वह किराए के मकान में रह कर पढ़ाई कर रहा था। युवक ने फंदा से लटक कर खुदकुशी कर लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण के बखरी लतिहनसहा थाना क्षेत्र के आंदापुर निवासी अखिलेश ठाकुर के पुत्र राजकुमार ठाकुर ,(24) के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि राजकुमार जय महावीर कॉलोनी के रोड नंबर चार में सुधीर मेहता के मकान में बतौर किराएदार रह कर पढ़ाई करता था। सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला, तब अन्य साथियों को शक हुआ। अनहोनी की आशंका में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जब पहुंची तब देखा कि शव फंदे से लटक रहा है। बहादुरपुर थानाध्यक्ष पूर्णेंद्र कुमार ने बताया कि खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने परिवार वालों को सूचित किया है। उन सबों के बयान से ही मामला स्पष्ट होगा।

मालसलामी के पास गंगा में युवक डूबा

पटना सिटी मालसलामी थाना क्षेत्र के रिकाबगंज घाट पर स्नान के दौरान युवक की डूबने से मौत हो गई। रिकाबगंज मुहल्ला निवासी अवधेश राय का 18 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार गंगा स्नान के दौरान दो दिन पहले रिकाबगंज घाट पर डूब गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर और एसडीआरएफ की मदद से डूबे युवक के शव की तलाश गंगा में करायी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी बीच परिजनों ने गंगा में सर्च आपरेशन दो नाव की मदद से चला रहे हैं, ताकि युवक का शव मिल सके। परिजनों का आरोप है कि पुलिस सहयोग नहीं कर रही है।

एक बार फिर मोदी सरकार बनाने का मन बना चुकी है जनता : सम्राट

उप मुख्यमंत्री ने कहा- मोदीमय बन चुका है बिहार

- देश को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए जरूरी है फिर एक बार मोदी सरकार हो

प्रात : किरण संवाददाता

पटना । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार ललन सिंह के पक्ष में भव्य जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने लोगों में जोश भरते हुए कहा कि लोगों की उपस्थिति इस बात का परिचायक है कि मुंगेर ही नहीं पूरा बिहार मोदीमय हो चुका है। मुंगेर की जनता-जनार्दन ह्यफिर एक बार मोदी सरकारह्ल बनाने का मन-मिजाज बना चुकी है। उन्होंने लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि

वर्ष 1990 से 2005 तक लालू प्रसाद बिहार की सत्ता में थे तब उन्होंने अपने परिवार को छोड़कर किसी एक व्यक्ति को भी आरक्षण देने का काम नहीं किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। देश को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए जरूरी है फिर एक बार मोदी सरकार हो।

आज देश वैश्विक अर्थव्यवस्था का मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। तीसरी बार नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देश में एनडीए की सरकार ने सोलर से बिजली देने का संकल्प लिया है,जिसका बिजली बिल भी लोगों को नहीं देना पड़ेगा।

4 जून का जनादेश मोदी की गारंटी के नाम : विजय

- बोलें- मोदी की गारंटी के आगे खिसकी विपक्ष की जमीन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा देश में मोदी जी के नाम की सुनामी चल रही है । मोदी की गारंटी के आगे इंडी गठबंधन की जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है । इसीलिए एक तरफ शरद पवार क्षेत्रीय पार्टियों के कांग्रेस में विलय की बात कर रहे हैं, वहीं राहुल गांधी को बीच चुनाव में कांग्रेस की गलतियों का एहसास हो रहा है । राजनीतिक अस्तित्व गंवाने के दुख में ही इंडी गठबंधन वाले पटना में बैठक के रूप में ह्यशोक सभाह्ल का आयोजन कर रहे हैं ।

श्री सिन्हा ने कहा कि वहीं दूसरी ओर देश की जनता ने मोदी जी को तीसरी बार जिताने की जिम्मेदारी अब अपने कंधों पर ले ली है । इसीलिए तीसरे चरण के मतदान के बाद ठऊअ बहुमत के करीब पहुँच गया है और चौथे चरण के मतदान के बाद हम बहुमत के जादुई आंकड़े को पार कर लेंगे ।

श्री सिन्हा ने आगे कहा कि चंद्रगुप्त और चाणक्य की धरती पटना में जब प्रधानमंत्री का रोड शो होगा उससे देश और दुनिया को यह संदेश जाएगा कि मौर्य साम्राज्य की जिस धरती से भारत की मजबूती और महानता की कहानी लिखी गई थी, वहाँ से एक बार फिर से भव्य भारत बनाने के संकल्प को साकार करने का सफल प्रयास होने जा रहा है ।

श्री सिन्हा ने कहा जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, मुद्रा योजना , स्टार्टअप योजना, विश्वकर्मा योजना से लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता देने, संसदीय लोकतंत्र में एक तिहाई महिला आरक्षण की पहल तक मोदी जी की सरकार ने बाबासाहेब के संविधान के सपनों को जमीन पर उतारने का काम किया है । उन्होंने देश को परिवार मानते हुए खुद जनता का प्रधानसेवक बनकर काम किया है । योजनाओं के बिना लीकेज डिलीवरी आज सुनिश्चित हुआ है । जिसके बारे में राहुल गांधी के पिता कहते थे कि दिल्ली से एक रुपया चलता है जो जनता तक पहुंचने में घिस-घिस कर 16 पैसा ही रह जाता है । आज मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि जितना पैसा जनता की भलाई के लिए सरकार भेजती है वह सीधे लाभार्थी के जेब में जाए ।

श्री सिन्हा ने कहा कि पूरे देश में जनता ने मन बना लिया है कि 4 जून का जनादेश मोदी की गारंटी के नाम ही होगा ।

एनडीए नेताओं को हार का आभास हो चुका है : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने जदयू के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े, भाजपा सांसद लल्लू सिंह, ज्योति मिर्धा, अरुण गोविल, विवेक देबरॉय सहित दर्जनों नेता खुलेआम संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने की बात कहा रहे है। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज तक भाजपा-आरएसएस के इस तरह के वक्तव्यों पर आपत्ति नहीं जताई है।

राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार का बच्चा बच्चा जानता है नौकरी-रोजगार का मतलब तेजस्वी यादव जी। क्योंकि तेजस्वी यादव जी ने महागठबंधन की सरकार में मात्र 17 महीनों में अभूतपूर्व काम कर के दिखाया है। वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव जी ने देश में सामाजिक न्याय को स्थापित करने का काम किया है। एनडीए के लोगों को अच्छी तरह आभास हो चुका है कि लोकसभा चुनाव में करारी हार सुनिश्चित है। इसलिए लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप करते रहते है।

नमो-नीतीश के कामों का मुकाबला नहीं कर सकता विपक्ष : राजीव

कहा- विपक्षी नेता बयानों के जरिये कर रहे हैं टाइम पास

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि पिछले तीन चरणों के मतदान के बाद विपक्षी दलों का मनोबल पूरी तरह से गिर चुका है। उनकी तुष्टिकरण की नीति और गरीबों पिछड़ों के आरक्षण में कटौती करने वाले बयानों ने जनता को उनके और खिलाफ कर दिया है। जनता के रुख से यह स्पष्ट हो गया है कि अब जनता विकास चाहती है, किसी परिवार की गुलामी करना नहीं है। इस चुनाव में विपक्षी दलों को जनता वोट की ऐसी चोट देगी कि उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। एनडीए बिहार की सभी चालीसों सीटों को जीत कर एक नया इतिहास चने वाला है। उन्होंने कहा कि दरअसल नमो-नीतीश की जोड़ी ने देश और राज्य की जनता की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा किया है। उनके राज में समाज के तबके का उत्थान हुआ है। विपक्ष भी जानता है कि चाह कर भी नमो-नीतीश के कामों को झुठलाया नहीं जा सकता। इसीलिए यह लोग उल्टा-सीधा बोलकर टाइम पास कर रहे हैं। आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि यह नमो-नीतीश के सुशासन का ही परिणाम है कि जहां पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जहां पूरे देश से 24.82 फीसदी लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आये हैं वहीं नीतीश सरकार के राज में 44.52 फीसदी की दर से बिहार के तकरीबन 3.77 करोड़ लोगों की गरीबी मिटी है। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार दोनों का एकमात्र उद्देश्य विकास है। उनके नेतृत्व में गरीबों के हित में कई तरह की योजनायें चलायी गयी हैं जिनसे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवनस्तर में बेहतरीन उन्नति हुई है। बिहार में साइकिल, पोशाक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। वहीं केंद्र की आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, मुद्रा जैसी योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। इसी तरह बिहार की जीविका योजना ने ग्रामीण महिलाओं तक को आत्मनिर्भर बना दिया है। आज घर-घर में शौचालय, पीने का पानी, बिजली, बैंक अकाउंट, गैस कनेक्शन जैसी सुविधाओं की पहुंच हो चुकी है। यह देश और राज्य की उन्नति को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस जैसे परिवारवादियों के राज बिहार का विकास जहां गर्त में पहुंच गया था वहीं आज नीतीश राज में बिहार की 10.64 की विकास दर, देश के विकास दर से भी अधिक है। इसी तरह नमो सरकार की नीतियों से देश आज दुनिया की 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आज एनडीए सरकार के कारण ही बिहार के 80 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

सहारा निवेशकों के डुबे हुए पैसे लौटायेगी इंडिया गठबंधन सरकार: मनोज झा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा ने कहा कि सहारा इंडिया निवेशकों के डूबे हुए पैसे को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर सभी के पैसे लौटाये जायेंगे । कहा कि 13 करोड़ निवेशकों ने एक-एक के पैसे का जुगाड़ करके अपने मेहनत की कमाई से सहारा इंडिया में पैसे निवेश किये थे, लेकिन उनके पैसे डूब गए । और उन्हें अपने पैसों की वापसी के लिए लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन केंद्र सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं और निवेशकों के साथ न्याय करने की जगह उनकी बात भी नहीं सुन रही है। आरक्षण के मुद्दे पर किए गए सवाल पर प्रो झा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी मंडल कमीशन की रिपोर्ट को पढ़े होते तो वैसी बातें नहीं करते। मंडल कमीशन के अंतर्गत 3743 जातियां शामिल है जिनमें सभी धर्म और वर्ग के लोग शामिल हैं। इन्होंने कहा कि आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर दी गई है, लेकिन प्रधानमंत्री जी इसको दूसरी दिशा की ओर भटकाकर एजेंडा की राजनीति करना चाहते हैं और लगातार भ्रम फैलाकर झूठ बोल रहे हैं। यह बातें आज उन्होंने होटल मौर्य में आयोजित इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रेस वार्ता में कहीं। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के सभी दल राष्ट्रीय जनता दल ,कांग्रेस, भाकपा माले , सीपीआई, सीपीएम, भीआईपी के नेता शामिल थे ।

पीएम मोदी के लिए यह अंतिम चुनाव साबित होने वाला है : शिवानंद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने भाजपा व पीएम मोदी पर हमला बोला है। श्री तिवारी ने कहा है कि यह मोदी जी का अंतिम चुनाव साबित होने जा रहा। उन्होंने कहा कि देश में अब तक तेरह प्रधानमंत्री हो चुके हैं। मोदी जी चौदहवें प्रधानमंत्री हैं। लेकिन मोदी जी जैसा बोलने वाला प्रधानमंत्री अब तक नहीं हुआ है। दिन रात बोलते रहते हैं। लेकिन उनके बोलने का लोगों के दुख तकलीफ से कोई वास्ता नहीं दिखता है। न खाऊँगा न खाने दूँगा। इस नारा के साथ इन्होंने अपनी कुर्सी सँभाली थी। लेकिन लग गए भ्रष्टाचार के नए नए रास्ते ईजाद करने में, जिनकी कल्पना भी इसके पहले नहीं की गई थी। इलेक्टोरल बॉन्ड जिसको हम चुनावी बॉन्ड भी कह सकते हैं इसका एक नायाब नमूना है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रणाली को अवैध घोषित करते हुए कहा कि इस तरीके से किस पार्टी को कितना पैसा मिला यह सार्वजनिक किया जाए। भाजपा को इस रास्ते साठ हजार करोड़ रुपए मिले। अन्य पार्टियों को भी रुपए मिले। लेकिन भाजपा के मुकाबले वे पासंग में नहीं ठहरते हैं। श्री तिवारी ने कहा कि मोदी जी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यालय सहित सभी ज़िलों में भाजपा का कार्यालय बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। देश के अधिकांश ज़िलों में कार्यालय बन चुके हैं। यह योजना लगभग साठ हजार करोड़ रुपए की थी। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने अपनी पार्टी के लिए तो स्थाई इंतजाम कर लिया लेकिन देश की जनता के लिए इंतजाम करना भूल गए। जनता के हिस्से में केवल मोदी जी का भाषण आया। अभी के चुनाव अभियान में लोगों से जुड़े किसी भी मुद्दे को उन्होंने नहीं छुआ है। दस वर्षों की मोदी सरकार बगैर लक्ष्य के भटकती रही। विरोधी दलों को लगातार उन्होंने ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के निशाने पर रखा। सिर्फ.कांग्रेस मुक्त भारत ही नहीं बल्कि प्रतिपक्ष मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में ही वे सक्रिय रहे। पर भले ही विरोधी दल साधन के मामले में उनके सामने नहीं टिकते हों, पर जब जब इस देश पर या लोकतंत्र पर खतरा दिखाई दिया है जनता ने विरोध की कमान सँभाल लोकतंत्र को बचाया है। आज जनता ही मोदी सरकार के विरूद्ध खड़ी है। देश की एकता को खंडित करने वाली ताकतों को पराजित करना लोगों ने अपना लक्ष्य बना लिया है। इसलिए यह चुनाव मोदी जी के लिए अंतिम चुनाव साबित होने वाला है।

चौथे चरण में बेगूसराय सहित सभी सीटों पर महागठबंधन की होगी जीत : भाकपा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि चौथे चरण के लोकसभा चुनाव में बिहार की बेगूसराय सहित सभी पाँच लोकसभा सीटों पर महागठबंधन उम्मीदवार की जीत होगी। बेगूसराय लोकसभा सीट से भाकपा उम्मीदवार अवधेश कुमार राय को सभी वर्गों का वोट मिल रहा है और महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है। बेगूसराय की जनता बेरोजगारी, महंगाई व साम्प्रदायिकता के खिलाफ और देश, संविधान व लोकतंत्र बचाने के लिए वोट करने जा रहा है। महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि 13 मई 2024 को बेगूसराय, मुंगेर, उजियारपुर, समस्तीपुर और दरभंगा में मतदान होगा, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटना में 12 मई 2024 को पटना में रोड शो करेंगे। इसके वाबजूद बिहार की जनता पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। बिहार सहित पूरे देश में राजग के खिलाफ हवा है। प्रधानमंत्री अपने दस वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धि को बताने के बजाए हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि 2014 और 2019 में जो वादा किया था, वह पूरा नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जो वादे किए, वो कभी नहीं निभा पाये हैं। युवाओं को प्रत्येक साल दो करोड़ नौकरी नहीं मिली।गरीबों के खाते में 15-15 लाख रुपये नहीं गये।किसानों की आमदनी दो गुनी नहीं हुई। सभी गरीबों को पक्का घर नसीब नहीं हुआ है। भाकपा राज्य सचिव ने बेगूसराय सहित चौथे चरण में पड़ने वाले सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को बढ़ चढ़ कर चुनाव में भाग लेने और महागठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की है।

पाकिस्तान प्रेम व सनातन अपमान कांग्रेस की पहचान : मंगल

प्रात : किरण संवाददाता

- कहा- देश को अपमानित करना बंद करें इंडी गठबंधन

पटना। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कांग्रेस की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता चुनाव में हार की डर से देश को डरा रहे हैं। साथ ही सनातन धर्म की आस्था पर भी आघात पहुंचा रहे हैं। देश की भावनाओं को आहत करना एवं विभाजनकारी नीतियों को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकता रही है। कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण के जरिए मुस्लिम वोटबैंक साधने की कोशिश में लगी रहती है। उसका ताजा उदाहरण कांग्रेस के दो बड़े नेताओं के बयान से मिल जाएगा। जो श्री राहुल गांधी व समस्त कांग्रेस की मानसिकता को दशार्ता है। कांग्रेस के वरीय नेता मणिशंकर अय्यर एक ओर जहां पाकिस्तान से भारत को डरने की सलाह दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरीय नेता नाना पटोले राम मंदिर के शुद्धिकरण की बात कर आम जन की भावना को आहत कर रहे हैं।

श्री पांडेय ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने राम मंदिर के शुद्धिकरण की बात कही है। जो अत्यंत निंदनीय है। कांग्रेस कहना क्या चाहती है। पहले आप अपने दिमाग को शुद्ध करिए, जो नफरत राम के प्रति है उसे बाहर निकालिए। कांग्रेस का एजेंडा सालों से राम विरोध की राजनीति रही है। भाजपा सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमेशा लड़ती रही। कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के नेताओं ने 50 साल तक राम मंदिर के निर्माण में रोड़ा डाले रखा। कांग्रेस में जो राम मंदिर जाता है उसे पार्टी से निकाला जाता है। ये लोक न्यायालय में हलफनामा देकर राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं। श्री पांडेय ने कहा कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर उस भारत को डराना चाहते हैं, जिस भारत का नेतृत्व एक नीडर और निर्भीक नेता देश के लोकप्रिय पीएम श्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। अब भारत दुनिया में किसी से नहीं डरेगा। मैं मणिशंकर अय्यर व तमाम कांग्रेस से पूछना चाहता हूं क्या वो पाकिस्तान से डरते हैं। हर भारतीय को उससे डरना चाहिए। ये सलाह वो अपने नेता श्री राहुल को दें और समझाएं हो सकता है उनपर कोई असर हो जाए। लेकिन जिस भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं वह पाकिस्तान से कभी नहीं डरता है। लोकसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को देश को अपमानित करने के लिए सबक सीखाएगी।

विपक्ष अब थक चुका है और हर मान लिया है : चिराग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान से चुनाव प्रचार में जाने के दौरान पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल खड़गे आ रहे हैं और इंडिया गठबंधन का बैठक हो रहा है, इस पर चिराग ने कहा कि अब यह समय जनता के बीच जाने का है तो ये लोग अभी भी बैठक ही कर रहे हैं। एक कांग्रेस के बड़े नेताओं में से खड़गे जी हैं, उनके प्रति हम सभी के मन में सम्मान है, लेकिन ओर बड़े जो नेता है उनमें से कोई भी बिहार आना जरूरी नहीं समझा। एक बार मुझे शायद याद है कि राहुल जी एक बार आकर गए। उसके बाद से किसी भी चरण में ये लोग आए नहीं और आज कोई समय नहीं है बैठक करने का। अभी समय है ज्यादा से ज्यादा प्रचार में लोग जाये, लोगों से मिले, उनके बीच जाकर अपनी बातों को रखें। कहीं ना कहीं विपक्ष अब थक चुका है और विपक्ष मान चुका है कि अब हार समीप है। यह थकावट, बैठक करना, बड़े नेताओं का बिहार नहीं आना, बिहार में इन लोगों की हार साफ दिखाई दे रही है। आगे श्री चिराग ने पटना में प्रधानमंत्री के रोड शो पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का प्यार हमारे प्रदेश के प्रति देखिए रोड शो हो या हर चरण में बिहार आकर सभाएं करना हो, जितना समय प्रधानमंत्री जी ने बिहार को दिया है, बिहार और बिहारीयों के लिए, हम सभी लोगों के लिए गर्व की बात है कि देश के प्रधानमंत्री इतना समय दे पा रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर श्री चिराग ने समस्तीपुर लोकसभा प्रत्याशी शांभवी चौधरी के लिए समस्तीपुर लोकसभा अंतर्गत कुशेश्वर स्थान बाजार में रोड शो किए। रोड शो के दौरान अपार जन समर्थन मिला। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दिया।

रोड शो के लिए रेहड़ी पटरी वालों की दुकानें उजाड़ा जाना दुर्भाग्यपूर्ण : अंशुल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना में जहां जहां से प्रधानमंत्री का रोड शो निकलना है, आज वहां भय और अफरा तफरी का माहौल है, छोटे छोटे व्यापारियों और रेहड़ी पटरी वालों की दुकानें और झोपड़ियां उजाड़ी जा रही हैं। पुलिस और प्रशासन ने हजारों परिवारों और दुकानदारों को डरा धमकाकर उनका सामान उठवाया। 2 दिन अब वो गरीब ना कमा सकेंगे और ना खा सकेंगे। सांसद रवि शंकर प्रसाद पहले की तरह ही फिर गायब हैं। यह बात पटना साहिब से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. अंशुल अविजित कुशवाहा ने मीडिया से कही। इससे पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी ने कदमकुआं में रेहड़ी और फुटकर दुकानदारों से मुलाकात की, जिनकी दुकानों को प्रधानमंत्री के 12 मई के रोडशो को देखते हुए हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबों की दुश्मन है, प्रधानमंत्री इन छोटे दुकानदारों को हटाकर क्या संदेश देना चाहते हैं ? इंडिया गठबंधन प्रत्याशी ने फतुहा विधानसभा के संपतचक और कुम्हरार विधानसभा के कुम्हरार पार्क, नया टोला में इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं की बैठक को संबोधित किया और कहा कि पटना साहिब का चुनाव एक हवाई नेता और पटना के बेटे के बीच है, और यह बेटा, इंडिया गठबंधन चुनाव जीतने जा रहा है।

बिहार के विभाजन के बाद लोकसभा चुनाव में नहीं खुला है वामदल का खाता

विगत चार चुनावों में वामदल के किसी भी प्रत्याशी ने जीत हासिल नहीं की है

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। विभाजन के बाद बिहार में हुये लोकसभा चुनाव में वामदल का खाता नहीं खुला है। बिहार और झारखंड का विभाजन 15 नवंबर 2000 को हुआ था। विभाजन से पूर्व बिहार में 54 सीटें हुआ करती थी। विभाजन के बाद बिहार में 40 सीटें रह गयी। विभाजन के बाद बिहार में हुये लोकसभा चुनाव में वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले)का खाता नहीं खुला है। विभाजन के बाद बिहार में वर्ष 2004, 2009, 2014 और वर्ष 2019 में लोकसभा के चुनाव हुये। इन चार चुनावों में वामदल के किसी भी प्रत्याशी ने जीत हासिल नहीं की है। वर्ष 2004 में भाकपा ने 06, माकपा ने 01 और भाकपा माले ने 21 प्रत्याशी चुनावी रणभूमि मे उतारे लेकिन उसे किसी सीट पर कामयाबी नहीं मिली। वर्ष 2009 में भाकपा ने 07, माकपा ने 05 और भाकपा माले ने 20 प्रत्याशी चुनावी समर में उतारे लेकिन उसे किसी सीट पर कामयाबी नहीं मिली।वर्ष 2014 के चुनाव में भी वामदल के सभी प्रत्याशी को बिहार के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में भाकपा के दो, माकपा के चार और भाकपा माले के 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे थे। वर्ष 2019 के चुनाव में भाकपा माले ने चार सीट,भाकपा ने दो सीट जबकि माकपा ने एक सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे। वामदल के कुल सात प्रत्याशी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उतरे थे लेकिन बिहार की चालीस सीटों में किसी भी सीट पर वामदलों का खाता नहीं खुल पाया। विभाजन से पूर्व अंतिम बार वर्ष 1999 मे भागलपुर से माकपा प्रत्याशी सुबोध राय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रभास चंद्र तिवारी को पराजित कर लोकसभा पहुंचे थे। इस चुनाव में भाकपा और भाकपा माले को कोई सीट नहीं मिली। माकपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सुबोध राय अंतिम वामदल के सांसद थे। बिहार लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडी गठबंधन) के घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल के तहत वाम दल पांच सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वामदल में शामिल (भाकपा-माले) आरा, काराकाट और नालंदा, (भाकपा) बेगूसराय और (माकपा) खगड़िया सीट से चुनाव लड़ेगी।भाकपा माले ने आरा संसदीय क्षेत्र से भोजपुर जिले के तरारी विधानसभा से विधायक सुदामा प्रसाद, काराकाट से पूर्व विधायक राजा राम सिंह और नालंदा संसदीय क्षेत्र से पटना जिले के पालीगंज से विधायक संदीप सौरभ को अपना उम्मीदवार बनाया है।इसी तरह बेगूसराय सीट पर भाकपा ने बेगूसराय जिले की बछवाड़ा सीट से तीन बार जीते पूर्व विधायक अवधेश राय को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है जबकि खगड़िय सीट से माकपा ने पूर्व विधायक योगेन्द्र सिंह के पुत्र और विभूतिपुर के विधायक अजय कुमार के भाई संजय कुमार चुनाव लड़ेंगे। संजय कुमार खगड़िया से माकपा के जिला सचिव हैं। देखना दिलचस्प होगा कि वाम दल के ये पांच सूरमा विभाजन के बाद बिहार में पार्टी का खाता खोलने में कितना सफल हो पाते हैं।

मां के प्यार की बराबरी संसार में कोई नहीं कर सकता : नीतू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अंतर्राष्ट्रीय मां दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान के ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि मां होने का एहसास होने का सबसे खूबसूरत एहसास है। दुनिया में यदि कोई हमसे सबसे ज्यादा प्यार करता है तो वह हमारे मां ही होती है । इसलिए हम सबको अपनी मां का विशेष ख्याल रखना चाहिए। हमारी माँ भी इंसान हैं, इस बात को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। मां की भी इच्छाएं और ख्वाहिशें होती हैं। शायद वो कभी घूमने जाना चाहती थीं, या कोई नया शौक अपनाना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने हमारी परवरिश के लिए अपने सपनों को त्याग दिया। उन्होंने कहा कि मां इतना कुछ करती हैं फिर भी अपनी ख्वाहिशों को मन में दबाये रखती है। अंतर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस के अवसर पर हम उनकी ख्वाहिशों को जानने की कोशिश करें और उन्हें पूरा करने में उनकी मदद करें. अपनी माँ के साथ थोड़ा वक्त बिताएं, उनकी पसंद की फिल्म देखें, या उनकी पसंद का खाना बनाकर उन्हें स्पेशल फील कराएं. यकीन मानिए, ये छोटी-छोटी चीजें ही उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देंगी।अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस और नर्सिंग दिवस के विशेष अवसर पर 100 से अधिक जोड़ों ने भाग लिया और आयोजन का आनंद उठाया। इस उत्सव के दौरान, इंदिरा आईवीएफ ने सभी गर्भवती महिलाओं को प्रोटीन पाउडर और सभी नर्सिंग स्टाफ को लैपटॉप बैग वितरित किए, जिससे उनके प्रयासों और समर्पण को सराहना मिली।इंदिरा आईवीएफ मातृत्व और नर्सिंग देखभाल में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता जारी रखता है, जिससे इन महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए सम्मान और प्रशंसा का माहौल बनता है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मधुकर ने कहा, ह्यइस तरह के आयोजन हमें उन लोगों की सराहना करने का मौका देते हैं जो हमारे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

बिहार के प्रमुख और पटना केंद्र के प्रमुख, डॉ. दयानिधि ने कहा कि आज का दिन हमें उन महान माताओं और नर्सिंग स्टाफ की याद दिलाता है जो हमारे जीवन में असीम योगदान देते हैं। इंदिरा आईवीएफ ने भारत में 1,50,000 आईवीएफ गर्भधारण का जश्न मनाया है, जिसमें से 15,000 से अधिक बिहार से हैं। क्लीनिकल प्रमुख, डॉ. सुनीता कुमारी, ने कहा, ह्यहमारा उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है बल्कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना भी है।

टीम सदस्य, डॉ. रीना रानी, डॉ. प्रगति भारती, डॉ. रितिका प्रकाश, डॉ. पूजा शिंदे, डॉ. विजय लक्ष्मी, और डॉ. फातिमा अनीस की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया' समारोह का संचालन डॉ. अनुजा मिश्रा और स्मिता कुमारी ने किया और समारोह की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

जमीन विवाद में बुजुर्ग की पीट पीट कर हत्या

मुजफ्फरपुर। जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के सुस्ता गांव में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर एक बुजुर्ग को पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक का पहचान सुस्ता गांव के वार्ड संख्या 11 के निवासी 68 वर्षीय सत्यनारायण राय बताया गया है। उनके भतीजा शत्रुघ्न राय ने बताया कि पट्टीदार सुन्देश्वर राय ने उनके चाचा को लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी। मामला की 42 डिसमिल जमीन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है। जिसमें मक्के की फसल लगा हुआ है। जिसे काटई करने को लेकर मारपीट हो गया, इस घटना में सत्यनारायण राय गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें ईलाज के लिए परिजन गायघाट सीएचसी लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि यह मामला कोर्ट में लंबित है। बताया की तीन दिन पूर्व भी दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। इसके बाद ग्रामीणों की पहल पर मामला शांत करा दिया गया था। बेनीबाद थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। इस मामले में मृतक के परिजनों द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

स्वीप कार्यक्रम के तहत चलाया गया जागरुकता अभियान

विभूतिपुर, समस्तीपुर। लोकसभा आम निर्वाचन के चौथे चरण में प्रखण्ड क्षेत्र में चुनाव को लेकर जीविका ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत रैली, रंगोली, शपथ, बीपीएम संजीव कुमार पासवान के नेतृत्व में रुकमिणी जीविका महिला ग्राम संगठन में पंचायत के बूथ न.97 से लगभग 400 मीटर तक लोगों को मतदान करने के प्रति जागरुक करते हुए वोट डालने की अपील किया। मौके पर सामूदायिक समन्वयक गोविन्द कुमार, एसी संदीप कुमार, बीके रवीना, सीएम मोनिका, रिंकू सहित अन्य कैडर उपस्थित हुए। इस जागरुकता अभियान में लगभग 117 दीदी उपस्थित हुई।

आज और कल शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

समस्तीपुर, 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इसके तहत जिला प्रशासन व ट्रैफिक डीएसपी के द्वारा शहर में 12 में की सुबह 5:00 से रात्रि 9:00 तक खाद्यान्न के वाहन सहित सभी तरह के व्यावसायिक वाहन के परिचालन पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही 13 मई की सुबह 6:00 से 14 में की सुबह 6:00 बजे तक किसी भी व्यावसायिक (गुड्स) वाहनों का प्रवेश शहर के सभी मार्गों पर वर्जित रहेगा। इस दौरान वैकल्पिक तौर पर व्यावसायिक वाहन (गुड्स) का परिचालन वाहन मालिक मुसरीघरारी से ताजपुर एवं मुसरीघरारी से दलसिंहसराय के मार्गों से अपने-अपने वाहनों का परिचालन कर सकते हैं। निर्देश का शत-प्रतिशत अनुपालन कर चुनाव कार्यो में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है। वहीं इस संबंध में ट्रैफिक डीएसपी आशीष रंजन ने बताया कि लोकसभा चुनाव मतदान को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। एफसीआई, एसएफसी, सीडब्लूसी व एसडब्लूसी से जुड़े प्रबंधक, परिवहन अभिकर्ता एवं सभी तरह के व्यावसायिक वाहनों के मालिक एवं चालकों को इस निर्देश का पालन करना है।

समस्तीपुर व उजियारपुर के 2747 मतदान केंद्रों पर 27 लाख 35 हजार 54 मतदाता अपने मत का करेंगे प्रयोग

- 50% मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग की व्यवस्था, कंट्रोल रूम से रखा जाएगा नजर
- मतदान से पूर्व दूसरे जिले के लोगों को यह जिला छोड़ने का आदेश, पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले के दो लोकसभा क्षेत्र समस्तीपुर (सुरक्षित) व उजियारपुर में 13 मई को मतदान होना है। 11 मई को शाम दोनों लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का दौर थम गया। इसको लेकर शनिवार को समाहरणालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में डीएम योगेंद्र सिंह व एसपी विनय तिवारी के द्वारा चुनाव की तैयारियों एवं व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी गई। डीएम योगेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों लोकसभा क्षेत्र के लिए जिले में 1564 मतदान भवनों में 2747 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिले के सभी मतदान दलों को सामग्री वितरण कर दिया गया है। बारिश की संभावना को देखते हुए मतदान दलों को पॉलिथीन व मतदान कर्मियों के लिए 14 दवाओं के साथ ओआरएस का पैकेट भी उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही सिविल सर्जन के द्वारा सभी मतदान केंद्रों पर एक एएनएम व आशा की प्रतिनियुक्ति की गई है। ईवीएम, मेडिकल व लॉ एंड ऑर्डर के लिए अलग-अलग क्यूआरटी टीम बनाया गया है। वहीं 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग की व्यवस्था की गई है। जिसके माध्यम से कंट्रोल रूम, उच्च स्तरीय विभाग व कार्यालय से निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों लोकसभा क्षेत्र में कुल 27 लाख 35 हजार 54 मतदाता हैं। इसमें 32 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। वहीं सेवा मतदाताओं की संख्या दो हजार 821 है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग व अति वृद्ध मतदाताओं के लिए होम वोटिंग का कार्य कराया गया है। इनमें से कई मतदाताओं ने मतदान केंद्र पर आकर अपने मत का प्रयोग करने की बात कही है और उनके लिए दो हजार 747 व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्रों पर क्यू मैनेजमेंट के लिए होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। बूथों पर वोटर असिस्टेंस बूथ भी बनाया गया है। यह मतदान केंद्र के बीएलओ के नेतृत्व में कार्य करेगा। वहां सभी बीएलओ अल्फाबेटिकल वोटर लिस्ट के तहत मतदाताओं का सीरियल नंबर खोजने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वोटर कार्ड या सरकार द्वारा निर्धारित किए गए अन्य 12 पहचान पत्र में से कोई एक साथ में लेकर आने पर मतदाता वोटर लिस्ट के अनुसार अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिला मतदाताओं की पहचान के लिए कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि बूथों पर सेक्टर ऑफिसर, सेक्टर पुलिस ऑफिसर्स बनाए गए हैं। उनके ऊपर जोनल व सुपर जोनल डंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त हैं। क्षेत्र में हम लोग लगातार भ्रमणशील रहेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व 48 घंटे की जो समय सीमा है, इसको देखते हुए वह मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में अपने-अपने मतदान केंद्रों पर आकर अपने मत का प्रयोग करने की अपील करते हैं, ताकि पिछले लोकसभा चुनाव व पिछले तीन फेज में जो चुनाव हुए हैं, उसकी अपेक्षा जिले के मतदान का प्रतिशत बढ़े। इससे जिले का गौरव बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह के सात बजे से शाम के छह बजे तक मतदान का समय है। उन्होंने बताया कि मतदान सामग्री वितरण का कार्य आज समाप्त हो चुका है। रविवार को ईवीएम का वितरण किया जाएगा। उसके बाद सभी मतदान कर्मी अपने-अपने संबंधित मतदान केंद्रों की ओर रवाना हो जाएंगे। सोमवार को मॉक पोल के बाद सात बजे से शुरू होने वाले मतदान की निगरानी की जाएगी। एसपी विनय तिवारी ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश पर जिले के दोनों लोकसभा क्षेत्र में होने वाले चुनाव से 48 घंटे पूर्व एक एसओपी लागू किया जा रहा है। इसके तहत शनिवार की शाम 5:00 बजे के बाद से समस्तीपुर जिले में रह रहे दूसरे जिले के लोगों को रहने की मनाही है। ने कहा कि वह दूसरे जिले के लोगों व प्रत्याशी के प्रचार में आए अन्य जिले के लोगों को अविलंब जिला खाली करने की सलाह देते हैं। पकड़े जाने के बाद उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिले के होटल व लॉज आदि की तलाशी ली जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने को लेकर उजियारपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 187 व समस्तीपुर (सुरक्षित) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 167 सेक्टर दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

एक सनकी व्यक्ति ने ससुराल में अपनी पत्नी, दो मासूम बच्ची और सास की कुच-कुच कर कि हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी एक सनकी व्यक्ति ने ससुराल में अपनी पत्नी, दो मासूम बच्ची और सास की पत्थर से कूच कूच कर हत्या कर दिया और फरार हो गया। बताया जाता है की हत्यारा पवन महतो बाहर मजदूरी करता था कुछ दिन पहले ससुराल आया था सास से हमेशा रुपए की मांग करता था सास मजदूरी कर अपनी पुत्री और उसके बच्चे की परवरिश किया करती थी कल पवन महतो के द्वारा सास से रूपया की मांग की गई थी जिसे उसकी सास प्रमिला देवी ने देने असमर्थता जताई तो सनकी पवन महतो ने देर रात अपनी पत्नी हिरण देवी, बेटी प्रिया 4 वर्ष, बेटी प्रीति 6 वर्ष और 60 प्रशीय प्रमिला देवी की जाता पीसने वाला पत्थर से कूच कूच कर निर्मम तरीके से हत्या कर दिया वही घटना को अंजाम देता देख पवन महतो के साले के दो बच्चे जान बचाकर भाग निकले और छुपे गए। दोनो बच्चे सुबह होने पर आस परोस के लोगों को घटना की जानकारी दी। जिसके घटना की सूचना पर झंझारपुर के DSP दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम केलिए भेज दिया है और दरभंगा जिला के आवाम गांव निवासी हत्यारे पवन महतो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी में जुटी है। बाइट रेक्स महतो मृतक हिरण देवी के जीजा।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला में आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा मतदाताओं को जागरुक एवं प्रेरित करने हेतु स्थानीय रामदयालु सिंह महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर आधारित भव्य एवं आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वैशाली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक श्री शिव प्रसाद नकाते, जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर सुब्रत कुमार सेन एवं उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने शिरकत की। इस अवसर पर युवा प्रतिभागियों द्वारा मतदाता जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन, हस्ताक्षर अभियान, शपथ कार्यक्रम, पेंटिंग एवं पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ रामदयालु सिंह महाविद्यालय के सात सदस्यीय छात्रों की युवा टीम द्वारा मतदाताओं को जागरुक एवं प्रेरित करने हेतु नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। युवा प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुति से स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात इस कार्यक्रम में पेंटिंग एवं पोस्टर निर्माण की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आरडीएस कॉलेज के प्रेम सिंह ने प्रथम स्थान, आरबीबीएम कालेज के निवेदिता कुमारी ने द्वितीय स्थान तथा आरडीएस कॉलेज के ही सूरज पासवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य प्रेक्षक एवं जिलाधिकारी द्वारा तीनों प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त चुनाव पर आधारित नारा लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें एंगल कुमार ने प्रथम स्थान, विवेक कुमार ने द्वितीय स्थान, तथा अंजली कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों प्रतिभागियों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के जिला स्वीप आईकॉन श्री अभ्युदय शरण के सराहनीय योगदान को देखते हुए समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सामान्य प्रेक्षक ने कहा कि वैशाली लोकतंत्र की जननी रही है। इसलिए इस क्षेत्र के सभी मतदाताओं को लोकतंत्र की मजबूती हेतु अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा दूसरों को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने की जरूरत है। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में शरीक सभी युवा प्रतिभागियों की हौसला अफजाई करते हुए उनकी कलात्मक अभिरुचि एवं प्रदर्शित कला को प्रशंसनीय बताया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिलावासियों से मुजफ्फरपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 20 मई को एवं वैशाली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 25 मई को अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की अपील की। उप विकास आयुक्त श्री आशुतोष द्विवेदी ने युवा प्रतिभागियों को अपने स्तर से अन्य शिक्षण संस्थाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम करने तथा मतदाताओं को जागरुक एवं प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आईसीडीएस के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्रीमती चांदनी सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मोदी के प्रयास से बना भगवान श्री राम का भव्य मंदिर : प्रेम

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दरभंगा लोकसभा के ग्रामीण विधानसभा के प्रखंड ग्रामीण के ग्राम खुटवारा, खरूआ, तेलहं, अतिहर पंचायत के ग्राम भगवानपुर, बेलवा हिंगोली,अतिहार, डिबेरहि अदलपुर पंचायत के ग्राम माली टोल, फजीला, तिकाटोल मे एनडीए समर्पित भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर के पक्ष में चुनाव प्रचार अभियान चलाया गया जिसका नेतृत्व भाजपा के वरिष्ठ नेता मंत्री सहकारिता विभाग पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन ने किया इस मौके पर उपस्थित ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद मंडल महामंत्री चंदन ठाकुर मंडल अध्यक्ष ब्रह्मानंद यादव प्रदेश कार्य समिति विधि प्रकोष्ठ दीपक मिश्रा संजीव सिंह बृजेश राय मनोज यादव उदय मंडल रुला झा घनश्याम चौधरी काशी मंडल मनोज यादव सहित नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे इस मौके पर डॉ कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी नेतृत्व में देश का सर्वांगीण विकास हुआ है दरभंगा लोकसभा मधुबनी लोकसभा सहित पूरे बिहार के सभी लोकसभा क्षेत्र में बिहार में राष्ट्रीय उच्च पथ रेलवे स्वास्थ्य शिक्षा सिंचाई सहित विभिन्न योजनाओं में अनगिनत कार्य हुए हैं।अयोध्या में 500 वर्षों से श्री राम मंदिर बनाने को लेकर राम भक्त संघर्ष कर रहे थे जो मोदी जी के शासनकाल में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ

एमजीएसएस में मातृ दिवस का भव्य आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।महात्मा गाँधी शिक्षण संस्थान के गाँधी विहार शाखा में मातृ दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ निधि वत्स, शिक्षा विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा विद्यालय के चेयरमैन हीरा कुमार झा एवं समन्वयक श्रावणी शिखा और सीसीए प्रभारी बी एन झा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत समन्वयक श्रावणी शिखा ने मिथिला परंपरा अनुसार पाग,अंग वस्त्र एवं मोमेंटो प्रदान कर किया। आगत अतिथि का स्वागत सी सी ए प्रभारी बी एन झा के स्वागत उद्बोधन और विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया गया।आगंतुक अभिभावकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ निधि वत्स ने कही कि माताओं को मातृत्व और अनुशासन के बीच बच्चों के सर्वांगीण विकास में संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने एक माँ और अभिभावक के बीच के महत्त्वपूर्ण फर्क को बारीकी से रखी। थ्री एच यानि हेड, हार्ट और हैंड के बीच समन्वय स्थापित कर निजी जिंदगी के साथ साथ अपने बच्चे बच्चियों की जिंदगी को नया आयाम देते हुए आगे बढ़ने की सलाह दी। समन्वयक श्रावणी शिखा ने बच्चों के चरित्र निर्माण में माँ के त्याग और बलिदान पर प्रकाश डाली। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यालय के चेयरमैन हीरा कुमार झा ने माँ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माँ ही तो श्रृष्टि की जननी है। यहां तक कि ईश्वर को भी पृथ्वी पर अवतरित होने के लिए माँ की आवश्यकता पड़ी थी। उन्होंने कहा कि आज कल हमारे समाज में भी पहनावे, भोजन और भाषा में पाश्चात्य सभ्यता का विस्तार हो रहा है। कहा कि माँ और विद्यालय के बीच अगर बच्चों के लिए समन्वय बना रहे तो बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होना निश्चित है। साथ ही इसके लिए समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में अनेकों विद्यार्थियों यथा- चाहत प्रिया, शिवानी, खुशी, जया, हर्षित, आकृति आनन्द, जागृति, अरकम अली, सानिया, एकांश, श्रेया पाठक आदि ने माँ को समर्पित भाषण, कविता वाचन, नृत्य और संगीत के माध्यम से मातृत्व की भावनाओं को जागृत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रबंधक राजीव कुमार, एच एन चौधरी, राज किशोर झा, कविता कुमारी, स्वाति, बेबी कुमारी, प्रतिमा सिंह, सुभाष कुमार, मो० एजाज व संचालन सरिता श्रीवास्तव एवं पलक मिश्रा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन उदय कुमार सिंह ने किया।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया दरभंगा में रोड शो

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। आज चुनाव के अंतिम दिन बिहार के उपमुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर के समर्थन में डीएमसीएच के मैदान से लहेरियासराय होते हुये शहर में किया रोड शो। इस रोड शो में सांसद व भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर, दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी, केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा,जाले विधायक जीवेश कुमार, राज्यसभा सदस्य धर्मशाला गुप्ता, पूर्व विधायक अमरनाथ गमी, मनीष जायसवाल, देवेंद्र झा, अश्वनी यादव,विनय दास,बुलेट सेना के राकेश झा, अंजनी निषाद, अमलेश झा, बिपिन राय, अंकुर गुप्ता, अरुण झा सहित उत्साहित कार्यकर्त्ता सैकड़ो की संख्या में मोटर साईकिल लेकर रोड शो जुलुस में झंडा बैनर के साथ शामिल थे।

सीएम कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सी एम कॉलेज की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्रों -छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरूकता प्रपत्र वितरित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ. मुस्ताक अहमद जी ने कहा कि भारत में अभी लोकतंत्र का महापर्व मनाया जा रहा है और इस पर्व की ओर पूरे विश्व की निगाह है क्योंकि भारत लोकतंत्र का जनक है और बिहार की वैशाली इस महापर्व के उद्भव -विकास का मूल स्रोत है, इसलिए हम सब का दायित्व है कि इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर रखें एवं निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागी बनें और लोकतंत्र की सुरक्षा एवं संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए देश हित में कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों को चुनें। चुनाव के माध्यम से ही हम अपने सरकार, मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों का चयन करते हैं। हमारी संस्था प्रत्येक लोकसभा विधानसभा एवं पंचायत और निकाय के चुनाव के दौरान मतदाता जागरूकता के संबंध में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करते रहे हैं, इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए आज भी हम कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं जिसके लिए हमारे कार्यक्रम पदाधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण और छात्र-छात्राएं धन्यवाद के पात्र हैं। मैं इस कार्यक्रम के आयोजनके लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और सबको निष्पक्ष निर्वाचन में सहभागिता करने के लिए आह्वान करता हूं इस अवसर पर पूर्व कार्यक्रम पदाधिकारी अखिलेश कुमार राठौर ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा हम सब की जिम्मेवारी है और इसका सबसे सटीक उपाय यह प्रयास है कि निर्वाचन प्रणाली स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं जनमत पर आधारित हो। किसी प्रकार के प्रलोभन या दबावों में आकर किया जाने वाला मतदान स्वस्थ लोकतंत्र का पैमाना नहीं है। इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अभिमन्यु कुमार, डॉ मोहम्मद शाकीर आलम, डॉ रितिका मौर्या, डॉ शाकीर आलम, डॉ आलोक कुमार, डॉ ललित कुमार शर्मा, प्रो अखिलेश कुमार राठौर, डॉ अभिमन्यु कुमार, डॉ रीता दुबे, डॉ मीनाक्षी राना, डॉ रूपेंद्र झा, डॉ बिंदु चौहान, डॉ आलोक कुमार राय, डॉ संजीव कुमार, डॉ आशीष कुमार बरियार ,डॉ शैलेंद्र श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षकों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

प्रेम प्रसंग में हुई थी धीरज की हत्या, हत्यारा गिरफ्तार

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

खोकसाहा चौक स्थित कपड़ा दुकान में हुई अंधाधुंध फायरिंग में धीरज की हुई हत्या का उद्वेदन करते हुए रोसड़ा डीएसपी सोनल कुमारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बताई की प्रेम प्रसंग में धीरज की हत्या हुई थी। धीरज का प्रेम-प्रसंग पिंकेश कुमार उर्फ ज्योति प्रकाश की बहन के साथ चल रहा था।सत्यापन के क्रम में यह भी बात प्रकाश में आयी है कि पिंकेश कुमार उर्फ ज्योति प्रकाश एवं धीरज कुमार के बीच जमीन के खरीद-बिकी से संबंधित मनमुटाव चल रहा था। उसी सब कारणो से पिंकेश कुमार के द्वारा खोकसाहा चौक स्थित कन्हैया कुमार उर्फ सुजीत कुमार के कपड़ा के दुकान पर बैठे धीरज कुमार के ऊपर गोली फायर कर दिया। जिससे धीरज कुमार का मृत्यु हो गयी तथा दुकानदार कन्हैया कुमार उर्फ सुजीत कुमार को हाथ में गोली लग जाने के कारण घायल हो गये है।विभूतिपुर थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप के द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए धीरज कुमार के शव को विधिवत अन्त्यपरीक्षण हेतु सदर अस्पताल समस्तीपुर भेजा गया तथा पिंकेश कुमार उर्फ ज्योति प्रकाश को गिरफ्तार कर अग्रेतर कार्रवाई किया गया है। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक महोदय समस्तीपुर के दिशा-निर्देश में विभिन्न थाना क्षेत्रो में अपराधकर्मियो के गिरफ्तारी एवं अपराध की रोकथाम हेतु सघन छापामारी एवं तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 9 मई की रात्रि में थानाध्यक्ष, विभूतिपुर थाना को विभूतिपुर थाना अंतर्गत खोकसाहा चौक पर गोली चलने की सूचना प्राप्त हुई। सत्यापन में पुलिस पहुंची तो धीरज की मौत हो चुकी थी।

अनियंत्रित मीनी हाईवा ने बाईक सवार पति-पत्नी को रौंद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली मधुबनी मुख्य सड़क पर शनिवार को विद्यापति चौक ठाहर से करीब दो सौ मीटर दूरी पर गिट्टी से लदी देवपरी ट्रेडर्स की एक अनियंत्रित मीनी हाईवा ने बाईक सवार पति-पत्नी को रौंद दिया. जिसमें बाईक सवार ठाहर गांव निवासी चंदेश्वर पाठक उर्फ चंदे पाठक के पत्नी उषा देवी (53) की मौत घटना स्थल पर ही हो गया. वहीं बाईक चालक चंदेश्वर पाठक गंभीर रूप से जख्मी है। स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए खजौली पीएचसी में भर्ती करवाया गया. जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया गया. पुलिस ने शव एवं हाईवा को अपने कब्जा में कर लिया. शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया. ठोकर मारकर भाग रहे हाईवा चालक को ग्रामीणों ने खदेड़कर पकड़ लिया एवं पुलिस के हवाले कर दिया. घटना को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब दो घंटा तक शव के साथ खजौली-मधुबनी मुख्य सड़क को जामकर विरोध प्रदर्शन किया।

पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं दोषी हाईवा चालक पर कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे. सूचना पर पहुचें खजौली थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, बीडीओ लवली कुमारी, पीएसआई जीतेश कुमार मिश्र, एसआई विनोद कुमार, एसआई सुनील कुमार सहित अन्य पुलिस बल की सहयोग से सड़क को जाम से मुक्त कर आवागमन को बहाल किया गया. वहीं बीडीओ लवली कुमारी ने पीड़ित परिवार को नियमानुसार पारिवारिक लाभ दिये जाने का आश्वासन दिया. थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि आवेदन प्राप्त नहीं हुआ हैं. आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी. कैसे हुई घटना प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदेश्वर पाठक अपने पत्नी को बाईक से मधुबनी ले जा रहे थे।

उसी क्रम में पीछे से आ रहे गिट्टी लदे देवपरी ट्रेडर्स की एक अनियंत्रित मीनी हाईवा ट्रक बाईक को पीछे से ठोकर मार दिया. जिसमें बाइक सवार पति-पत्नी सड़क पर गिर गया. हाईवा ने उसके पत्नी उषा देवी के सिर पर हाईवा चलाते हुए आगे निकल गया. जिसमें महिला का सिर फैक्कर हो गया एवं उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गया. वहीं बाईक चालक चंदेश्वर पाठक गंभीर रूप से जख्मी हो गये, जिसका उपचार सदर अस्पताल मधुबनी में चल रहा है।

सदर अस्पताल में नर्सिंग दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर का आयोजन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सदर अस्पताल व पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप के संयुक्त प्रयास से ब्लड बैंक विभाग में नर्सिंग दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत अस्पताल उपाधीक्षक डॉ गिरीश कुमार ने फिता काट कर और सर्वप्रथम रक्तदान कर किया। इस मौके पर चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष, अस्पताल प्रबंधक, जीएनएम नर्स शारदा कुमारी, शशि कुमारी, सुनीता कुमारी, ममता कुमारी, मनु कुमारी, रंजिता कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, स्टाफ नर्स दिनेश कुमार, ब्लड बैंक इंचार्ज निशा कुमारी, ब्लड बैंक टीम, एवं सरकार से जुड़ी संस्था पिरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप के सभी लोग मौजूद थे। अस्पताल के उपाधीक्षक ने बताया कि हम सभी ने मिलकर नर्सेस के सम्मान हेतु इस योजना को बनाया था, और नर्सिंग डे के उपलक्ष्य में इस शिविर को लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि नर्सिंग का अर्थ सेवा भाव है, और सेवा का एक रूप रक्तदान है। इसलिए हमें रक्तदान जरूर करना चाहिए अगर हम सक्षम हैं। यह भी देखने को मिला कि सभी लोग आंतरिक रूप से बहुत खुश और उत्साहित थे, इस अवसर पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आशुतोष कुमार एवं अन्य जीएनएम ने भी रक्तदान कर अपनी प्रसन्नता को जाहिर किया। पिरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप टीम के सभी साथियों ने रक्तदान करके कार्यक्रम और सेवा को आगे बढ़ाया, और कार्यक्रम में आए आगंतुकों को ब्लड बैंक में मौजूद सभी कर्मी ने पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अभूतपूर्व योगदान दिया और प्रेरित किया, और सभी रक्तदान कर रहे लोगों को ब्लड बैंक की टीम ने ह्यक्या करें और क्या न करेंह्न को बताते हुए रक्तदान करने के लाभ भी बताया।

डीईओ व वरीय पुलिस अधीक्षक ने शत प्रतिशत मतदान हेतु निकला कैंडल मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।जिला निर्वाचन पदाधिकारी दरभंगा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक दरभंगा के उपस्थिति में आज लहरिया सराय के नेहरू स्टेडियम से शत प्रतिशत मतदान हेतु कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह कैंडल मार्च नेहरू स्टेडियम से हाजमा चौक होते हुए लहरिया सराय टावर से आगे समाहरणालय परिसर में आकर समाप्त हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले वासियों से अपील किया कि 13 फरवरी 2024 को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान अवश्य करें, लोकतंत्र की नींव को मजबूत करें और जिले के गौरव को बढ़ाएं। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है।इसके साथ-साथ सभी आधारभूत सुविधा भी सुलभ कराई गई है। काफी संख्या में सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मतदाता निर्भीक होकर अपना मतदान करें और जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाए। कैंडल मार्च जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में आयोजन आईसीडीएस ,जीविका आदि के सौजन्य से किया गया। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक अधिकारी, जीविका दीदियां, सेविका, सहायिका स्थानीय नागरिक आदि सम्मिलित थे।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी के निधन पर जताया शोक

आलमनगर (मधेपुरा) आलमनगर प्रखंड के नगर पंचायत वार्ड नंबर 12 निवासी समाजसेवी विभूति झा के असामयिक निधन से स्थानीय सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए लोग व विभिन्न राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया। बताया गया कि उनकी अचानक तबीयत खराब होने की वजह से बेहतर इलाज के लिए पटना ले जाया जा रहा था इसी दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही गांव में शोक का लहर है। पूर्व विधायक प्रत्याशी सह चेयरमैन प्रतिनिधि सर्वेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ सर्वेश बाबू, राजद के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी इंजीनियर नवीन निषाद, लोजपा नेता सह पूर्व एनडीए विधानसभा प्रत्याशी चंदन सिंह, व्यवसायी विनोद अग्रवाल, मुकेश सुरेखा, जदयू नेता चंद्रशेखर चौधरी, कांग्रेस नेता महेश मोहन झा आदि ने संवेदना व्यक्त किया।

मतदाताओं के बीच मतदाता पर्ची का वितरण

जंदाहा।मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरूक किए जा रहे है साथ हीं जिला प्रशासन के आदेशानुसर बी एल ओ द्वारा प्रत्येक बूथ के मतदाताओं के घर घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण किया जा रहा है।मतदाता पर्ची का वितरण किए जाने के क्रम में उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोमा उसराहा में पदस्थापित शिक्षक व बी एल ओ नरेश राम द्वारा बूथ संख्या123 के प्रत्येक मतदाताओं के घर पर पहुंचकर मतदाता पर्ची का वितरण करने के साथ मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान कर मतदान प्रतिशत बढ़ाए जाने के लिए जागरूक किया गया।

चिराग पासवान को वोट देकर जिताईए, युवा है और आगे बढ़ेंगे : नीतीश कुमार

- हाजीपुर लोकसभा के देसरी प्रखंड में मुख्यमंत्री ने की चिराग पासवान के लिए चुनावी सभा

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर।हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के एनडीए समर्थित लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रत्याशी श्री चिराग पासवान जी के पक्ष में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने देसरी प्रखंड के शिवप्रसाद सिद्धेश्वर महाविद्यालय खेल मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज कराने की अपील की। जनसभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने दावा किया की तीसरी बार श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे बिहार के सभी 40 सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत होगी और देश में एनडीए को 400 से अधिक सीटे मिलेगी। नीतीश कुमार ने कहा की प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में तेजी से विकास कार्य हुआ है। चिराग पासवान का हौसला बढ़ाते हुए कहा की चिराग नौजवान है और खूब आगे बढ़ेंगे ।उन्होंने हाथ उठाकर लोगों से चिराग पासवान के लिए समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में अपने कार्यकाल में हुए बिहार के विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहां के बिहार में कितना विकास कार्य हुआ है यह दिखता है। 2005सेपहले बिहार की कितनी बदतर स्थिति थी।

तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जितना काम हुआ है, वह सब हम लोगों ने किया है।आज कोई बोलते चलता है कि हमने किया है।तो वह अपने विभाग में कितना बहाली किया यह बताना चाहिए। उसको कोई आइडिया है। खाली अड़ बड़ बोलता है। चुनाव बाद सब पता चलेगा। हम लोगों ने बिहार में छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल योजना चलाई,शिक्षा को बढ़ावा दिया। सभी पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलवाए। नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में दंगे फसाद होते रहते थे शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चौपट थी रोड नहीं था।बिजली गायब थी और लोग शाम के बाद डर से घरों से नही निकलते थे। हमने सत्ता संभालने के बाद तेजी से विकास कार्य किया और आज हर घर बिजली से जगमग है ।सड़के चकाचक है। हमने न सिर्फ पंचायत चुनाव कराया बल्कि महिलाओं को 50% आरक्षण देने का काम किया। हमारी सरकार ने छात्राओं के लिए साइकिल की व्यवस्था की । इंटर पास करने पर छात्राओं को 25000 और स्नातक पास करने पर 50000 दिया जा रहा ।हमारी सरकार ने स्वयं सहायता समूह हो को बढ़ावा देते हुए जीविका का गठन किया ।आज बिहार में 10 लाख 51000 स्वयं सहायता समूह कार्यरत हैं। जीविका दीदियां अब कितना अच्छा बोलते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अब हम इधर-उधर जाने वाले नहीं हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की। चिराग पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास कर रहा है। डबल इंजन की सरकार की योजनाओं का लाभ पूरा बिहार उठा रहा है। लोकसभा के बाद बिहार में विधानसभा में एनडीए की सरकार बनेगी। बिहार सरकार द्वारा लोगों के लिए कई योजनाओं चलाई जा रही है। 1990 के दशक में लाठी में तेल पिलाने नौकरी के बदले जमीन हरपने वाली सरकार थीं।श्री चिराग ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वाले आज संविधान को खतरे में बता रहे हैं। जब तक चिराग पासवान जिन्दा है तब तक संविधान और आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। देश में पीएम जन कल्याण योजना के तहत 81 करोड लोगों को राशन दिया जा रहा है।

अगर देश में इण्डिया गठबंधन की सरकार बनी तो गरीबों को मिलने वाला राशन छीन लिया जाएगा। यह सोच कांग्रेस और राजद की है कांग्रेस विरासत टैक्स लगाने की सोच रही है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एवं कश्मीर में धारा 370 को समाप्त किया गया। चिराग पासवान ने लोगों से 13 मई को हाजीपुर के कुतुबपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभा में आने का आमंत्रण दिया। चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश का चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए आभार प्रकट किया। सभा को राज्यसभा सांसद संजय झा, विधायक सिद्धार्थ पटेल, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, पूर्व सांसद राम सिंह पूर्व विधायक सतीश कुमार राय सहित एनडीए के कई नेताओं ने संबोधित किया। सभा स्थल पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चिराग पासवान के नेतृत्व में फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

महंगाई व गरीबी से जनता त्रस्त:तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

पातेपुर । देश की जनता गरीबी और महंगाई की मार से त्रस्त है।ये बातें शनिवार को उजियारपुर संसदीय क्षेत्र के पातेपुर में आयोजित विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कही।उन्होंने कहा कि उनकी सरकार केंद्र में आई तो वह 1 करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।गरीब बहनों को साल में 1 लाख रुपये देंगे।200 यूनिट फ्री बिजली,500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेंगे।उन्होंने प्रधानमंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि 15 लाख रुपये,कालाधन,विशेष राज्य का दर्जा का क्या हुआ।वह लोगों से कहा कि उनकी सरकार बनी तो गरीबों को 10 किलो अनाज मुफ्त में देंगे।अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे।लोगों को उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में मुकेश सहनी को बहुत बड़ी भूमिका मिलने वाली है।इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रेमा चौधरी,मुन्ना शुक्ला,शिवचंद्र राम,पूर्व प्रमुख राजनारायण राय,सीताराम राय,प्रो0 मो0 यसीर, तारक चौधरी,मुखिया उत्तम चौधरी, सत्येंद्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।सभा का संचालन आरजेडी के प्रखंड अध्यक्ष मो0 मकबूल अंसारी ने किया।

लगातार हो रहा चेन स्नैचिंग, दरोगा की माँ के गले से छीना सोने की चेन, चुनौती

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र में इन दिनों लगातार चेन स्नेचिंग की घटना सामने आ रही है हाल ही में मुरलीगंज थाना परिसर से सटे शिव मंदिर के बगल में एक परिसर में घुसकर बाइक सवार बदमाशों ने महिला शिक्षिका से चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया उसके ठीक दो-चार दिन बाद ही मुरलीगंज गोसाई टोला में गैस एजेंसी के समीप भी बाइक सवार बदमाशों ने चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दे डाला यह सभी मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा और न ही किसी बदमाशों की गिरफ्तारी हो सकी की एक बार फिर बीती रात देर शाम को नगर पंचायत के वार्ड संख्या 6 गोसाई टोला मोहल्ला में एक दरोगा की मां के साथ चैन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दे दिया गया। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि गोसाई टोला निवासी दरोगा कुंदन कुमार की मां अपने घर के बाहर टहल रही थी इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक उतरा और पहले इधर-उधर रेकी की उसके बाद दरोगा की मां से किसी मुकेश कुमार के घर का पता पूछने के बहाने नजदीक गया और गले से सोने की चेन झपटकर बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। घटना की सूचना पाते ही मौके पर पहुंची मुरलीगंज थाने की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। वही लगातार हो रहे चेन स्नेचिंग की घटना से शहर में दहशत का माहौल है तो पुलिसिया कार्रवाई के प्रति आक्रोश भी है।अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या मुरलीगंज पुलिस इस तरह के घटना पर विराम लग पाती है और मुरलीगंज में सक्रिय हो चुके चैन स्नेचिंग गिरोह को दबोच पता है या नहीं।

मदर्स डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर प्रखंड के अंतर्गत पूर्वी गुगुलडीह पंचायत में अवस्थित मैरी बहन आवासीय बालिका विद्यालय के छात्राओं के द्वारा मदर्स डे के अवसर पर परिवार विकास चंद्रशेखर नगर के प्रशिक्षण भवन में भव्य संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्विज, पत्र लेखन, एवं संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । क्विज प्रतियोगिता में समीना लक्ष्मी सोनाली चांदनी रितु कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पत्र लेखन व चित्रांकण प्रतियोगिता भारतीय धरोहर रूपी संस्कृति को बचाने के लिए बच्चियों को अपनी मां से अगाध प्रेम की भावना जागृत का प्रयास को लेकर किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर शिक्षिका रुबी कुमारी, अनुराग इक्का, पिंकी कुमारी के अलावे दर्जनों बच्चियां मौजूद थे ।

फायदा-नीम के अर्क का उपयोग कृषि में कीट व रोग को रोकने के साथ पोषक के लिए होता है

- नीम व तुलसी से बने जैव कीटनाशक का फल और सब्जियों पर प्रयोग करें किसान
- इससे गुंणवतापूर्ण फल सब्जियों का उत्पादन होगा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर आज के दौर में प्रायःकिसान फल एवं सब्जियों के उत्पादन में रासायनिक कीटनाशक का प्रयोग काफी जोर शोर से कर रहे है।फल एवं सब्जियों पर छिड़के जाने वाले रासायनिक कीटनाशकों से जहां फल व सब्जियां लगातार प्रदूषित हो रही है।वही इन सब्जियों का सेवन मानव शरीर को भी व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचा रहा है। देश के किसान फल एवं सब्जियों के फसल पर रासायनिक कीटनाशक की जगह नीम और तुलसी से बनाए गए जैव कीटनाशक का प्रयोग कर गुणवत्तापूर्ण फल और सब्जियों का उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।जानकारी देते हुए उर्वरक निरीक्षक सह कृषि संबंधित राजीव कुमार ने बताया कि अब किसानों के समक्ष प्रश्न या उठता है कि वे नीम और तुलसी से वैज्ञानिक विधि से जैव कीटनाशक कैसे बनाएं। उन्होंने बताया कि नीम के अर्क का उपयोग कृषि में कीट और रोग का प्रबंधन करने के साथ-साथ पौधों में पोषक तत्वों की आपूर्ति करने के लिए भी किया जाता है। नीम और तुलसी किसानों के लिए हर हाल में सुरक्षित है। नीम और तुलसी से बना जैव कीटनाशक पर्यावरण के लिए भी काफी सुरक्षित है।कृषि विशेषज्ञ ने बताया की चौथी विधि यानी तुलसी के पत्ते के अर्क यानी (एक्सट्रैक्स) से जैव कीटनाशक बनाने के लिए किसान सर्वप्रथम 50 ग्राम तुलसी के पत्तों को पीस लें तथा उसे रात को 2 से 3 लीटर पानी में भिगोने के लिए रख दें। सुबह उसे अच्छे से छान ले तथा इसके बाद 8 से 12 एमएल तरल साबुन उसमें मिला दें। इस विधि से किसान का तुलसी आधारित जैव कीटनाशक बनकर तैयार हो जाएगा। नीम की हरी पत्तियों से किसान ऐसे बनाएं जैव कीटनाशक कृषि समन्वय ने बताया कि किसान नीम आधारित जैव कीटनाशक को नीम के हरे पत्ते,सूखे पत्ते,नीम बीवी के पत्ते यानी कुल चारों चीज से बना सकते हैं।पहली विधि में किसान सबसे पहले नीम के 1 किलो हरे पत्ते को पीसकर एक बाल्टी में रखे गए 5 लीटर पानी में डालकर उसे 12 घंटे के लिए छोड़ दे। इसके बाद किसान पत्तियों को निचोड़े और तरल को एकत्र कर लें। सूखी पत्तियों से भी किसान बना सकते हैं जैव कीटनाशक कृषि विशेषज्ञ ने बताया कि दूसरी विधि में किसान सबसे पहले हरे नीम की पत्तियों को इकट्ठा कर उसे तेज धूप में सुख ले। इसके बाद पत्तियों को एक कंटेनर में स्टोर करें जिससे चारों ओर से पत्तियों को भरपूर हवा मिल सके।250 ग्राम सूखी हुई नीम की पत्तियों को किसान अच्छे से पीसकर 5 लीटर पानी रखे गए एक बाल्टी में रात भर भीगने के लिए छोड़ दे। इसके बाद पत्तियों को निचोड़कर तरल को एकत्र कर लें।

2001 से हो रही है सोनामुखी को प्रखंड बनाने की मांग, कोई हलचल नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज अनुमंडल के नयानगर व आलमनगर प्रखंड के गंगापुर पंचायत सोनामुखी को जिले का नया प्रखंड बनाने का मामला 21 वर्षों से ठंडे बस्ते में है। 21 वर्ष पूर्व तत्कालीन डीएम ने सरकार को प्रस्ताव भेजा था। जिसमें उदाकिशुनगंज अनुमंडल में जो नए प्रखंड बनाने की बात कही गई थी । उन्होंने कहा था कि उदाकिशुनगंज और आलमनगर प्रखंड को भौगोलिक स्थिति बड़ी है। ऐसे में लोगों को दूर से मुख्यालय आना पड़ता है। वही वर्ष 2009 व 10 में तत्कालीन डीएम ने भी प्रखंड कार्यालय बनाने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा था। जहां जिले में नए प्रखंड व अंचल बनने से वीडियो और सीईओ स्तर के पदाधिकारी की संख्या बढ़ेगी। इससे विधि व्यवस्था पर नियंत्रण के साथ भूमि विवाद के मामले के निष्पादन में तेजी आएगी। लोगों को भी प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए कम दूरी तय करनी होगी। नया नगर व सुनामुखी का भेजा गया प्रस्ताव उदाकिशुनगंज प्रखंड अंतर्गत नया नगर और आलमनगर प्रखंड अंतर्गत गंगापुर पंचायत के सोनामुखी को प्रखंड का दर्जा देने की मांग से संबंधित प्रस्ताव भी ग्रामीण विकास विभाग में लंबित है। वही उदाकिशुनगंज के पश्चिमी भाग के नया नगर को प्रखंड बनाने की घोषणा 2 वर्ष पूर्व हुई थी। नया नगर पंचायत को प्रखंड बनाए जाने को लेकर कई पंचायतों को उसके अंतर्गत रखने के लिए सभी जानकारी आधारिक स्तर पर 2 वर्ष पूर्व ही प्रशासन द्वारा सरकार को भेजा जा चुकी है। इस बाबत लोगों का कहना है कि कहीं नया नगर राजनीतिक मकरजाल का शिकार तो नहीं हो गया। मालूम हो कि उदाकिशुनगंज अनुमंडल मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूरी पर स्थित प्रखंड क्षेत्र का नया नगर, खाड़ा, बुधमा, पंचायत की पहचान सुदूरवर्ती इलाके में होती है। इस पंचायत से होकर सहरसा, खगरिया, भागलपुर, की सीमा अवस्थित है । लेकिन इस मुद्दे को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। 2 वर्ष पूर्व सरकार से आया था पत्र अहम बात यह है कि अनुमंडल के नया नगर और सोनामुखी को नया प्रखंड बनाने की सरकार कवायद पिछले वर्ष भी तेज हो गई थी। इस आश्य को लेकर सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नए प्रखंड के सृजन के लिए विवरणी की भी मांग की गई थी। जो भेजा भी जा चुका है। जानकारी के अनुसार जिला पदाधिकारी के माध्यम से सरकार द्वारा नए प्रखंड के सृजन के लिए 16 बिंदुओं पर मंतव्य की मांग उदाकिशुनगंज के तत्कालीन वीडियो मुर्शीद अंसारी से किया गया था। तत्कालीन वीडियो ने इस कार्य के लिए महत्वपूर्ण काम समझकर कर्मी को सभी सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिनियुक्त किया था।

टीपी कॉलेज के पूर्व वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. उदय कृष्ण का निधन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा डॉ. उदय कृष्ण ने भूपेंद्र नारायण मंडल वाणिज्य महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के व्याख्याता के रूप में शिक्षण कार्य आरंभ किया। बाद में टीपी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष भी रहे। बीएनएमयू में इंस्पेक्टर आफ कॉलेजेज साइंस भी रहे। उन्होंने यूके इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना भी की। 68 वर्षीय प्रो. उदय कृष्ण का निधन हृदयाघात के कारण शुक्रवार 11:55 रात्रि में जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज में हो गया। उन्होंने पत्नी, दो बेटे और एक बेटी को छोड़ दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके पार्थिव शरीर को उनके स्कूल पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। जहां अंतिम दर्शन हेतु टीपी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कैलाश प्रसाद यादव, बीएनएमभी के प्राचार्य डॉ.अरविंद कुमार, डॉ.भूपेन्द्र नारायण यादव मधेपुरी, मधेपुरा कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार, पार्वती साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अशोक कुमार, प्राचार्या डॉ.पूनम कुमारी, प्रॉक्टर डॉ. विश्वनाथ विवेका, राजद नेता विजेंद्र प्रसाद यादव, डॉ. विजेंद्र कुमार, डॉ. सुरेश कुमार भूषण, डॉ. मिथिलेश कुमार अरिमर्दन, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सुरेश प्रसाद यादव, डॉ. अरुण कुमार, रंगकर्मी विकास कुमार, सुनिल कुमार आदि लोगों का तांता लगा रहा। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव विशनपुर (कुमारखंड) में किए जाने से पूर्व उनके पार्थिव शरीर को बीएनएमयू, टीपी कॉलेज एवं बीएनएमभी आदि कार्यक्षेत्रों में अंतिम दर्शन हेतु ले जाया गया जहां लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारत स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स, चलाया गया द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। भारत स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स ,नोडल शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत अपने-अपने विद्यालय वाले मतदान केंद्र पर पूर्वाभ्यास किया गया। जिला सलाहकार प्रमोद कुमार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, बैलेट यूनिट, विविपेट आदि पर विस्तृत जानकारी दिया गया है। और कहा कि मतदाता ही देश के भविष्य के भाग्य विधाता होते हैं। स्काउट मास्टर निरंजन कुमार ने कहा कि मतदाता जब मतदान करते हैं तो अपने पसंद की सरकार बनाते है और लोकतंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उच्च माध्यमिक विद्यालय करताहां के बूथ पर अपने स्काउट गाइड टीम के द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु वोटरों के सहयोग से सम्बन्धित मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिला संगठन आयुक्त ऋतुराज ने कहा कि मतदान करने का अवसर कभी नहीं चूकना चाहिए जो भी सजग नागरिक हैं वह सभी लोग अपना मताधिकार का प्रयोग अवश्य करते हैं जो भी मताधिकार का प्रयोग करते हैं वे अपने देश के भविष्य को उज्जवल बनाने में अपनी आम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापक को स्काउट गाइड के नोडल शिक्षकों को विभागीय पत्र के आलोक में यह सख्त निर्देश दिया है कि हर हालत में सभी मतदान केन्द्रों पर वदीधारी स्काउट एवं गाइड ही सेवा देंगे।टाउन हाई स्कूल हाजीपुर में श्याम किशोर ठाकुर, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय अररा, घटारो , मतेया , बिशनपुर बसंत उर्फ सुभई,बेलकुंडा , दामोदरपुर, आदि सभी उच्च विद्यालय एवं मध्य विद्यालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सर्वजीत कुमार,कृष्णमोहन, आलोक कुमार,संजय कुमार, सतीश कुमार,अमोद रजक, संजीव कुमार सिंह, सत्य प्रकाश, विकास कुमार ,लालबाबू, राजीव कुमार ममता प्रसाद,अनामिका, आदि सभी शिक्षक शिक्षिका ने सक्रिय भूमिका निभाई।

छः साल से कम उम्र के बच्चे के हृदय का बंद वाल्व बिना सर्जरी के खोला गया:पारस एचएमआरआई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। छः साल से कम उम्र के एक बच्चे का हृदय का एक वाल्व बंद हो गया था जिसे एओर्टिक वाल्व कहते हैं जिसके कारण बच्चा 6 महीने से बार बार बेहोश हो जाता था और चलने पर छाती में दर्द की शिकायत लेकर अररिया के रहने वाले उसके परिजन जब पारस एचएमआरआई पटना पहुंचे तो यहाँ जांच मे पता चला कि बच्चे के हृदय का एओर्टिक वाल्व लगभग पूरी तरह से बंद हो चुका है। उसका हृदय सुचारू रुप से काम नही कर रहा था जिसके कारण उसकी छाती में दर्द रहता था और वह बार-बार चक्कर खाकर बेहोश होजाता था । जिस के कारण वह स्कूल नही जा पाता था।

पिछले छः महिने में वह 8 -10 बार बेहोश हो चुका था। कंसल्टेंट कार्डियोलोजी डॉ. सिध्दनाथ सिंह ने बताया कि इस परिस्थित में वाल्व रिप्लेसमेंट करना संभव नही था क्योंकि बच्चा अभी बढ़ते अवस्था में है और वयस्क उम्र में वाल्व छोटा पड़ जाता जिसे वाल्व मिसमैच कहते हैं और फिर दोबारा वाल्व रिप्लेसमेंट करना पड़ता। इस परिस्थिती में बिना किसी चिर-फाड़ के बिना सर्जरी किए बलूनिंग करके पारस एचएमआरआई कि कार्डियोलोजी टीम ने वाल्व को खोला इस प्रक्रिया को बैलून एओर्टिक वाल्वोटॉमी कहते हैं इस प्रक्रिया के बाद अगले दिन उसे छुट्टी दे दी गई। डॉ. सिध्दनाथ सिंह ने बताया कि बलूनिग के तुरंत बाद बच्चे के वाल्व का रुकावट 70% कम हो गया और अब बच्चा काफी बेहतर है।

डॉ. सिध्दनाथ सिंह ने बताया कि बड़ा होने पर अगर जरूरत पड़ी तो उसका वाल्व बदला जा सकता है और वाल्व मिसमैच की समस्या नही होगी। फिलहाल उसका वाल्व बदलने की जरूरत नही है। अब उसके छाती में दर्द भी नही है इस तरह पारस एचएमआरआई की कार्डियोलोजी टीम ने उसका सफल इलाज कर बचा लिया। इस दौरान पारस एचएमआरआई के युनिट हेड डॉ. वैभव राज ने बताया कि बच्चे के परिजनों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इसको देखते हुए पारस एचएमआरआई ने 50 प्रतिशत कम खर्च पर उसका इलाज किया।

पुलिस अधीक्षक के सफल निर्देशन में हत्या काण्ड का हुआ उद्भेदन एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला टाउन थाना क्षेत्र में 4 मई को भुट्टा बेचने निकला किसान का शव बीते रविवार 5 मई को सुबह छठुधनामा गांव के पास सड़क किनारे नहर में पड़ा मिला था। जिसके विरुद्ध में थाना काण्ड संख्या 262/24 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। पुलिस अधीक्षक डॉ शौर्य सुमन के सफल निर्देशन में एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें नगर थाना अध्यक्ष सह पु० नि० अरुण कुमार ,अपर थाना अध्यक्ष पु० नि० मन्टू कुमार सिंह,पु०नि० हारुण मुस्ताक,पु०अ०नि० मोतीलाल साह व आलोक कुमार, जमुई थाना के सशस्त्र बल एवं डीईयू जमुई शामिल हैं। उक्त टीम के द्वारा लगातार आसूचना संकलन करते हुए हत्या काण्ड का सफल उद्भेदन कर लिया गया है। भुट्टा बेचने वाले किसान मृतक शंकर सिंह का हत्यारा डमरू यादव पिता आनन्दी यादव साकिन - कुन्दरी, थाना व जिला - जमुई को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार हत्यारा डमरू यादव ने शंकर सिंह का हत्या करने का जुर्म भी कबुल किया। गिरफ्तार डमरू यादव ने शंकर सिंह के अन्य हत्यारों का नाम भी पुलिस को बताया।जिसे जमुई पुलिस अभी गुप्त रखा है और उसकी गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है। मृतक शंकर सिंह का हत्या कर हत्यारों ने शव को टाटा मैजिक से नहर किनारे में फेंका था। उक्त वाहन को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है।आठ दिनों में हत्या काण्ड का सफल उद्भेदन करने पर पीड़ित परिवार वालों ने राहत की सांस ली और जमुई पुलिस अधीक्षक सहित टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अनु कपूर और पार्थ समथान की फिल्म हमारे बारह के पोस्टर का अनावरण, 7 जून को होगी रिलीज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना बहुत प्रतीक्षित फिल्म हमारे बारह जिसमें अनुभवी अभिनेता अनु कपूर और टेलीविजन के लोकप्रिय अभिनेता पार्थ समथान मुख्य भूमिका में हैं, ने एक नया शीर्षक और आधिकारिक रिलीज की तारीख प्राप्त की है। पहले यह फिल्म हम दो हमारे बारह के नाम से जानी जाती थी, जिसे सेंसर बोर्ड के निदेर्शानुसार अब ह्यहमारे बारहह्न नाम दिया गया है। यह फिल्म 7 जून को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। 7 जून को यह पटना सहित पूरे बिहार के सिनेमाघर में प्रदर्शित होगी। इस घोषणा को चिह्नित करने के लिए फिल्म का नया पोस्टर जारी किया गया है, जो दर्शकों को फिल्म के बारे में एक झलक देता है। हमारे बारह का निर्देशन कमल चंद्रा द्वारा किया गया है और इसका निर्माण राधिका जी फिल्म और न्यूटेक मीडिया एंटरटेनमेंट, रवि एस. गुप्ता, बिरेन्दर भगत, संजय नागपाल, और शिओ बालक सिंह ने किया है। फिल्म का सह-निर्माण त्रिलोकी प्रसाद ने किया है। इस फिल्म में अश्विनी कालसेकर, राहुल बग्गा , परितोष तिवारी, नवोदित अदिति भतपहरी और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के बारे में उत्साहित होकर, बहुमुखी अभिनेता अनु कपूर ने कहा, हमारे बारह पर काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। यह फिल्म कुछ जटिल और संवेदनशील विषयों पर आधारित है, और मुझे विश्वास है कि नया शीर्षक हमारी कहानी के साथ अधिक मेल खाता है। मैं दर्शकों को इस परियोजना का दिल और आत्मा अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं। फिल्म के बारे में अधिक बात करते हुए, निमार्ता रवि एस गुप्ता और बीरेंद्र भगत ने कहा, हमारे बारह का निर्माण करना एक विशेषाधिकार रहा है।

अंतिम फैसला तो जनता के हाथ में

सर्वोच्च अदालत ने लोक सभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल किया और जांच एजेंसी से इसका जवाब मांगा।अदालत ने पांच सवाल पूछे और उनके जवाब लेकर आने का निर्देश दिया। दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि स्वतंत्रता बहुत महत्त्वपूर्ण है। आखिरी सवाल गिरफ्तारी के संबंध में है। न्यायिक कार्यवाही के बिना, जो कुछ हुआ उसके संदर्भ में कार्यवाही कर सकते हैं।अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लिए कहा कि पक्ष और विपक्ष में निष्कर्ष हैं। हमें बताएं कि केजरीवाल का मामला कहां है। क्या हम सीमा को बहुत विस्तृत बनाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि जो व्यक्ति दोषी है, उसका पता लगाने के लिए मानक समान हों। केजरीवाल 21 मार्च से शराब नीति घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल इस गिरफ्तारी से पहले ही सार्वजनिक तौर पर कई मर्तबा दोहरा चुके थे कि मोदी सरकार लोक सभा चुनाव के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।दिल्ली सरकार के नेता पहले ही जेल में हैं। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता विभिन्न राजनैतिक दलों के लिए चुनौती बनती जा रही है। सत्ताधारी दल की यह जिम्मेदारी है कि वह अन्य विपक्षी दलों के साथ पूर्वाग्रह भरा बर्ताव करने से बचे। दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 5 में स्पष्ट प्रावधान है, कोई भी गिरफ्तारी इसके अधीन ही होनी चाहिए। केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बता रहे हैं।यह कहना गलत नहीं है कि चुनाव के दरम्यान लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं तथा नोटिस भी थमाए जा रहे हैं या छापे तक डाले जा रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिनके उत्तर मिलने चाहिए। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती।बेशक, न्यायिक व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाला कोई भी राजनीतिज्ञ यदि किसी तरह के घोटाले में शामिल है तो उसे दंडित करने के लिए अदालतें हैं। अदालतोंपर पहले ही लंबित मामलों का दबाव है।उस पर मोदी सरकार लगातार आरोपियों को भाजपा में शामिल कर उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर स्पष्ट संकेत दे रही है। यह अपने आप में गलत संदेश दे रहा है। बावजूद इसके अंतिम फैसला तो जनता के हाथ में है, जो मूकदर्शक जरूर है, लेकिन अपना निर्णय समय आने पर देगी।

सुप्रीम कोर्ट में खुली ईडी की कलई

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ईडी के वकीलों के तमाम विरोध के बावजूद अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी है। जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा जांच के नाम पर किस तरह से राजनीतिक दलों के नेताओं को जेलों में बंद करके रखा जा रहा है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में उजागर हो गया। न्यायपालिका की भूमिका भी अब स्पष्ट रूप से खुलकर सामने आ गई है। जांच एजेंसियां यदि अपने अधिकारों का दुरुपयोग करती हैं। ऐसी स्थिति में संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्चता दे रखी है। ताकि वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन न कर सकें। पहली बार ईडी को सुप्रीम कोर्ट में मात खानी पड़ी है। ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सभी न्यायाधीश पीएमएल कानून के तहत जो शक्तियां ईडी को मिली हैं, उन शक्तियों का जिस तरह से दुरुपयोग किया गया है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के सामने खुलकर सामने आ गया है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी किस तरह से कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं। दो-दो साल तक आरोपियों को जेल में बंद रखते हैं। तारीख पर तारीख और चार्ज सीट पर चार्ज सीट का जो खेल खेल रहे हैं। आरोपियों को अपनी कस्टडी में रखकर उनसे मनचाहा बयान दबाव बनाकर लेते हैं। किस तरह लोगों को फंसाते हैं। किस तरह से उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं। सरकार के राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किस तरह से इस कानून का दुरुपयोग किया गया है। यह बात अब खुलकर सामने आ गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग उनके वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने नहीं की थी, बल्कि अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट इसलिए गए थे, कि केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कानून और नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की है। उन्होंने अवैध गिरफ्तारी के विरोध में अपनी सारी बहस को सीमित रखा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सामने सारे खुलासे किये। शराब घोटाले में किस तरह से आम आदमी पार्टी और उनके प्रमुख नेताओं के खिलाफ कई वर्षों से जांच चल रही है। सैकड़ों छापे डाले गए। जिन लोगों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जा रही थी, उनके बयान कस्टडी में रखकर जबरिया लिए गए हैं। लंबे समय तक जेल में जिन आरोपियों को रखा गया। जिन लोगों ने बयान दिए थे। जिनके बयान पर आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उनके एक राजनीतिक दल के साथ रिश्ते और चुनावी चंदा तक की बातें सुप्रीम कोर्ट में आई। किस तरह केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने तथ्यों को छुपाया है। एक के बाद एक सुप्रीम कोर्ट में इसका खुलासा होता चला गया। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्त की खंडपीठ ने इस सारे मामले को जब अच्छे तरीके से समझ लिया। तब जाकर अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत 1 जून तक के लिए दी है। अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लोकसभा का चुनाव चल रहा है। ऐसी स्थिति में उनका चुनाव कार्य में भाग लेना, कितना आवश्यक है। यह सुप्रीम कोर्ट ने समझा, पहली बार ईडी के वकीलों की आपत्ति को दरकिनार करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पक्ष में न केवल अंतिम जमानत का फैसला दिया है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कह दिया है, कि यदि इस तरीके की अवैध गिरफ्तारी की गई है तो हम इस मामले में जल्द ही निर्णय लेंगे। जिस तरह से सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की सभी आपत्तियों को संविधान पीठ ने दरकिनार करते हुए फैसला सुनाया है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट तथा न्यायपालिका की विश्वसनीयता और सर्वोच्चता को लेकर लोगों के मन में एक विश्वास जागा है। कानून के राज में सभी कानून से बंधे हैं। चाहे वह न्यायपालिका हो, जांच अधिकारी हो, सरकार हो या नागरिक हों। सभी को नियम और कानून का पालन करना अनिवार्य है।

गर्मी जल्दी आई साथ में प्यास भी गहराई

पंकज चतुर्वेदी

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी हर घर जल योजनाइ ने बढ़ते ताप के सामने दम तोड़ दिया। आखिर, धरती का सीना चीर कर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ तर होने से तो रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसद हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता- बारहों महीने, तीसों दिन जेठ ही रहता है। कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है-तालाब, कुएं, बावड़ी। लेकिन एक बार फिर पीढि ों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी ओर काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरात पैसा खर्च किया गया और नतीजा रहा वही ढाक के तीन पात!इभारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल-परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल पणालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में भी सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो (ईसा से 3000 से 1500 साल पूर्व) में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन पणालियों के अवशेष मिले हैं। ईसा से 321-297 साल पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है जो बताता है कि तालाबों को राज्य की जमीन पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढ़ने का सामान जुटाता था। जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते उन्हें राज्य-दंड मिलता।

भारत में अंगदान की कमी से जा रही लोगों की जान

तीन लाख से अधिक रोगियों की प्रतीक्षा सूची और अंग के इंतजार में हर दिन कम से कम 20 लोगों की मृत्यु के साथ, भारत में अंग दान की कमी, विशेष रूप से मृतक दान, भारी नुकसान उठा रही है। भारत में मृतक अंगदान की दर पिछले एक दशक से प्रति दस लाख की आबादी पर एक दाता से कम रही है। भारत को इसे प्रति मिलियन जनसंख्या पर 65 दान तक बढ़ाने की आवश्यकता है और ऐसा करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ना होगा। देश में लगभग 600 मेडिकल कॉलेज और 20 से अधिक एम्स हैं। अगर हमें हर साल उनसे एक-एक दान भी मिले तो हम बेहतर स्थिति में रहेंगे।ह्न दुनिया भर में भी, अंगों की आवश्यकता वाले केवल 10% रोगियों को ही समय पर अंग मिल पाते हैं। स्पेन और अमेरिका में बेहतर अंग दान प्रणाली है, जहां प्रति मिलियन 30-50 दान की दर है। मरीजों के परिवारों को आगे आने और दान करने में मदद करने के लिए ट्रॉमा और आईसीयू डॉक्टरों को प्रशिक्षित करना समय की मांग है, कई संभावित मामलों की उपलब्धता के बावजूद, भारत में अंग दान की कम दर मस्तिष्क मृत्यु या मस्तिष्क स्टेम मृत्यु मामलों की अपर्याप्त पहचान और प्रमाणीकरण के कारण हो रही है। अंगदान के मामले में देश का वार्षिक औसत अब भी प्रति दस लाख लोगों पर एक से भी कम दाता है। सड़क परिवहन के आंकडों के मुताबिक भारत में हर साल, करीब 150, 000 लोग सड़कों पर मारे जाते हैं। इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं।

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

देश में तीन लाख मरीज अंगदान का इंतजार कर रहे हैं और देश में दाताओं की संख्या में वृद्धि मांग के अनुरूप नहीं है; विशेषज्ञों का कहना है कि देश को तत्काल मृतक दान दर बढ़ाने की जरूरत है, और आईसीयू डॉक्टरों और परिवारों के बीच इस बारे में अधिक जागरूकता होनी चाहिए कि कैसे एक मृतक दानकर्ता कई जिंदगियां बचा सकता है। तीन लाख से अधिक रोगियों की प्रतीक्षा सूची और अंग के इंतजार में हर दिन कम से कम 20 लोगों की मृत्यु के साथ, भारत में अंग दान की कमी, विशेष रूप से मृतक दान, भारी नुकसान उठा रही है। भारत में मृतक अंगदान की दर पिछले एक दशक से प्रति दस लाख की आबादी पर एक दाता से कम रही है।

भारत को इसे प्रति मिलियन जनसंख्या पर 65 दान तक बढ़ाने की आवश्यकता है और ऐसा करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ना होगा। देश में लगभग 600 मेडिकल कॉलेज और 20 से अधिक एम्स हैं। अगर हमें हर साल उनसे एक-एक दान भी मिले तो हम बेहतर स्थिति में रहेंगे।ह्न दुनिया भर में भी, अंगों की आवश्यकता वाले केवल 10% रोगियों को ही समय पर अंग मिल पाते हैं। स्पेन और अमेरिका में बेहतर अंग दान प्रणाली है, जहां प्रति मिलियन 30-50 दान की दर है। मरीजों के परिवारों को आगे आने और दान करने में मदद करने के लिए ट्रॉमा और आईसीयू डॉक्टरों को प्रशिक्षित करना समय की मांग है, कई संभावित मामलों की उपलब्धता के बावजूद, भारत में अंग दान की कम दर मस्तिष्क मृत्यु या मस्तिष्क स्टेम मृत्यु मामलों की अपर्याप्त पहचान और प्रमाणीकरण के कारण हो रही है। अंगदान के मामले में देश का वार्षिक औसत अब भी प्रति दस लाख लोगों पर एक से भी कम दाता है।

सड़क परिवहन के आंकडों के मुताबिक भारत में हर साल, करीब 150, 000 लोग सड़कों पर मारे जाते हैं। इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं। अंग दान में मृत डोनर के अंगों- जैसे हृदय, यकृत (लिवर), गुर्दे (किडनी), आंतें, आंखें, फेफड़े और अग्न्याशय (पैनक्रियाज) को निकाल कर दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है, जिसे जीवित रहने के लिए उनकी जरूरत है। एक मृत डोनर, जिसे कैडेवर भी कहा जाता है, इस तरह नौ लोगों की जान बचा सकता है। हालांकि हेल्थ प्रोफेशनल आमतौर पर अंगदान के विषय पर मृतक के परिजनों से बात करने में अटपटा महसूस करते हैं। डॉक्टर मृतक के अंगों को दान देने के बारे में पूछने से कतराते हैं। कोई इस बारे में प्रोत्साहन भी नहीं है और बदले की कार्रवाई का डर भी रहता है।

जनता अनिच्छुक और अविश्वासी है क्योंकि वे मस्तिष्क मृत्यु, अंग दान के विचार या इसके फायदों को पूरी तरह से नहीं समझते हैं। मृत्यु के बाद शरीर के बारे में सांस्कृतिक रीति-रिवाज सहमति में बाधा डाल सकते हैं, और कुछ धार्मिक मान्यताएँ अंग दान पर रोक लगाती हैं।भारत में पर्याप्त प्रत्यारोपण केंद्र, आवश्यक प्रशिक्षण वाले चिकित्सा पेशेवर या अंगों की पुनर्प्राप्ति, संरक्षण और परिवहन के लिए संसाधन नहीं हैं। अंग दान के लिए परिवार की सहमति प्राप्त करना अक्सर आवश्यक होता है। यह एक लंबी और भावनात्मक रूप से कठिन प्रक्रिया हो सकती है, जो दान में देरी कर सकती है या उसे रोक भी सकती है। यहां तक कि ऐसे मामलों में जहां अंग उपलब्ध हैं, कई रोगियों की पहुंच प्रत्यारोपण सर्जरी और पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल की उच्च लागत के कारण और भी सीमित है।

अंग विफलता वाले कई मरीज अंग की तीव्र कमी के परिणामस्वरूप प्रत्यारोपण का इंतजार करते समय मर जाते हैं।अगों की अत्यधिक आवश्यकता के कारण अवैध अंग व्यापार नेटवर्क को बढ़ावा मिलता है, जो कमजोर लोगों को नैतिक और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के साथ-साथ शोषण के खतरे में डालता है। अंगों की सीमित आपूर्ति के कारण स्वास्थ्य संबंधी असमानताएं बढ़ जाती हैं, जिससे पैसे वाले लोगों के लिए इसकी संभावना अधिक हो जाती है। जीवनरक्षक प्रत्यारोपण प्राप्त करें। डायलिसिस और अन्य सहायक देखभाल उन कई संसाधनों में से हैं जिन पर अंतिम चरण के अंग विफलता वाले रोगियों के प्रबंधन के कार्य द्वारा भारी कर लगाया जाता है। सभी बातों पर विचार करने पर, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली निम्न अंगदान दरों से बहुत प्रभावित होती है, जिसके परिणामस्वरूप टाली जा सकने वाली मौतें, अनैतिक व्यवहार और जीवन रक्षक देखभाल तक असमान पहुंच होती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी को अंग प्रत्यारोपण तक उचित पहुंच मिले, इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है जिसमें नैतिक विचार, कानूनी सुधार, बुनियादी ढांचे का विकास और सार्वजनिक शिक्षा शामिल है। एक मृत अंग दाता आठ लोगों की जान बचा सकता है। दान की गई दो किडनी दो रोगियों को डायलिसिस उपचार से मुक्त कर सकती हैं।

दान किए गए एक लीवर को प्रतीक्षा सूची के दो रोगियों के बीच विभाजित किया जा सकता है। दो दान किए गए फेफड़ों का मतलब है कि दो अन्य रोगियों को दूसरा मौका दिया गया है, और एक दान किए गए अग्न्याशय और दान किए गए हृदय का मतलब दो और रोगियों को जीवन का उपहार प्राप्त करना है। एक ऊतक दाता - कोई व्यक्ति जो हड्डी, टेंडन, उपास्थि, संयोजी ऊतक, त्वचा, कॉर्निया, श्वेतपटल, और हृदय वाल्व और वाहिकाओं को दान कर सकता है। 75 लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। भारत में अंग दान की प्रतिज्ञा को वास्तविक दान में तब्दील करने की जरूरत है और इसके लिए मेडिकल स्टाफ को शिक्षित करने की जरूरत है। उन्हें मस्तिष्क मृत्यु और अंग दान के महत्व के बारे में परिवारों को पहचानने, पहचानने, सूचित करने और परामर्श देने में सक्षम होना चाहिए।

संकुचित व षड्यंत्रकारी चुनावी विमर्श अत्यंत चिंतनीय

जो खिलाफ हैं वह हराम जादे हैं। इसके साथ ही स्वयं बहुसंख्यकवाद की राजनीति करने वाली यही भाजपा अपने विरोधी दलों को अल्पसंख्यक परस्त व मुस्लिम तुष्टीकरण करने वाले दलों के रूप में पूरे जोर शोर से प्रचारित कर रही है। अपने इस ह्यअनैतिकह्ल अभियान में वह वर्तमान चुनावी बेला में सार्वजनिक मंचों से जिन शब्दों व वाक्यों का इस्तेमाल कर रही है वह भारतीय राजनीति के इतिहास का अब तक का सबसे गिरा व निम्नस्तरीय चुनाव अभियान है। यह इस बात का भी परिचायक है कि अबकी बार चार सौ पार का हवाई नारा देने वाली भाजपा व इसके शीर्ष नेता समझ चुके हैं कि जनता अब उनके विघटनकारी मंसूबों को समझ चुकी है। और 400 पार की बात तो दूर इस बार तो उनकी सत्ता में वापसी पर भी प्रश्न चिन्ह लग चुका है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर अयोध्या स्थित विवादित मंदिर मस्जिद मुकददमे का निर्णय सुनाया गया। इसी फैसले में केंद्र सरकार से एक ट्रस्ट बनाकर मंदिर निर्माण करने को कहा गया। यहाँ यह भी काबिल-ए-गौर है कि मंदिर-मस्जिद अदालती वाद परिवाद में मुद्दई के रूप में न तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ था न विश्व हिन्दू परिषद् न ही भाजपा। परन्तु केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार होने के नाते बड़ी ही चतुराई से ट्रस्ट के गठन से लेकर मंदिर निर्माण व उद्घाटन तक के इस पूरे प्रकरण का भाजपा द्वारा निजीकरण कर लिया गया।

निर्मल रानी
लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं

विगत चार दशकों से भारतीय जनता पार्टी भगवान राम के नाम पर राजनीति कर स्वयं को स्थापित करने की कोशिश करती रही है। आखिरकार धार्मिक ध्रुवीकरण व राम मंदिर की राजनीति ने उसे केंद्रीय सत्ता में आने में मदद की और यह भाजपा का लोकप्रिय मुद्दा बन गया। अब वही भाजपा इससे भी दो कदम आगे बढ़कर जहाँ सर्वव्यापी मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम को अपना निजी ह्यभगवानह्ल समझने लगी है वहीँ अपने विरोधी दलों को राम विरोधी तो राम द्रोही आदि प्रचारित कर रही है। इसी दल की एक सांसद यहाँ तक कह चुकी है कि जो हमारे साथ हैं वह रामजादे हैं और जो खिलाफ हैं वह हराम जादे हैं। इसके साथ ही स्वयं बहुसंख्यकवाद की राजनीति करने वाली यही भाजपा अपने विरोधी दलों को अल्पसंख्यक परस्त व मुस्लिम तुष्टीकरण करने वाले दलों के रूप में पूरे जोर शोर से प्रचारित कर रही है। अपने इस ह्यअनैतिकह्ल अभियान में वह वर्तमान चुनावी बेला में सार्वजनिक मंचों से जिन शब्दों व वाक्यों का इस्तेमाल कर रही है वह भारतीय राजनीति के इतिहास का अब तक का सबसे गिरा व निम्नस्तरीय चुनाव अभियान है। यह इस बात का भी परिचायक है कि अबकी बार चार सौ पार का हवाई नारा देने वाली भाजपा व इसके शीर्ष नेता समझ चुके हैं कि जनता अब उनके विघटनकारी मंसूबों को समझ चुकी है। और 400 पार की बात तो दूर इस बार तो उनकी सत्ता में वापसी पर भी प्रश्न चिन्ह लग चुका है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर अयोध्या स्थित विवादित मंदिर मस्जिद मुकददमे का निर्णय सुनाया गया। इसी फैसले में केंद्र सरकार से एक ट्रस्ट बनाकर मंदिर निर्माण करने को कहा गया। यहाँ यह भी काबिल-ए-गौर है कि मंदिर-मस्जिद अदालती वाद परिवाद में मुद्दई के रूप में न तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ था न विश्व हिन्दू परिषद् न ही भाजपा। परन्तु केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार होने के नाते बड़ी ही चतुराई से ट्रस्ट के गठन से लेकर मंदिर निर्माण व उद्घाटन तक के इस पूरे प्रकरण का भाजपा द्वारा निजीकरण कर लिया गया। यहाँ तक कि 22 जनवरी 2024 को हुये मंदिर उद्घाटन के दौरान इसके प्राण प्रतिष्ठा के धार्मिक विधि विधान सम्बन्धी तौर तरीकों व समय को लेकर देश के चारों शंकराचार्यों सहित तमाम संतों महंतों द्वारा इसका कितना तार्किक विरोध किया गया। परन्तु उन सब की अनसुनी कर दी गयी। और मंदिर ट्रस्ट से लेकर इसके उद्घाटन तक को पूर्णतः भाजपाई इवेंट के रूप में पेश किया गया। और अब उसी आधार पर यह कहकर वोट माँगा जा रहा है कि ह्यजो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे।

देश के चारों शंकराचार्य ही नहीं बल्कि हजारों वरिष्ठ संतों ने तथा भाजपा विरोधी दलों ने यह बखूबी समझ लिया था कि ट्रस्ट गठन से लेकर प्राणप्रतिष्ठा तक का पूरा कार्यक्रम पूरी तरह राजनैतिक व अनैतिक है। इसी लिये जहां शंकराचार्यों ने इस आयोजन में शिरकत नहीं की वहीँ विपक्षी दलों के नेताओं ने भी 22 जनवरी के इस ह्यराजनैतिक आयोजनह्ल से दूरी बनाये रखी। इतना ही नहीं बल्कि कई प्रमुख केंद्रीय मंत्री व भाजपाई मुख्यमंत्री भी अभी तक अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर दर्शन करने नहीं गए हैं। परन्तु भाजपा के निशाने पर केवल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेता हैं। भाजपा इसे लेकर ऐसे ऐसे दुष्प्रचार कर रही है ताकि वह किसी तरह कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के अन्य दलों व उनके नेताओं को राम विरोधी साबित कर सके। अफसोस की बात तो यह है कि कल के धर्मनिर्पेक्षतावादी जो आज भगवा रंग में रंग रहे हैं उनसे भी भाजपा यही कहलवा रही है कि कांग्रेस राम विरोधी है। और कांग्रेस अयोध्या मंदिर दर्शन करने का विरोध करती है।

जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेट अयोध्या दर्शन करने जा चुकी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय रॉय पूरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ राम मंदिर जा चुके। सांसद दीपेंद्र हुडा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जेसे तमाम कांग्रेस नेता 22 जनवरी के बाद अयोध्या जा चुके हैं। परन्तु कांग्रेस आला कमान ने किसी नेता से इस विषय पर कोई सवाल नहीं किया। क्योंकि कांग्रेस शुरू से यही मानती आ रही है कि धर्म व धर्म पालना किसी भी व्यक्ति का आस्था सम्बन्धी अत्यंत निजी विषय है। इसकी पालना करने या न करने का प्रत्येक व्यक्ति का अपना निजी अधिकार है। कांग्रेस ने न तो कभी राम के नाम पर वोट माँगा न ही राम के विरोध के नाम पर। परन्तु दुष्प्रचार की इंतेहा यह कि नरेंद्र मोदी स्वयं यह कह रहे हैं कि मैं ह्यलोकसभा चुनाव में 400 सीट इसलिए जीतना चाहता हूं कि ताकि कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला ना लगा दे। कांग्रेस की चली तो कांग्रेस कहेगी कि भारत में जीने का पहला हक भी उसके वोट बैंक (मुसलमानों) का है। लेकिन जब तक मोदी जिंदा है, नकली सेक्युलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा, और ये हजारों वर्ष पुराने भारत को, उसकी इस संतान की गारंटी है।ह्न देश के प्रधानमंत्री के मुंह से निकला हुआ यह वाक्यविपक्षी दलों के लिये कितनी कुंठा से भरा व हताशा से परिपूर्ण प्रतीत होता है? आज देश मंहगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, अमेरिकी डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में आ रही अभूतपूर्व गिरावट, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, (पीएसयू) के चंद निजी हाथों में सौंपे जाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रहा है। परन्तु सरकार के पास इनका न तो कोई जवाब है न ही इनके समाधान की कोई नीति। 2019 का चुनाव इसी मोदी सरकार ने मुफ़्त राशन पाने वाले

जमानत से जनमत तक का सफर

राकेश अचल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की राजनीति को अक्षय तृतीया के दिन जमानत के रूप में नवजीवन मिल गया। जमानत अंतरिम है और केजरीवाल को 2 जून को दोबारा अदालत के समक्ष समर्पण करना होगा ,लेकिन वे अपनी जमानत की अवधि में अठारहवीं लोकसभा के लिए होने वाले शेष चार चरणों के चुनाव में खुलकर न सिर्फ प्रचार कर पाएंगे बल्कि भाजपा की उन तमाम साजिशों को भी बेनकाब भी कर पाएंगे जो दस साल से विपक्ष के खिलाफ की जा रहीं हैं।

अरविंद केजरीवाल के लिए अच्छा हुआ की वे 50 दिन की जेल यात्रा कर आये। स्वाधीनता से पहले जेल यात्राओं को एक तरह का बलिदान माना जाता था। आजादी के बाद जेल यात्राओं का रंग ही बदल गया। अब नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाते हैं। जनांदोलनों के चलते जेल जाने वालों की संख्या लगातार घटी है। केजरीवाल हालाँकि आंदोलन की कोख से निकले ही नेता हैं, लेकिन हैं तो पुराने नौकरशाह। इसीलिए वे भाजपा के मोदी और शाह से टक्कर ले पा रहे हैं। उन्हें जेल भी शायद इसीलिए जाना पड़ा लेकिन कानून ने उनकी मदद की और अंततः अंतरिम जमानत दिला दी। लोकसभा चुनाव के चार चरण अरविंद केजरीवाल के बिना समपन्न हो गए। विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन को केजरीवाल से जो लाभ मिलना चाहिए था ,उतना नहीं मिल पाया। लेकिन जमानत पर आने के बाद वे बीस दिन में इतना कुछ काम कर लेंगे की भाजपा सरकार को चुनौती दी जा सके। अरविंद पहले भाजपा की बी टीम समझे जाते थे किन्तु बाद में वे इस छवि से बाहर निकल आय। उन्होंने शराब घोटाले में अपने आपको लपेटे जाने के बाद भाजपा के खिलाफ कमर कास ली थी। केजरीवाल और उनकी पार्टी की हैसियत इस समय कांग्रेस को छोड़ दीगर क्षेत्रीय दलों से कहीं ज्यादा है। उनकी अकेली ऐसी पार्टी है जिसकी एक से अधिक राज्यों में सरकारें हैं। आम आदमी पार्टी को केजरीवाल एंड कम्पनी दिल्ली से बाहर पहले पंजाब तक ले गयी और बाद में उसने गोवा,गुजरात में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। और अब आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा को अपदस्थ करने के महाअभियान में शामिल है। आपको पता ही है की भाजपा की इस समय सिट्टी-पिट्टी गुम है। भाजपा अपने घोषणा पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने के बजाय उन मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है जो की उसे काँग्रेसने दिए हैं। भाजपा अब मोदी जी के चेहरे और मोदी जी की गारंटियों पर चुनाव नहीं लड़ रही। चुनाव जीतने के लिए भाजपा को हारकर हिन्दू-मुसलमान पर आना पड़ा। मतदाताओं को अल्पसंख्यक मुसलमानों से आतंकित करने के लिए पहले मंगलसूत्र छीने जाने ,बाद में विरासत पर कार लगाए जाने और सबसे बाद में अंकल सैम पित्रोदा के निजी बयानों का इस्तेमाल करने पर विवश होना पड़ा। केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद अब भाजपा कौन से हुआ खड़ा करेगी ये कहना कठिन है। केजरीवाल अपनी अंतरिम जमानत का इस्तेमाल जनमत को आईएनडीआईए के पक्ष में बनाने के लिए कार सकते है। वे मुख्त वक्ता हैं। दिल्ली में उनकी पार्टी की राज्य सरकार है। सबसे बड़ी बात तो ये हैं की वे कंगाल नहीं हैं। पंजाब में भी उनकी सरकार है। दिल्ली की जनता उन्हें पसंद करती है। इसका असर दिल्ली की ७ लोकसभा सीटों के अलावा दुसरे राज्यों पर भी पडेगा। अब विपक्ष के पास राहुल हैं ,अखिलेश भी हैं और केजरीवाल भी। ये तिकड़ी भाजपा का खेल बिगाड़ने के लिए काफी है। भाजपा जितने हौवे मतदाताओं को भयभीत करने के लिए खड़े कर सकती थी ,वो कर चुकी। अरविंद को भाजपा हौवे की तरह इस्तेमाल नहीं कर सकती। वे प्रखर वक्ता हैं ,नेता है और मोदी से किसी भी मायने में कम नहीं हैं। मोदी जी की घबड़ाहट और केजरीवाल की रण में वापसी के चलते चुनाव के शेष चार चरण और महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अभी कोई 260 सीटों के लिए मतदान होना बाकी है। इन सीटों में से अरविंद केजरीवाल कितनी सीटों को प्रभावित कर सकते हैं कहना कठिन है ,लेकिन ये लगभग तय है की भाजपा के 370 बनाम 400 पार का लक्ष्य अब भाजपा के लिए आसान नहीं है। केजरीवाल को मिली जमानत इसी तरह के दूसरे मामलों में विचाराधीन कैदी की तरह जेलों में बंद दुसरे जन नेताओं के लिए भी नजीर का काम कर सकती है।

संक्षिप्त खबरें

एम्बुलेंस की टक्कर से गोलगप्पा बेंचने वाले की मौत

मशरक। तरैया थाना क्षेत्र के गलिमापुर गांव में गोलगप्पा बेंचने वाले को अनियंत्रित एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी जिसमें गंभीर रूप से घायल गोलगप्पा बेंचने वाले को तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने दल बल के साथ इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में लाया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक तरैया थाना क्षेत्र के डीह छपिया गांव निवासी स्व जनार्दन गिरी का 40 वर्षीय पुत्र कृष्णा गिरि के रूप में हुई। घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि मृतक ठेला पर गोलगप्पा बेंचने का काम करता है उसी में गलिमापुर गांव में गोलगप्पा बेच वापस जा रहा था कि अनियंत्रित एम्बुलेंस जो पटना की तरफ जा रही थी उसी ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया वहीं जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मन्दिर प्राणप्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव पर अखण्ड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुभारम्भ

मशरक। श्रीराम जानकी हनुमान मन्दिर बहरौली नदी किनारे नव निर्मित मन्दिर प्राणप्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव पर दो दिवसीय अखण्ड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुरू की गई।कलशयात्रा में आचार्य सत्येंद्र पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय ने यजमान इन्द्रासन प्रसाद और धर्मपत्नी शारदा देवी की मौजूदगी में सैकड़ों पीला वस्त्र धारी महिलायें और कन्याओं के हाथ मे विधिवत पूजा अर्चना के बाद कलश सौपा गया जो गाँव भ्रमण करते हुए घोघारी नदी से जल भारी कर श्रीराम जानकी हनुमान मन्दिर परिसर पहुँची जहाँ विधिवत पूजा अर्चना के बाद दो दिवसीय अखण्ड अष्टयाम का शुभारम्भ किया गया।मौके पर मन्दिर पुजारी आनन्द मोहन ओझा, बीडीसी सदस्य प्रतिनिधि चुनमुन बाबा, कृष्णा प्रसाद, निरंजन कुमार सहित समस्त ग्रामीण जनता मौजूद रही।

नेपाली शराब के साथ महिला तस्कर धराई, 10 शराबी भी गिरफ्तार

रक्सौल। रक्सौल आबकारी पुलिस ने शराब तस्करी करती एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। अबकारी पुलिस के द्वारा नेपाल के तरफ से आ रही एक महिला को दो झोला में रखे शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी देते हुए अबकारी इंस्पेक्टर लालू कुमार ने बताया कि इन्हे गुप्त सूचना मिली कि कुछ महिलाएं नेपाल से शराब की बड़ी खेप ला रही है। जिसके बाद बाटा चौक पर जांच बढ़ा दी गई। इस दौरान नेपाल के तरफ से झोला लेकर आ रही एक महिला को रोक कर जांच किया गया तो दोनों झोला में नेपाल निर्मित शराब को बरामद किया गया। दोनो झोला से 56 पीस नेपाली कस्तूरी शराब बरामद किया गया। गिरफ्तार महिला की पहचान दर्जी पट्टी सुगौली के ताहिर हुसैन की पत्नी रौशन तारा के रूप में हुई है। पूछ ताछ के दौरान स्पष्ट हुआ कि महिला की बड़ी टीम शराब तस्करी में जुड़ गई है। इंस्पेक्टर लालू कुमार ने बताया कि कागजी करवाई कर आरोपी को मोतिहारी न्यायालय भेजा जा रहा है।

बाढ़ से विस्थापितों की नाराजगी को ले अधिकारियों ने कहा जमकर कीजिये मतदान

सुगौली। आसन्न लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखण्ड में बाढ़ से विस्थापित हुए परिवारों में मतदान को लेकर नाराजगी है। भवानीपुर में बांध पर गुजारा कर रहे करीब एक सौ से अधिक परिवार इसबार लोकतंत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग नही करने का मन बना चुके है। इनकी पीड़ा है कि इन आठ वर्षो में इनकी पीड़ा कम करना तो दूर ,कभी जनप्रतिनिधियों ने इनका हाल जानने की भी कोशिश नही की। इसको लेकर बीडीओ तेजप्रताप त्यागी, सीओ कुंदन कुमार आदि ने पूर्व में भी भी हिन्दुस्तान हिन्दी दैनिक में प्रकाशित विस्थापितों की पीड़ा को ले भवानीपुर गांव का दौरा किया। एक लंबे अरसे बाद गांव में सरकारी हाकिमों की गाड़ी देख बड़ी संख्या विस्थापित जूट।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विधालय रजौली से मोटर चोरी

बनियापुर। बनियापुर के उच्च माध्यमिक विद्यालय रजौली से बीती रात अज्ञात चोरो ने विद्यालय का मोटर चोरी कर लिया है ,जिस आशय की प्राथमिकी प्रधानाध्यपक ने दर्ज कराते इसकी सूचना शिक्षा पदाधिकारी व बीडीओ को दिया है। घटना की प्राथमिकी मे प्रधानाध्यपक ने बताया है कि अज्ञात चोरो ने विद्यालय से मोटर की चोरी कर लिया है। हलांकि रात्रि प्रहरी बाहाल है फिर भी घटना घट गयी है। इस बताशा गर्मी मे छात्र छात्राओं को पेयजल की कठिनाई सहित चुनाव मे चुनाव कर्मियों को कठिनाई हो सकती है। विद्यालय तो खैर वैकल्पिक व्यवस्था करेगा ही। पदाधिकारियो को घटना की सूचना देकर अवगत करा दिया गया है।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के आधार हैं सेक्टर पदाधिकारी: डीएम

सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सम्बद्ध पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सेक्टर ऑफिसर का कार्य निर्वाचन प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका दायित्व सबसे पहले शुरू होकर अंत तक रहता है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने सेक्टर अधिकारियों पुलिस पदाधिकारियों के शहर के प्रेक्षा गृह में आयोजित प्रशिक्षण में कहीं। उन्होंने कहा कि पीसीसीपी का पद समाप्त होने के बाद सेक्टर पदाधिकारी की भूमिका बढ़ गयी है। आप सीधे चुनाव आयोग के अधीन हैं। ईवीएम की सुरक्षा से लेकर टैग बूथों के पोलिंग पार्टी के मतदान केंद्र तक पहुंचने, पोल्ड ईवीएम के बाजार समिति में जमा होने और आपको मिले रिजर्व सी और डी श्रेणी के ईवीएम को वेयरहाउस में जमा कराने की आपकी जिम्मेदारी है। चुनाव के पूर्व आपमें ही मजिस्ट्रेट की शक्ति प्राप्त हो जाती है। लॉ एंड ऑर्डर का संधारण भी आपके जिम्मे रहता है। आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि अबतक मतदान केन्द्र तक पहुंच मार्ग, मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन, एएमएफ, भेद्यता मानचित्रण और रूट चार्ट निर्माण के साथ आवश्यक कार्रवाइयों के साथ मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट से संबंधित कार्य पूरे कर लिए होंगे। अभ्यर्थिता घोषित होने के बाद भेद्यता मानचित्रण का रिवीजन कर लें। आवश्यकता हो तो उसमें संशोधन करा लें। आपको ईवीएम का परिचालन को ठीक ढंग से समझ लेना चाहिए। बूथ पर मॉक पोल से लेकर, सीलिंग, वास्तविक पोल, विभिन्न घोषणा आदि आपकी निगरानी में होने हैं। आपके पास ही रिजर्व ईवीएम होगा। आवश्यकता पड़ने पर मशीन को बदलना और तत्काल उसकी रिपोर्टिंग करना आपकी जवाबदेही है। आपको समय समय पर विभिन्न रिपोर्ट भी कंट्रोल रूम को प्रेषित करना है। आपको मतदान प्रबंधन प्रक्रिया और ईवीएम कार्यप्रणाली, उसके त्रुटि का निराकरण को बारीकी से समझते हुए उसमें दक्षता हासिल होनी चाहिए। स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए आप प्रथम आधार हैं। जिसका आदेश निकाला जा चुका है। उन्होंने क्या करें और न करें पर विस्तार से प्रकाश डाला। पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि सेक्टर किसी भी घटना या एक्टिविटी के प्रथम रिस्पांडर हैं। इसलिए आपको अपने क्षेत्र का फीड बैक पूरी तरह रखना चाहिए। अपने थानाध्यक्ष से संवेदनशील बूथ और भेद्य क्षेत्र के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि चुनाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य है। इसमें जरा भी कोताही अक्षम्य है। सीधे चुनाव आयोग कार्रवाई करता है। ऐसी सूचना आने पर संबंधित अधिकारी या कर्मी के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। एडीएम पीजीआरओ ने पोस्टल बैलेट से वोटिंग कराने की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी जिम्मेवारी भी सेक्टर की है। उन्होंने पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पुनः 15 मई को आप सभी की अंतिम प्रशिक्षण आयोजित की जाएगी। तब आपके तैयारी की फाइनल समीक्षा की जाएगी। किसी भी कमी पर कार्रवाई तय है। उन्होंने बताया कि उस दिन आपको किट प्रदान किया जाएगा। जिसमें ईवीएम, पोलिंग, बूथ आदि के रिपोर्टिंग प्रतिवेदन के फॉर्मेट प्रदान किए जाएंगे। मौके पर जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी के मोबाईल में ईएलई ट्रेसेज ऐप डाउनलोड होना अवश्यक है। इससे आयोग समेत जिला आपकी ट्रैकिंग करेगा। चुनाव समाप्ति तक ऐप को ऐक्टिव रखना होगा। उन्होंने ऐप डाउनलोड कराते हुए उसके संचालन का बिन्दुवार प्रशिक्षण दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त, सारण के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, जिला पंचायत राज अधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, सभी बीडीओ समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। प्रथम सत्र में सारण और दूसरे सत्र में महाराजगंज लोकसभा सभा का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

दरवाजा खटखटाओ अभियान चलाकर मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

इसुआपुर । स्वीप कार्यक्रम के तहत प्रखंड में जीविका दीदियों द्वारा दरवाजा खटखटाओ अभियान चलाकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में प्रयाग जविका महिला संकुल स्तरीय संघ द्वारा परसा और उसके आसपास के गांवों में रैली निकाली गई। संकुल संघ की अध्यक्ष अर्चना देवी ने बताया कि अभियान के तहत प्रभातफेरी, मेहंदी, रंगोली संकल्प सभा, संध्या चौपल जैसी गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जो तुमको दे दारू नोट, उन्हें ना देना कोई वोट। पहले मतदान, फिर जलपान। जीविका ने ठाना है, वोट देने सबको जाना है। जैसे नारे देकर भी मतदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

13 मई को 1 घण्टा पहले विश्वविद्यालय परिसर पहुंचें स्नातकोत्तर के परीक्षार्थी

छपरा सदर ।जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय सत्र के दोनों पालियों के परीक्षार्थियों को दिनांक–13–5–2023 को निर्धारित समय से 1 घंटा पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश कर जाने का निर्देश दिया गया है। विभिन्न स्रोतों से ज्ञात हुआ है कि माननीय प्रधानमंत्री का 13 मई को छपरा हवाई अड्डा में कार्यक्रम प्रस्तावित है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर सत्र–2021–23 की द्वितीय एवं सत्र 2020–22 के तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं अभी चल रहीं हैं। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था एवं संभावित यातायात व्यवस्था में परिवर्तन को दृष्टिगत रखते हुए कुलसचिव प्रो. रणजीत कुमार द्वारा सारण के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा छपरा सदर अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र लिखकर प्रवेश–पत्र के आधार पर परीक्षार्थियों के जयप्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया गया है। पत्र के साथ परीक्षा कार्यक्रम को संलग्न करते हुए कहा गया है कि उक्त परीक्षा में शामिल होने के लिए अत्यधिक संख्या में परीक्षार्थी विश्वविद्यालय परिसर स्थित परीक्षा केंद्रों में आएंगे।

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में उमड़ा रहा है श्रद्धालुओं का जनसैलाब

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा। एकमा नगर पंचायत के अंतर्गत एकारी गांव में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। यज्ञ में हवन कुंड का परिक्रमा करने के लिए भारी संख्या में भक्तजन पधार रहे हैं। यज्ञ से इलाके का माहौल भक्तिमय हो गया है। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में शनिवार को श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। शुक्रवार को कलश यात्रा के उपरांत शनिवार को सुबह से ही पंचाग पूजन, लक्ष्मी पूजन, मंडप प्रवेश के साथ यज्ञ का विधिवत शुभारंभ हुआ नव दिवस तक चलने वाले इस यज्ञ में हजारों की संख्या में श्रद्धालु यज्ञ मे अपनी सहभागिता निभाने पहुँच रहे हैं । हर कोई यज्ञ की परिक्रमा में शामिल होना चाह रहा है । जहाँ सुबह आठ बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडितों का समूह मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ में आहुति दे रहे हैं । श्रद्धालुओं का समूह यज्ञशाला का परिक्रमा कर धर्म के भागी बन रहे है । यहां भक्ति की सरिता बह रही है। भक्त और भगवान का मिलन समारोह जैसा परिदृश्य है ।यज्ञ की वेदी पर मुख्य आचार्य आदित्य नारायण उर्फ दुधिया जी महाराज कहते हैं कि यज्ञ स्थल पर पहुंचने मात्र से ही सभी पापों का नाश हो जाता है। यज्ञ की धूनी शरीर को निरोगता प्रदान करता है ।मन स्वस्थ रहता है और परमात्मा आत्मा में वास करते हैं। उन्होंने कहा की यज्ञ से दैहिक ,दैविक और भौतिक सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा से हर तरफ से सभी का कल्याण होता है। यज्ञ कर्म से घर समाज सहित देश और विश्व का कल्याण होता है। यज्ञ से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मन स्वच्छ और आत्मा पवित्र होता है। इस यज्ञ में मुख्य रूप से सुधांशु दुबे, आलोक कुमार सिंह सांवलिया सिंह विंध्याचल सिंह शत्रुघ्न सिंह प्रद्युम्न दूबे अजय कुमार दूबे वार्ड पार्षद सुनीता देवी समाजसेवी मुन्ना सिंह किरण देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता यज्ञ को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

मताधिकार का प्रयोग कर अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करे वोटर :अमन राज

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला में शत प्रतिशत मतदान हेतु भारत स्काउट और गाइड सारण के स्वयंसेवकों के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।स्काउट गाइड स्वयंसेवक के द्वारा खेत खलिहानों एवं विभिन्न बस्तियों में मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भारत स्काउट और गाइड सारण के जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज ने कहा कि हमें अपने लोकतंत्र पर गर्व है, समझदारी और नैतिक आधार पर बिना किसी लालच और प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए ।लोकतांत्रिक देश में मत का प्रयोग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया के साथ संवैधानिक अधिकार भी है, इसलिए मत का प्रयोग करना अपना नैतिक कर्तव्य समझे ।वही जिला संगठन आयुक्त गाइड सुश्री रीतिका सिंह ने जागरूकता अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि एक जिम्मेदार मतदाता ही अपने मत की महता को समझ सकता है, लेकिन जो मतदान करने में रुचि नहीं रखते हैं उन्हें समझने की जरूरत है कि हर भारतीयों को अपने मताधिकार पर गर्व करना चाहिए इस दौरान युवाओं को भी मतदान के लिए प्रोत्साहित किया गया ।स्काउट मास्टर चन्दन कुमार पंडित ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान प्रतिशत को 70% से अधिक बढ़ाना होगा ताकि हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा। मतदाता जागरूकता अभियान में भारत स्काउट गाइड सारण के डिस्ट्रिक्ट ओपन ट्रूप इकाई के स्काउट और गाइड शामिल हुए ।मुख्य रूप से स्काउट मास्टर चन्दन कुमार पंडित, स्काउट सोनु, आदित्य, तारिक कमर, गाइड खुशी, माही, जन्नत, फलक सहित अन्य स्काउट गाइड शामिल हुए।

बुनियादी मुद्दों को लेकर मतदान करे सारण लोकसभा क्षेत्र की जनता : अमित नयन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। शनिवार को सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी अमित नयन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सारण लोकसभा सीट के मतदाताओं को संबोधित किया। उन्होंने खासकर पहली बार मतदान करने जा रहे युवक एवं युवतियों को लोकतांत्रिक महापर्व में भागीदार होने के लिए बहुत–बहुत बधाई दी है।अपने संबोधन में नयन ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिक से अधिक भागीदारी हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करेगी। इसलिए ज्यादा से ज्यादा मताधिकार का प्रयोग हो इसकी हम उम्मीद करते हैं। आमजनों के बुनियादी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए अपना मत दें। किसी के बहकावे में नहीं आए। उन्होंने सारण लोकसभा सभा सीट से वैसे उम्मीदवार को विजयी बनाने की अपील की जो आपकी बुनियादी जरूरत जैसे– सदर अस्पताल के बदहाली को दूर करने, जयप्रकाश यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक परिदृश्य को बदलने, शहर में ऑटो स्टैंड की बंदोबस्ती करने, शौचालय, महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने, अच्छी सड़क, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, संसदीय क्षेत्र में कल कारखाने लगवाने, खेलकूद के मैदान को विकसित करने, जाम की समस्या से निजात दिलाने का भरोसा दिलाता हुआ दिखाई पड़े। सामाजिक ध्रुवीकरण एवं जातिवादी मानसिकता से ग्रसित न हो। ऐसे ही सांसद सारण लोकसभा क्षेत्र के साथ साथ देश की जनता के बेहतरी के लिए कारगर होंगे।

13 मई को 1 घण्टा पहले विश्वविद्यालय परिसर पहुंचें स्नातकोत्तर के परीक्षार्थी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर ।जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय सत्र के दोनों पालियों के परीक्षार्थियों को 13 मई को निर्धारित समय से 1 घंटा पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश कर जाने का निर्देश दिया गया है। विभिन्न स्रोतों से ज्ञात हुआ है कि माननीय प्रधानमंत्री का 13 मई को छपरा हवाई अड्डा में कार्यक्रम प्रस्तावित है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर सत्र–2021–23 की द्वितीय एवं सत्र 2020–22 के तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं अभी चल रहीं हैं। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था एवं संभावित यातायात व्यवस्था में परिवर्तन को दृष्टिगत रखते हुए कुलसचिव प्रो. रणजीत कुमार द्वारा सारण के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा छपरा सदर अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र लिखकर प्रवेश–पत्र के आधार पर परीक्षार्थियों के जयप्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया गया है। पत्र के साथ परीक्षा कार्यक्रम को संलग्न करते हुए कहा गया है कि उक्त परीक्षा में शामिल होने के लिए अत्यधिक संख्या में परीक्षार्थी विश्वविद्यालय परिसर स्थित परीक्षा केंद्रों में आएंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने हेतु निश्चित रूप से आवागमन आदि में सख्ती बरती जाएगी। ऐसी स्थिति में परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करने में कोई परेशानी न हो, ऐसी व्यवस्था की जाय।

किसी भी परिस्थिति में अपना मत का प्रयोग करें : डॉ श्रवण कुमार

छपरा कार्यालय। संस्कृत भारती छपरा इकाई के द्वारा शहर के भरत मिश्र संस्कृत महाविद्यालय परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जहां कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रांतीय संगठन मंत्री डॉ श्रवण कुमार थे। वहीं इस अवसर पर जयप्रकाश विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर वैद्यनाथ मिश्र ने मतदाता जागरूकता को लेकर "अवश्यमेव कर्तव्यं मतदानं सुचिन्तितम्। अन्यथा परितापःस्यात राष्ट्रधर्मस्य लङ्घनम्।।" आदि कई बातें कहीं तथा संगठन के सभी सदस्यों को दायित्व देते हुए मतदाता प्रतिशत बढ़ाने तथा मतदाता को जागृत करके शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की ।साथ ही उन्होंने एक जानकारी दी कि आगामी 5 जून से17 जून तक आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा द्वारा किया जा रहा है।

रेफरल अस्पताल मे पोलियो खसरा उन्मूलन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बनियापुर। बनियापुर रेफरल अस्पताल में एक दिवसीय कार्यशाला चिकित्स्कों विशेषज्ञो की उपस्थिति एक दिवसीय खसरा और पोलियो उन्मूलन विषय पर शिविर का आयोजन कर चर्चा किया गया,जिस कार्यक्रम मे खसरा पोलियो संक्रमित बिमारी कैसे होता है, इसकी पहचान, इलाज आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई ।जहा विशेषज्ञो ने पूर्व मे होने वाले लक्षणों सहित रोकथाम,पर विस्तार से जानकारी दिया। मौके पर मूलरूप से चिकित्सा प्रभारी डॉ एम. एम. जाफरी , स्वास्थ प्रबंधक अजीत कु. डब्लू. एच.ओ. के स्टाफ,डॉ मो इलताफ हुसैन, मिथलेश कु., नितेश कु. ,विनय कु. ,विकास कु. ,अनिल कु., वकार अंसारी, राहुल कु., राम कु., फिरोज आलम., रघुनंदन ठाकुर, सुनील प्रसाद, अजीम अहमद, अरुण कु. सिंह, इरफान आलम अंसारी, आफताब आलम, अखिलेश कु. सिंह, दिनेश कु. सिंह, रत्न कु., राजू कु., प्राणजीत कु., बंगाली बाबू, अखिलेश कु. , दीपक कु., आदि ग्रामीण चिकित्सक बैठक में शामिल हुए।

बाढ़ से विस्थापितों की नाराजगी को ले अधिकारियों ने कहा जमकर कीजिये मतदान

प्रात: किरण संवाददाता

सुगौली। आसन्न लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखण्ड में बाढ़ से विस्थापित हुए परिवारों में मतदान को लेकर नाराजगी है। भवानीपुर में बांध पर गुजारा कर रहे करीब एक सौ से अधिक परिवार इसबार लोकतंत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग नही करने का मन बना चुके है। इनकी पीड़ा है कि इन आठ वर्षों में इनकी पीड़ा कम करना तो दूर ,कभी जनप्रतिनिधियों ने इनका हाल जानने की भी कोशिश नही की। इसको लेकर बीडीओ तेजप्रताप त्यागी,सीओ कुंदन कुमार आदि ने पूर्व में भी भी हिन्दुस्तान हिन्दी दैनिक में प्रकाशित विस्थापितों की पीड़ा को ले भवानीपुर गांव का दौरा किया। एक लंबे अरसे बाद गांव में सरकारी हाकिमों की गाड़ी देख बड़ी संख्या विस्थापित जूट। उन्होंने बारी बारी से वर्ष 2017 में आई बाढ़ के रौद्र रूप से हुए नुकसान की जानकारी देने के साथ ही तब से ही अपनी नारकीय जीवन से अवगत कराया। जिसपर अधिकारियों ने भी उन्हें इसबार भयमुक्त होकर निष्पक्ष मतदान करने की अपील की। बीडीओ श्री त्यागी ने कहा कि इस लोकतंत्र में मतदान करने का जो आपको मौलिक अधिकार मिला है,उसका उपयोग जरूर करें। हालांकि अधिकारियों को भी उनके नाराजगी का सामना करना पड़ा।

वही इसको लेकर सीओ कुंदन कुमार ने कहा कि गांव में सरकारी भूमि को चिह्नित कर लिया गया है। चुनाव बाद विस्थापित हुए परिवारों के वितरण कर दिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव को लेकर बैंक कर्मियों की बैठक आयोजित

मोतिहारी। संतोष कुमार नोडल पदाधिकारी निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग–सह–राज्य–कर संयुक्त आयुक्त मोतिहारी अंचल मोतिहारी की अध्यक्षता में डा० राजेन्द्र प्रसाद सभागार, समाहरणालय परिसर, मोतिहारी में सभी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक जिला समन्वयक शाखा प्रबंधक एवं डाक अधीक्षक डाकघर मोतिहारी के साथ बैठक समपन्न हुई। उनके द्वारा लोक सभा निर्वाचन अवधि के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को दूषित करने के उद्देश्य से संदेहास्पद लेन–देन, अभ्यार्थियो के खाता खोलने, खाता का संचालन, नगद राशि के परिवहन एवं वढकयथा फोन पे, पेटीएम, गूगल पे एवं अन्य सभी प्रकार की वढक से लेन देन पर नजर रखने के संबंध में आवश्यक दिशा निदेर्शो से अवगत कराते हुये बैठक में भाग लेने वाले उक्त सभी बैंक से जुड़े सभी पदाधिकारी एवं डाक अधीक्षक को निर्देश दिया गया।

जागरूकता अभियान के तहत मतदाता को किया जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

घोड़ासहन। आगामी 25 मई को लोकसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर मतदाताओं की भागेदारी सुनिश्चित कराने के बाबत शनिवार को घोड़ासहन प्रखंड के गुलरिया टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 35 पर रैली निकाल मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया । सीडीपीओ कुमारी अंजना के निर्देश आयोजित इस जागरूकता अभियान का नेतृत्व कर रही महिला पर्यवेक्षिका संगीता कुमारी ने बताया कि मतदान में हिस्सा लेना बड़े ही सौभाग्य की बात होती है। हमें मतदान में बढ़ – चढ़कर हिस्सा लेनी चाहिए । आम नागरिकों को भी इस अभियान के तहत विशेष जागरूकता पर बल दिया गया। मतदाता जागरूकता अभियान के बैनर तले स्लोगन "सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो" "मेरा वोट मेरा – भविष्य" कोई मतदाता ना छूटे जिसको लेकर जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण मोतिहारी व आईसीडीएस पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में यह विशेष अभियान चलाया गया। मौके पर आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका के साथ दर्जनों लाभार्थी मौजूद रहे।

जन सुराज की बैठक सम्पन्न

अमनौर। जन सुराज प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को जन सुराज प्रखंड कार्यवाहक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत हर घर जनसुराज और जन सुराज मिशन एक करोड़ सदस्यता अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई । बैठक में जिलाध्यक्ष रामपुकार मेहता ने कहा कि जन सुराज को हर–घर तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसे हमें हर–घर तक पहुंचकर जन सुराज संस्थापक सदस्य बनाएगें। वहीं मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने कहा कि हम पूरे बिहार में एक करोड़ संस्थापक सदस्य बनाने के लिए कृतसंकल्पित हैं। 9721697216 टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। गौरतलब है कि इस टोल–फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल के पश्चात जन सुराज की सदस्यता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। इस दौरान भाजपा, जदयू व राजद से आये दो दर्जन से अधिक लोगों ने जन सुराज की सदस्यता ग्रहण किया ।जिसमें भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता संजीव सिंह, भानुप्रताप सिंह, ललन सिंह वहीं जदयू के जिला सचिव राज कुमार कुशवाहा, केदार महतो, प्रभुनाथ चौहान, राजद के राजीव कुमार सहित तीस लोगो का नाम शामिल है।

पोस्टल बैलेट से की जाने वाली मतदान प्रक्रिया की दी गई प्रशिक्षण

रक्सौल। मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिलाधिकारी सौरव जोरवाल की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण मुकेश कुमार सिंह के द्वारा पोस्टल बैलेट से की जाने वाली मतदान प्रक्रिया की जानकारी से संबंधित प्रशिक्षण सेक्टर पदाधिकारी को दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने बताया कि मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण 14 मई से 18 मई तक दिया जाएगा। इस अवधि में मतदान कर्मियों का वोटिंग प्रशिक्षण केंद्र पर ही विशेष फैसिलिटेशन सेंटर पर कराया जाएगा। इसके लिए विधानसभा वार फैसिलिटेशन सेंटर बनाया जाएगा एवं अलग से अभिप्रमाणन पदाधिकारी सहित पोलिंग पदाधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। प्रशिक्षण में बताया गया कि पोलिंग पदाधिकारी प्रथम मतदाता की पहचान करेंगे, पोलिंग पदाधिकारी द्वितीय अमिट स्याही लगाएंगे तथा पोलिंग पदाधिकारी तृतीय मतदाता को वैलेट पेपर उपलब्ध कराएंगे। प्रत्येक मतदान कर्मी जिनके द्वारा वोटिंग किया जाएगा उनका फोटो युक्त पहचान पत्र होना जरूरी रहेगा। प्रशिक्षण के दौरान सभी तरह के प्रपत्रों को भरने के विषय में जानकारी दी गई एवं बैलेट पेपर का सीरियल नंबर यथा स्थान लिखना अनिवार्य बताया गया।

आपके संचार कौशल पर निर्भर करती है उद्यमिता की सफलता: डॉ. शिवेंद्र

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि की वाणिज्य विभाग की ओर से चल रहा तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर संपन्न हो गया। शहर अंतर्गत बलुआ टाल स्थित विभागीय परिसर में केंद्र सरकार की विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग की ओर से प्रायोजित शिविर में तीसरे व अंतिम दिन शनिवार को वक्ताओं का उद्यमिता में संचार कौशल की उपयोगिता पर जोर रहा। इससे पहले विभाग के प्राध्यापक सह कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. अवनीश कुमार ने वक्ताओं का स्वागत कर शिविर की शुरूआत की। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के शोधार्थी शिवशंकर कुमार ने उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं सहायता प्रदान करने वाली बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों से अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। दूसरे सत्र को वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र सिंह ने उद्यमिता में संचार कौशल की उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही इस पर कई प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। कहा कि उद्यमिता की सफलता आपके संचार कौशल पर निर्भर करता है। तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के पूर्ववर्ती छात्र जय बजरंग एंड संस प्रा.लि के प्रबंधक प्रदीप कुमार ने उद्यमिता के लिए किस प्रकार की चुनौतियां आएंगी और इसका सामना कैसे करना है? इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने सफल उद्यमियों का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। इस पर शिविर में मौजूद विद्यार्थियों में एक सफल उद्यमी बनने की ललक देखने को मिली।

संक्षिप्त खबरें

देशी शराब के साथ तीन धंधेबाज गिरफ्तार, गए जेल

कारकाट(रोहतास)। कारकाट पुलिस ने मद्य निषेध अधिनियम के तहत कारवाई करते हुये तीन शराब धंधेबाजों को देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया । गिरफ्तार शराब धंधेबाज रघुनाथपुर गांव निवासी शिव चौधरी पिता घडीमन पासी के पास से 7 लीटर देशी शराब पुलिस ने बरामद किया ।पुलिस ने धवनी गांव निवासी नवदीप कुमार पिता रघुनंदन प्रसाद तथा अभिनव कुमार पिता चंद्रमा सिंह के पास से 20.20 लीटर देशी शराब बरामद किया । थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि गुप्त सूचना पर छापेमारी की गई जिसमें तीनों शराब धंधेबाजों को देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया ।

7 लीटर देशी शराब साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

बिक्रमगंज(रोहतास) : पुलिस ने देशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के खेलड़िया गांव से दीपक कुमार को 7 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है ।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया ।

एडीजे की संख्या 06 और बढ़ेगी

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे की संख्या 06 और बढ़ेगी।अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि बिहार सरकार समान्य प्रशासन विभाग के अधिसूचना जो पटना हाईकोर्ट के अनुशंसा के आधार पर जारी किया गया है। इस अधिसूचना के आधार पर 144 न्यायिक पदाधिकारीयों को पदोन्नति करते हुए एडीजे बनाया गया है जिनमें से 06 न्यायधीशों को व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पद पर पदस्थापित किया गया है,जो निम्न लिखित है। सौरभ सिंह एसीजेएम औरंगाबाद, सौरभ सिंह ने जिला जज प्रवेश बिंदु परीक्षा के 10 प्रतिशत कोटा में सफलता पाई है।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिया मतदान जरूरी: धर्मेंद्र कुमार

अरवल।जिले के चर्चित दिल्ली पब्लिक स्कूल के द्वारा 1 जून को अरवल में होने वाले मतदान के बारे में जागरूक देते हुए डीपीएस के प्रिंसिपल धर्मेंद्र कुमार ने स्कूली बच्चों को जानकारी देते हुए बताया की लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान जरूरी है ।इस लिया आप लोग अपने मम्मी ,पापा, और आस पडोस को मतदान करने के लिए जरूर बोले। मौके पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

भामाशाह जंयती धुम धाम से मनाई गई

गया। जिला के टेउसा बाजार अतरी गया में भामाशाह जंयती धुम धाम से मनाई गई है।जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उद्घाटन कर्ता जिला अध्यक्ष संजुलाल थे वही समारोह की अध्यक्षता मनोज कुमार गुप्ता अध्यक्ष टेउसा साहु समाज ने की,मंच संचालन पवन कुमार एवं धनंजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया ।इस भामाशाह जंयती समारोह में बिहार एवं गया जिला के कोने कोने से हजारों के संख्या में महिलाएं पुरुष एवं बच्चे ने भाग लिए हैं ।इस समारोह का मुख्य आकर्षण भक्ति जागरण रहा है ।आए हुए अतिथियों ने मुख्य रुप से भामाशाह के पद चिन्हों पर चलने एवं सामाजिक समरसता बनाने पर जोर दिया गया है ।तेली जाती को राजनीतिक के क्षेत्र में में में आने का भी सुझाव दिया गया है। और बच्चे बच्चीओ कोको शिक्षा पर जोर दिए ।इस समारोह में मुख्य रूप से मुकेश कुमार गुप्ता,काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी।

मृतक आश्रित को जिलाधिकारी ने अनुग्रह अनुदान का चेक सौपा

गया। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अवसर पर 38 गया अ० जा० संसदीय क्षेत्र अंतर्गत 232- बेलागंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान संख्या 30 प्राथमिक विद्यालय बेल्हाडी में सुजीत कुमार , गृहरक्षक, जो चांद चौरा गया के रहने वाले थे, चुनाव ड्यूटी से लौटने के तुरंत बाद वह अनुमण्डल कार्यालय में अपना ड्यूटी देने पहुच गए, जहां उनकी मृत्यु हो गई थी। जिसके आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने निर्वाचन आयोग की ओर से डीएम स्वमं स्व० सुजीत कुमार के घर पहुच कर उनके परिजनों से मिलकर इस दुःख की घड़ी में संतावन प्रकट किया है। डीएम ने स्व० सुजीत कुमार के पत्नी कंचन कुमारी एव उनके 3 बेटियों से भी मिला और बताया कि घटना काफी दुःखद है। जिला प्रशासन एव गृहरक्षक विभाग से जो भी नियमानुसार काम होंगे, उसे पूरा करवाया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने स्व० सुजीत कुमार की पत्नी कंचन कुमारी वर्मा को अनुग्रह अनुदान के तहत 15 लाख रुपये का चेक सौपा है।

स्थानीय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय नवनिर्वाचित कैप्टन एवं वाइस कैप्टन ने ली शपथ ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय में चारो हाउस के नवनिर्वाचित कैप्टन एवं वाइस कैप्टन ने अपने पद की जिम्मेदारी लेते हुए सर्वदा विद्यालय और छात्र हित में कुशलता के साथ कार्य करने का शपथ ग्रहण किया। वात्सल्य हाउस के लिए कैप्टन राहुल यादव एवं वाईस कैप्टन रागिनी पाण्डेय, निश्चल हाउस के लिए कैप्टन रौशन एवं वाईस कैप्टन पियुष, कुषाग्र हाउस के लिए कैप्टन रौशनी पाण्डेय एवं वाईस कैप्टन आरण्य शिवाली, उत्कृष्ट हाउस के लिए कैप्टन मयंक कुमार और वाईस कैप्टन के रूप में दिव्या राज ने जीत हासिल करते हुए अपने पद की जिम्मेदारी संभाली।

प्राचार्या डॉ. सीपी जैन ने सभी विजेताओं को विद्यालय हित एवं छात्रहित में सदैव कार्य करते हुए अच्छा नागरिक बनने की शपथ दिलाई। मदर्स-डे के पूर्व दिवस पर आयोजित मदर्स-डे विशेष कार्यक्रम के अन्तर्गत माँ की विशेष महत्ता बताते हुए जीते हुए सभी प्रतिभागियों को उनकी माँ के हातों ही बैज, झण्डा आदि प्रदान करवाया गया। विद्यालय के निदेशक डॉ. आदित्य बिजय जैन ने बताया कि विद्यालय के चारो हाउस के लिए कैप्टन एवं वाईस कैप्टन के चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया विगत 4 मई को सोल्लास सम्पन्न हुई थी। जैसा कि ज्ञात है कि वर्तमान समय में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र राष्ट्र 'भारत' में लोक सभा आम चुनाव चल रहा है। लोक सभा चुनाव में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं, जटिलताओं को व्यवहारिक रूप से प्रदर्शित करने के उद्देश्य और देश के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान के तर्ज पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच इस चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया गया है। चुनावी प्रक्रिया और मतदान की गम्भीरता और मताधिकार की शक्ति से छात्र-छात्रा व्यवहारिक रूप से प्रभावित हुए और उन्होंने संकल्प लिया कि वे भी अपने जीवन में सर्वदा उचित मताधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे। साथ ही उन्होंने अपने परिवार के व्यस्क सदस्यों एवं अन्य को भी मतदान अवश्य करने हेतु जागरूक करने का बीड़ा उठाया। मदर्स-डे के अवसर पर अपनी माँ के हाथों जीत का बैज एवं झण्डा आदि प्राप्त कर विजेतागण तो भावुक हो ही गये साथ ही उपस्थित अतिथिगण एवं माताएं भी अपनी भावुकता को रोक न सकीं। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मदर्स-डे पर माँ को समर्पित कई रंगा-रंग कार्यक्रम जैसे नृत्य, कविता पाठ, भाषण, गायन आदि प्रस्तुत किया गया। साथ ही माताओं के बीच विभिन्न प्रकार के गेम का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का मंच संचालन विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा स्वर्णिका जैन एवं कक्षा दशम की छात्रा आशी ने संयुक्त रूप से किया। उक्त अवसर पर डॉ. श्रद्धा, डॉ. राखी रूंगटा, शालिका जैन, अरिहन्त बिजय, सिद्ध बिजय, प्राची जैन, कोमल जैन, रागिनी कुमारी, ज्योति कुमारी, चतुरानन ओझा, राकेश पाठक आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने मे रविकान्त, चन्दन, दीक्षा, अंजली, राय सुनील कुमार, सुनील कुमार, तबस्सुम बानो, कविता, स्नीग्धा, चन्दन, राहुल, रविशंकर, शिवानी, गरिमा, भागीरथ विश्वास, फैज अक्रम, अमित वर्मा, शुभ्र कमल, मधुकान्त, विजय, हरिशंकर, जय प्रकाश, आनन्द, सरोज आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्कृत पब्लिक स्कूल के भव्य सभागार में आयोजन किया गया मातृत्व दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। संस्कृत पब्लिक स्कूल के भव्य सभागार में मातृत्व दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ॰ आलोक कुमार सिंह ने सभा का उद्घाटन एवं प्राचार्य जाकिया यासमीन ने संचालन किया अपने उद्बोधन में निदेशक महोदय ने माताओं का बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी बातों को बताया उन्होंने कहा कि माता के मार्गदर्शन के बिना किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व नहीं निखर सकता समाज के निर्माण में माता की भूमिका महत्वपूर्ण है मां जगत जननी यूं ही नहीं कही जाती इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने कहा कि माँ है तो हम हैं उनकी आंचल में वह शक्ति है जो कहीं और नहीं मिल सकती मां दया प्रेम और अनुशासन की प्रति मूर्ति है इस अवसर पर सभी माताओं के द्वारा सामूहिक रूप से केक काटा गया इस अवसर को सफल बनाने में श्री सत्यदेव सिंह दीपक तिवारी अमित उपाध्याय डॉ. एसके पांडे अभिषेक कुमार राहुल सिंह लक्ष्मी सिंह अभिजीत तिवारी पार्वती कुमारी अभिषेक रंजन व अन्य की भूमिका सराहनीय रही है अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री अमरेश मिश्रा ने की।

जनसंपर्क के दौरान ग्राम देवी के सालाना पूजा में शामिल हुए बीजेपी नेता

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर प्रखण्ड के सुरौधा टापू पर जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामदिनेश यादव पहुंचे। इस दौरान वे वहां ग्राम देवी के सालाना पूजा में भी शामिल हुए। उनके साथ नगर मंडल बीजेपी अध्यक्ष राकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

जनसंपर्क अभियान के तहत सुरौधा पहुंचे बीजेपी नेताओं से स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं बताई। उनका कहना था कि इस टापू के सभी लोगों के नाम नगर पंचायत कोईलवर की मतदाता सूची में दर्ज है। चुनाव के समय हमलोग नदी पार कर कोईलवर मतदान करने जाते हैं, बावजूद इसके आज तक सरकार ने इस टापू पर रहने वाले लोगों पर ध्यान नही दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहाँ रहने वाले करीब ढाई सौ परिवारों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। उन्होंने इस पंचायत को स्वच्छ पेयजल और बिजली की समस्या को भी रखा जिसपर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामदिनेश यादव ने इसे सरकार तक पहुंचाने की बात कही और चुनाव बाद इस काम को प्राथमिकता के तौर पर पूरा करवाने का वादा किया। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगो ने इस गांव की विभिन्न समस्याओं को रखा। ग्रामीणों ने 250 घर वाले इस टोले में एक अदद स्कूल तक न होने की बात भी कही। उन्होंने बताया कि यहां के बच्चे नदी पार कर पटना जिले में पढ़ने जाते है। बरसात के दिनों में नदी में पानी आ जाने से बच्चों की पढ़ाई बन्द हो जाती है।

झमा झम बरखते मेघ के बीच हुई भागवत कथा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। तरारी प्रखंड के जेठवार भट्ट गाँव में माँ बरेजी ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में आठवें दिन झमा झम बारिश के बीच मथुरा गोवर्धन के जगदुरु निम्बकाचार्य राधा मोहन शरण देवाचार्य जी महाराज ने भागवत कथा का श्रवण कराया। श्रद्धालु भी बारिश में जमे रहें ।श्री राधामोहन शरण जी महाराज ने कहा कि ये जो शरीर मिला है वो तप करने के लिए मिला है, भोग भोगने के लिए नहीं। अगर हमने तप नहीं किया, भगवान का भजन -पूजन नहीं किया तो हम पशु के समान है। तप, त्याग और ज्ञान ही हमें पशु से अलग करता है। विधि का विधान किसी भी हाल में टलता नहीं है। श्री महाराज जी ने कहा कि भरत -मृग की कथा में कहा कि अपने अंत समय में हम जैसा चिंतन करते हुए शरीर छोड़ते है अगले जन्म में हम वैसा ही शरीर पाते है। भरत ने मृग का चिंतन करते हुए शरीर छोड़ा, तो अगले जन्म में उन्हें मृग शरीर प्राप्त हुआ। माँ बरेजी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष धीरज कु राय ने बताया भागवत कथा के मध्य ही बारिश शुरू हो गई। लेकिन श्रद्धालु डटे रहें।

इस अवसर पर राजेश भट्ट, लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रवक्ता, श्री राजेश्वर पासवान जिलाध्यक्ष भोजपुर,लोजपा (रामविलास) आशुतोष झा, शिवसेना अध्यक्ष बिहार प्रदेश, कमलेश कुमार, शिवसेना उपाध्यक्ष, सेवानिवृत पुलिस उपाधीक्षक श्री सुभाष शर्मा जी संतोष कुमार दीपक राय विकास कुमार राय हरेंद्र कुमार भोजपुर जिला लोजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं गडहनी नगर पंचायत के अध्यक्ष गुड्डू जी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार जी उपस्थित हुए और श्री महाराज जी का सानिध्य प्राप्त किया।

आज यूथ फॉर सेवा द्वारा मस्ती का पाठशाला (समर कैंप)का आयोजन

आरा। बालिका उच्च विद्यालय में किया गया जिसमें बच्चों को ग्रीष्मावकाश के दौरान अलग-अलग गतिविधियों को सिखाया जाएगा और उनके बीच विविध प्रकार के प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी जिससे उनके प्रतिभा में निखार आएगा

मस्ती की पाठशाला का विधिवत उद्घाटन आज किया गया जो सप्ताह भर चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन यूथ फॉर सेवा के सलाहकार समिति सदस्य डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिन्हा ,जगदीश सिंह, विद्यालय के निर्देशक राम जी तिवारी, कुमुद सिंह ,वैभव कुमार ,अधिवक्ता कृष्ण मोहन ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का नेतृत्व यूथ फॉर सेवा के सदस्य प्रियांशु भास्कर पाठक और विकास तिवारी ने किया।आज प्रथम दिन बच्चों के बीच पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था जल संरक्षण ।विजेता प्रतिभागियों को स्कूल बैग व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया ।साथ ही जल ही जीवन है विषय पर सेमिनार का भी आयोजन किया गया ।इस अवसर पर वक्ताओं ने बच्चों को सरलता से जल संरक्षण हेतु प्रेरित किया ।इस अवसर पर डॉ दिनेश प्रसाद सिन्हा ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में प्रतिभा निखार का अवसर मिलता है तथा बच्चों में प्रतियोगिता का भावना भी आता है यूथ फॉर सेवा सालों भर शिक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में विविध कार्यक्रम आयोजित करती है जो समाज में एक सार्थक संदेश देता है।

बीडीओ के नेतृत्व में निकली जागरूकता रैली

प्रात : किरण संवाददाता

कारकाट(रोहतास)। कारकाट प्रखंड मुख्यालय से गोड़ारी गांव में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें अंचलाधिकारी रितेश कुमार, प्रखंड बीपीआरओ रेणुका कुमारी, बीईओ मो. कलीमुदीन सहित प्रखंड के सभी कर्मियों ने भाग लिया। रैली के दौरान अफसरों ने मतदाताओं को निमंत्रण पत्र देकर लोकसभा चुनाव के लिए एक जून को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। रैली में शामिल कर्मी पहले मतदान-फिर जलपान का नारा लगा रहे थे। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी बताया और कहा कि किसी के प्रलोभन व धमकी या दबाव में आकर मतदान नहीं करना है। अगर कोई ऐसा करता है, तो सूचना दें, कार्रवाई होगी। निर्भीक होकर मतदान करें। प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय परिसर से होते हुए गोडारी गांव के प्रत्येक घरों में जाकर मतदान के लिए जागरूक किया गया।

वही सभी घरों के मुख्य द्वार पर मतदान जागरूकता स्टीकर भी चपकाया गया। मौके पर बीडब्ल्यूओ सुनील कुमार, बीसी मो. अशरफ अली, एलएस मीना,बाली, रुकसाना, अनिल कुमार पासवान सहित विकास मित्र व कर्मी शामिल थे ।

सफलता के पांच मंत्र बताएं विंग कमांडर अभय यादव ने

प्रात : किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास) : विद्यार्थी अगर समयनिष्ट हो, उसके अंदर अनुशासन और कुछ कर गुजरने की जिद हो, तो सफलता के सभी लक्ष्य को पूरा कर सकता है। उक्त बातें साइंस को विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तिलौथू प्रखंड के चितौली गांव के निवासी व एयरफोर्स में विंग कमांडर पद पर कार्यरत अभय यादव ने बताया। उन्होंने बताया की गांव में रह कर भी कोई भी विद्यार्थी पढ़ कर अच्छा जॉब या रोजगार कर सकता है। बस उसके अंदर दृढ़ संकल्प होनी चाहिए। समयनिष्ठ, अनुशासन, उचित नींद, स्वाध्याय और बिना किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का पढन पाठन, ये सभी पांच नियम जीवन का मूल मंत्र हो गया है। विद्यार्थियों के सवाल जवाब में अधिकतर प्रश्न आर्थिक तंगी और पारिवारिक कलह से आया। सबका सहजता से जवाब देते हुवे अभय यादव ने बताया की पढ़ाई में पैसा कभी बाधक नहीं बनता। अगर ऐसा होता तो डॉ कलम और डॉ आंबेडकर किसी राजा के परिवार के सदस्य नहीं थे। सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार सत्यानंद कुमार ने मुख्यमंत्री द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी और बताया की कोई भी विद्यार्थी चार लाख रुपए तक का ऋण लेकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। बाद में जॉब के दौरान बहुत कम ब्याज पर ईएमआई के मध्यम से लौटा देना है। ताकि इसका लाभ अनवरत विद्यार्थियों को मिलता रहे। ओपी क्लासेज के विद्यार्थियों ने वातार्लाप के दौरान सेना में भर्ती होना पहली प्राथमिकता बताई। अभय यादव ने तीनो सेना के विभिन्न पदों की जानकारी देते हुवे बताया की आप पहले फिजिकल और मेंटली फीट होइए और खुद को कभी भी कमजोर मत समझिए। चिंता मुक्त व्यक्ति ही कुछ करता है और सफल होता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार हुआ तेज

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के बैनर तले राजकीय मध्य विद्यालय सुही कुटुम्बा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता बबन कुमार सिंह ने किया और संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक राजकुमार पासवान ने किया। इस वर्ष लगने वाला सबसे बड़ा दुसरा राष्ट्रीय लोक अदालत 13 जुलाई के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए जागरूक किया गया तथा कहा गया कि अपने और अपने गांव में सुलहनीय आपराधिक मामले को अधिक से अधिक राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए। न्यायालय में लंबित सुलहनीय पारिवारिक मामले निपटाए। मोटर दुर्घटना वाद निपटाए, टेलीफोन,वन,श्रम ,बटंखारा विभाग के लम्बित मामले, , लोक अदालत में सलटाए गये मामले से समाज और परिवार में सुख-शांति पूर्ण माहौल स्थापित होता है।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में मदर्स डे समारोह का हुआ आयोजन

गया।शहर के नैली रोड खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में मदर्स डे समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय परिसर को रंगीन गुम्बारो से सजाया गया है। वहीं विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के आए हुए माता के बीच विभिन्न तरह के प्रति योग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया है गया बच्चों ने संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के संस्थापिका रुक्मिणी देवी के चित्र पर विद्यालय की प्राचार्य पूनम सिन्हा एवं आए हुए माताओं ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया है। तत्पश्चात विद्यालय की शिक्षिकाओं ने वहां पर मौजूद सभी बच्चों की माता को तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर उनका पूजन किया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय की छात्र नव्या, चांदनी एवं तनु ने तू कितनी अच्छी है मां गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया वही, मैंने पायल है छनकाई गाने पर निधि एवं निहारिका ने डांस प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया, दिलबरो गाने पर कक्षा पांच की छात्रा सीता एवं रिशु ने, वही चटक मटक गाने पर अनु कुमारी ने नृत्य प्रस्तुत किया, क्लास 2 की छात्रा सुनिधि सुमन ने कोका कोला सॉन्ग गाने पर व पिया जी तेरी एक न सुनेगी गाने पर तनु एवं चित्रा ने नृत्य प्रस्तुत किया। अंत में गुलाबी सरारा गाने पर अनामिका ने डांस प्रस्तुत किया है। विद्यालय में आयोजित क्विज कॉन्टेस्ट में सभी माताओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई दी। क्विज कॉन्टेस्ट के सफल प्रतिभागियों को प्राचार्य पूनम सिन्हा ने प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया है। इस मौके पर सिन्हा ने कहा कि हमारे विद्यालय में पूर्व की भांति इस वर्ष भी मदर्स डे से समारोह का आयोजन किया गया है। आज का यह पूरा आयोजन माताओं को समर्पित है। बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए यह बातें सिखाई गई है। इस तरह के कार्यक्रमों का करने का मुख्य उद्देश्य यह भी होता है कि गृहणी घर में रहने वाली महिलाएं एक सुखद माहौल में आकर एक दूसरे मिले और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी करें।

देश मे जो बड़े मुद्दे हैं उसे सोच विचारकर मतदान करना चाहिए : सुबोध यादव

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। सामाजिक न्याय आंदोलन बिहार, इंकलाबी कारवां और बहुजन स्कॉलर फोरम की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुबोध यादव ने कहा कि हमारा मानना है देश के सबसे बड़े जो मुद्दे हैं जिसको ध्यान में रखकर,सोच विचारकर चुनाव में लोगों को मतदान करना चाहिए. वे मुद्दे हैं बेरोजगारी और गरीबी, शिक्षा व रोजगार का सवाल,रोजमर्रे की जरूरत के चीजों का आसमान छूती कमरतोड़ महंगाई, किसानों के एम एस पी सहित खेती -किसानी से जुड़े तमाम मुद्दे के साथ संविधान और लोकतंत्र बचाने का सवाल। भाजपाई राज में महिला सम्मान और सुरक्षा का सवाल नागरिक समाज के सामने सबसे बड़ा सवाल होना चाहिए। भाजपा सरकार जबरन कोविशील्ड वैक्सीन लगवाकर हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक से मरने के लिए जनता को बाध्य करती है. और वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से इलेक्टोरल बांड के जरिए सैंकड़ों करोड़ चंदा लेती है प्रधानमंत्री मोदी की संघ-भाजपा की सरकार जनता की दुश्मन है। उत्पीड़ित समाज और वर्ग के ताकत के बल पर भाजपा को मजबूत करने वाले बहुजनों के गद्दार नेताओं की जगह इतिहास के कूड़ेदान में है.वह चाहे नीतीश कुमार हों या जहानाबाद के निवर्तमान सांसद और भाजपा गठबंधन के वर्तमान उम्मीदवार चंदेश्वर चंद्रवंशी,या उपेंद्र कुशवाहा। हम उत्पीड़ित समाज और मेहनतकश अवाम से चुनाव में भाजपा-जदयू व उसके सहयोगियों को हराने की अपील करते हैं। संवाददाता सम्मेलन को सामाजिक न्याय आंदोलन, बिहार व इंकलाबी कारवां के संयोजक सुबोध यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र राहुल कुमार, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र व बहुजन स्कॉलर फोरम के कार्यकर्ता अमन कुमार, रोहित पासवान,गौतम राजवंशी, जयराम राजवंशी,पवन कुशवाहा, अजित चौधरी ने संबोधित किया। इस मौके पर सुशील सम्राट, विकास कुमार,अरुण कुमार, जितेन्द्र कुमार,सुनिल कुमार, सद्दाम हुसैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

प्रखण्ड प्रमुख आशा देवी ने स्कूल का किया औचक निरीक्षण,गायब मिले शिक्षक

प्रात : किरण संवाददाता

गया।डुमरिया, प्रखंड प्रमुख आशा देवी ने आज डुमरिया प्रखंड के भोकहा पंचायत के उत्कर्मित मध्य विद्यालय नवीनगर का औचक निरीक्षण किया,प्रमुख आशा देवी ने बताया की विद्यालय में कुल 6 शिक्षक है,सुबह 9 बजे जब स्कूल पहुंचे तो बच्चे सिर्फ 3 ही थे और शिक्षक 2 प्रभारी इनदरेव शर्मा जब बच्चे के संख्या कम क्यों है,और शिक्षक क्यों नहीं आए है,तो प्रभारी ने बोला की तुम कौन होते हो पूछने वाला हम किसी से नहीं डरते है,प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से जब बात कराने की कोशिश किया तो उनसे भी भी बात नही किया,उन्होंने बताया कि अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण की मांग की गई है,ग्रामीण बताते है की प्रभारी घुस लेकर बाकी शिक्षक के हाजरी बना देते है, मध्यान भोजन भी कभी कभी बनता है,शिक्षक कोई भी दिन नही आते है, अपने बच्चा लोग को विद्यालय में पढ़ाई नही होने के कारण घर पर टीवशन करवाते है।

नगर निगम चौक चौराहों के प्रमुख स्थानों पर अविलंब सफाई कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जनता के द्वारा दिए गए टैक्स से बने ई टॉयलेट नगर निगम से बने कोई भी कारगर ई टॉयलेट नहीं हैं शहर में कई ई टॉयलेट की शिकायत पर भाजपा का प्रतिनिधि मंडल घूम घूम कर निरीक्षण के क्रम में कई बंद पाए गए तो कई गंदगी का अंबार था जो ई टॉयलेट में जा ही नहीं सकता हैं इसलिए बाहर ही लोग टॉयलेट कर देते हैं कई जगह पर सिट गंदगी से जाम रहता हैं भारतीय जनता पार्टी के गया जिला किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि सार्वजनिक रूप से ई टॉयलेट गया शहर में सैकड़ों की संख्या में बना हुआ हैं लेकिन एक भी टॉयलेट कारगर नहीं हैं जिससे आम जनता इस सुविधा का प्रयोग कर सके जबकि नगर निगम के द्वारा बनाए गए ई टॉयलेटो का रख रखाव एवं सफाई की ज़िम्मेदारी किसे दी गई हैं कोई भी पुरुष या महिला ई टॉयलेट में चले जाता हैं तो गंदगी और बदबू देखकर वापस लौट जाते हैं खास कर महिलाएं के लिए बड़ा कठिनाई का सामना करना पड़ता हैं नगर निगम चौक चौराहों के प्रमुख स्थानों पर अविलंब सफाई कर आमजनों को इसका फायदा मिल सके प्रतिदिन हजारों हजार यात्री प्रतिदिन विष्णुपद मंगलागौरी, अक्षयवट, रामशिला, रेलवे स्टेशन, गांधी मैदान आते हैं आने वाले यात्रियों का जरूरत महसूस होने पर काफी कठिनाई होती हैं अविलंब सफाई कर चालू किया जाय नहीं तो बाध्य होकर इसकी शिकायत मुख्यमंत्री एवं विभाग के मंत्री से किया जाएगा क्योंकि गया जी की धरती धार्मिक एवं जिला मुख्यालय रहने के चलते हजारों लोगों का प्रतिदिन आवागमन हैं।

आज उपमुख्य मंत्री समेत एनडीए के कई दिग्गज नेता करेगे चुनावी जनसभा को संबोधित

घोड़ासहन। 12 मई की सुबह 10 बजे बिहार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत एनडीए के कई दिग्गज नेता जन सभा को संबोधित करेगे । इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद , जनक चमार मंत्री,पूर्व सांसद आनंद मोहन , प्रत्याशी लवली आनंद , विधायक पवन जयसवाल, लालबाबू गुप्ता , राणारंधीर सिंह समेत अन्य कई नेता भी सभा को सम्बोधित करेंगे। एनडीए के लोकसभा संयोजक प्रभूनरायण ने जानकारी देते बताया गया कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर शनिवार को टोनवा में एक बैठक का आयोजन किया गया है । इस दरम्यान पूर्व सांसद आनंद पूर्व मंत्री विरेन्द्र कुशवाहा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी प्रभु नारायण जयसवाल , जिला अध्यक्ष राजेश तिवारी , राजीव रंजन , सुभाष सिंह , अभय सिंह , जीतू साह दीपू कुशवाहा, संतलाल कुशवाहा, सबुनंद कुशवाहा ,रामनाथ कुशवाहा , अरबिंद कुशवाहा ,मुन्ना कुशवाहा , दयाशंकर जयसवाल, बच्चा लाल कुशवाहा , नागमणी सिंह, दीलिप सराफ, अशोक सिंह सहित दर्जनो की संख्या मे कार्यकर्ता मुख्य रूप सेष उपस्थित रहे । बताया गया कि इस जनसभा में 25 हजार से भी अधिक लोगों की भागीदारी होगी।

खतरों के खिलाड़ी में भाग लेती नजर आएंगी कृष्णा श्रॉफ

रोहित शेट्टी का स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी इस वक्त चर्चा में बना हुआ है। खतरों के खिलाड़ी एक्शन और रोमांच से भरपूर होता है। इस शो के लिए नए-नए प्रतियोगियों के नाम सामने आ रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ अब फिल्मों और ओटीटी की बजाय सीधा टीवी से डेब्यू करने जा रही है। खबर है कि कृष्णा श्रॉफ खतरों के खिलाड़ी 14 में खतरों से खेलती हुई दिखाई देंगी। हमेशा की तरह इस बार भी यह शो रोमांच का पूरा वादा करता है और दर्शकों को सीट से बांधे रखेगा।

कृष्णा श्रॉफ ने खुद किया खुलासा

कृष्णा श्रॉफ की बात करें तो भाई टाइगर श्रॉफ की तरह वह भी फिटनेस की दीवानी हैं। कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में इस शो में आने की पुष्टि की है। कृष्णा ने एक बयान में कहा है, 'वह रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो में हिस्सा लेंगी। टाइगर श्रॉफ की बहन ने उल्लेख किया कि उन्हें हमेशा खुद को चुनौती देना पसंद है और खतरों के खिलाड़ी 14 से बेहतर अवसर क्या हो सकता है, जहां मैं अपनी मानसिक और शारीरिक ताकत बढ़ा पाऊंगी'। कृष्णा की प्रोफाइल पर एक नजर डालें तो वह भी अपने भाई की तरह फिटनेस फ्रीक हैं, ऐसे में वह निश्चित रूप से खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन हैं। कृष्णा इस शो में सभी के लिए एक कठिन प्रतियोगी साबित हो सकती हैं। इस बार शो में सभी फीमेल कंटेस्टेंट की नजर कृष्णा पर जरूर होगी। कृष्णा के साथ-साथ इस शो में आसिम रियाज की भी एंट्री होने वाली है। यह भी कहा जा रहा है कि आसिम ने इस शो के लिए पूरी तरह से तैयारी शुरू कर दी है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट की मानें तो रोहित शेट्टी के टीवी शो खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग रोमानिया में होगी। इससे पहले शूट लोकेशन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, जबकि कुछ रिपोर्टों ने सुझाव दिया कि शूटिंग या तो बुल्गारिया या केप टाउन में होगी। नए अपडेट के अनुसार अब शो की शूटिंग रोमानिया में होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में सुमोना चक्रवर्ती, धनश्री वर्मा, शोएब इब्राहिम, अभिषेक मल्हान, श्रीराम चंद्रा, मनीषा रानी, जिया शंकर और अन्य कई लोग शामिल हो सकते हैं।

मिस्टर एंड मिसेज माही के लिए जान्हवी ने बहाया पसीना, ढाई साल ली क्रिकेट की ट्रेनिंग

जान्हवी कपूर की अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' क्रिकेट के बैकड्रॉप में है। फिल्म में जान्हवी का किरदार क्रिकेटर बनने का सफर तय करता है, जिसे उसके पति के रोल में राजकुमार राव पूरा करते हैं। जान्हवी कपूर ने फिल्म के लिए ढाई साल तक क्रिकेट की ट्रेनिंग ली है, इसके लिए उन्होंने 2021 से ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान दो बार उनके कंधे में चोट भी लगी।

चोट के बावजूद शूटिंग करती रहीं जान्हवी

चोट के बावजूद जान्हवी कपूर ने शूटिंग जारी रखी। इस बीच कोविड की तीसरी लहर से लेकर मानसून और एक्टर्स की डेट्स के मसले के चलते फिल्म की शूटिंग एक साल तक अलग-अलग महीनों में चलती-रुकती रही। यह फिल्म स्पोर्ट्स बैकड्रॉप में भले है लेकिन इसमें फैमिली ड्रामा भी देखने को मिलेगा।

जान्हवी ने क्रिकेटर्स से ली ट्रेनिंग

सोर्सेज ने कहा- जल्द ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। इसमें राजकुमार के किरदार का नाम महेंद्र है और जान्हवी का महिमा है। क्रिकेट जगत के दो नामचीन लोगों ने जान्हवी को ट्रेनिंग दी है। फिजियोथेरेपिस्ट भी हमेशा सेट पर साथ रहते थे। राजकुमार ने भी उनसे ही ट्रेनिंग ली। इसके अलावा डायरेक्टर शरण खुद भी क्रिकेट प्रेमी हैं। क्रिकेट जगत से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी उनको रहती है। ऐसे में शूटिंग में उनके इनपुट और इनसाइट भी बखूबी काम आए। सोर्सेज ने आगे कहा- फिल्म की शूटिंग चुनौतीपूर्ण रही। मेकर्स को क्रिकेट के स्टेडियम मिलने में दिक्कत होती थी। हर जगह मैच हुआ करते थे। इसलिए शूटिंग में सामान्य से ज्यादा वक्त लगा।

हीरामंडी की शूटिंग के दौरान डिप्रेशन में थीं मनीषा

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को ओटीटी पर रिलीज हुए कई दिन बीत चुके हैं। इस सीरीज में मनीषा कोइराला ने मल्लिकाजान के किरदार को एक अलग ही आभामंडल के साथ जीया है।

मल्लिकाजान की भूमिका में उनकी खूब तारीफ हो रही है। एक्ट्रेस ने इस किरदार को निभाने के लिए काफी मेहनत की थी। हाल ही दिए एक इंटरव्यू में मनीषा कोइराला ने बताया कि हीरामंडी की शूटिंग के दौरान वह डिप्रेशन में थीं। शूटिंग के वक्त उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा था। एक्ट्रेस मनीषा कोइराला के बारे में सभी जानते हैं कि वे कैंसर से लड़कर आई हैं। इस बीमारी ने उनके जीवन पर गहरा असर डाला है। एक्ट्रेस ने बताया कि कैंसर ने उनपर किस तरह का प्रभाव डाला और कैसे इसके परिणाम स्वरूप वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा- मैं जानती हूं कि शरीर और दिमाग का स्वास्थ्य कैसे आपस में जुड़ा होता है। हीरामंडी' की शूटिंग के दौरान बुरी तरह से डिप्रेशन के जाल में फंसी थी। उस दौरान बस यही लग रहा था कि कैसे भी करके यह वक्त निकल जाए और अपनी सेहत पर ध्यान दिया जाए। मनीषा कोइराला को साल 2012 में ओवरियन कैंसर के बारे में पता चला था। इलाज के दौरान मनीषा ने अपने बाल खो दिए थे। स्टार्टिंग में उन्हें नॉर्मल फूड पॉइजनिंग लगी, जिसके कारण उनका पेट बार-बार फूलता था। उस दौरान उनका वजन भी अचानक कम होने लगा था। एक्ट्रेस ने मुंबई में जब अपना चेकअप करवाया, तो उन्हें कैंसर के बारे में जानकारी हुई। न्यूयॉर्क में उनके कई कीमो सेशन्स हुए, उसके बाद वह ठीक हुई थीं।

वेंकटेश दग्गुबाती की अगली फिल्म के लिए दूसरी हीरोइन की तलाश जारी

वेंकटेश दग्गुबाती की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों अभिनेता राणा नायडू 2 को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में भी कुछ नई जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता एक बार फिर सफल निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर करेंगे। एफ 2 और एफ 3 के बाद वेंकटेश और अनिल रविपुडी इस नई फिल्म के जरिए तीसरी बार साथ काम करेंगे। निर्माता फिल्म का नाम संक्रांति की वस्थुन्नम रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस शीर्षक की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की कहानी तीन मुख्य किरदार के इर्द-गिर्द दिखाई जाएगी, ऐसे में यह साफ है कि फिल्म में वेंकटेश के साथ दो मुख्य नायिकाएं होगीं। ऐसे में निर्माता फिल्म के लिए अभिनेत्री की तलाश में जुटे हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी दोनों में से एक महिला प्रधान भूमिका निभाएंगी। वहीं, अनिल रविपुडी फिलहाल दूसरी मुख्य महिला का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री की तलाश में व्यस्त हैं। वेंकटेश के साथ किस अभिनेत्री को अदाकारी का जलवा बिखेरने का मौका मिलेगा, इस बात का खुलासा जल्द ही हो जाएगा। वहीं फैंस को भी इस बड़ी जानकारी का इंतजार है।

विक्की कौशल-तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज से जुड़ीं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी निजी और व्यावसायिक दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अनन्या जल्द ही शो कॉल मी बे के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। इसी बीच उनके आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित आगामी फिल्म बैड न्यूज से भी जुड़ने की जानकारी सामने आई है। इस रोमांचक खबर ने उनके फैंस के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार, अभिनेत्री अनन्या पांडे आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित आगामी फिल्म बैड न्यूज में एक रोमांचक कैमियो भूमिका के लिए तैयार हो रही हैं। विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क जैसे सितारों के साथ, वह इस स्टार-स्टडेड उद्यम में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 19 जुलाई, 2024 को नाटकीय रिलीज के लिए निर्धारित बैड न्यूज ने कथित तौर पर अनन्या को एक लोकप्रिय फिल्म स्टार के रूप में कास्ट किया है, जिसका तृप्ति डिमरी के किरदार, एक शेफ से आकर्षक संबंध है। अनन्या के हिस्से का फिल्मांकन पहले ही शुरू हो चुका है। फिल्म के उनके हिस्से को पूरा करने के लिए अतिरिक्त शूटिंग 13 मई, 2024 को निर्धारित की गई है। हालांकि बैड न्यूज की सटीक कहानी का खुलासा नहीं किया गया है। पहले की रिपोर्टों में हेटेरोपैटरनल सुपरफेकंडेशन से जुड़ी एक कहानी का संकेत दिया गया था, जो एक दुर्लभ घटना है जहां जुड़वा बच्चों के अलग-अलग पिता होते हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के प्रमुख करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज को टीज करते हुए इसे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अरब में एक बार होने वाली हास्यास्पद स्थिति बताया था। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार आयुष्मान खुराना के साथ ड्रीम गर्ल 2 में नजर आई थीं। अपने बड़े स्क्रीन प्रोजेक्ट्स के अलावा, अनन्या पांडे अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार आगामी सीरीज कॉल मी बे में मुख्य भूमिका के साथ ओटीटी की दुनिया में अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कॉल मी बे के प्रीमियर की तारीख अभी सामने नहीं आई है। की रिलीज़ डेट अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, दर्शक शीघ्र ही दोनों परियोजनाओं पर अपडेट की आशा कर सकते हैं।

द एंटरटेनर्स टूर की मेजबानी करेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार द एंटरटेनर्स टूर की मेजबानी करेंगे, जो इस साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होगा और इसमें शोबिज की दुनिया की कई अन्य हस्तियां शामिल होंगी। पिछला सीजन 2023 में उत्तरी अमेरिका में हुआ था। इस साल यह अगस्त 2024 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाएगा। वर्ल्ड टूर का दूसरा सीजन मेलबर्न और सिडनी में होगा। अक्षय के साथ नोरा फतेही, दिशा पटानी, सुनील ग्रोवर, एलनाज नोरौजी, सोनम बाजवा और स्टेबिन बेन जैसी हस्तियां शामिल होंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की हाल ही में टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े मियां छोटे मियां रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वह जल्द ही सरफिरा, जॉली एलएलबी 3, हाउसफुल 5 और वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे।

प्रभास ने शुरू की कन्नप्पा की शूटिंग

फिल्म निर्माता और साउथ अभिनेता विष्णु मांचू अपनी महत्वकांक्षी परियोजना कन्नप्पा फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कन्नप्पा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले, निर्माताओं ने खुलासा किया कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। वहीं अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है, जो फिल्म के कलाकार प्रभास को लेकर है।

यूं तो प्रभास के किरदार पर कई अपडेट आ चुके हैं, लेकिन अब उनकी शूटिंग के बारे में नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में अक्षय कुमार अपने हिस्सा के दृश्य शूट कर चुके हैं और अब बारी है प्रभास की। प्रभास अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर व्यस्त हैं। अब उन्होंने अपनी दूसरी फिल्म के लिए समय निकाला और कन्नप्पा के शूटिंग सेट पर पहुंच चुके हैं। जी हां, प्रभास अब कन्नप्पा की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। इसकी घोषणा खुद विष्णु मांचू ने की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रभास के लुक को लेकर भी फैंस के साथ बड़ी जानकारी साझा की। विष्णु ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर घोषणा की है कि पैन इंडिया स्टार प्रभास इस पौराणिक फैंटसी ड्रामा की शूटिंग में शामिल हो गए हैं। प्रभास के पैरों को प्रदर्शित करने वाले एक प्री-लुक पोस्टर का अनावरण किया गया। प्रभास के लुक की छोटी सी झलक दी गई है, जिसमें उनके पैरों की झलक है। यह प्रभास के सभी प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छी खबर है। हालांकि, प्रभास की भूमिका के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर चलेंगी एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला फ्रेंच रिवेरा पर 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियम आइसक्रीम ब्रांड मैग्नम इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए रेड कार्पेट पर चलेंगी। शोभिता ने कहा, मैग्नम के साथ अपनी यात्रा को कान फिल्म फेस्टिवल में ले जाना रोमांचक है और ब्रांड के साथ मेरे रिश्ते का प्रतीक भी, जहां हम कई खूबसूरत यादें बनाने के साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। यह अनुभव मेरे लिए आनंददायक है, क्योंकि यह फैशन, फिल्म और फ्लेवर का आदर्श मिश्रण है। इनके अलावा, शोभिता ट्रॉय सिवान और मुरा मासा जैसे सेलिब्रिटीज के साथ आइसक्रीम ब्रांड की एक्सक्लूसिव पार्टी और लाउंज का हिस्सा भी होंगी।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीम पहुंची

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर लोकसभा चुनाव अंतिम चरण में है। चुनाव की सारी तैयारी कर ली गई है। 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को कराने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीम हवेली खड़गपुर पहुंचने लगी है। कड़ी निगरानी के बीच हवेली खड़गपुर में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएगी। इसके लिए प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा रणनीति भी तैयार कर ली गई है। मुंगेर लोकसभा अंतर्गत हवेली खड़गपुर के 11 पंचायत के 88,614 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 47,847 है जबकि महिला मतदाता 40,761 और मंगला मुखी 06 वोटर है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने बताया की हवेली खड़गपुर की 11 पंचायत में से तेलियाडीह नाकी बहिरा अग्रहण बाढौना गोवड्डा बैजलपुर मुढेरी बरुई रतैथा कोडिया पंचायत में मतदान की प्रक्रिया सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगी।

जवेलरी मे दिन दहाड़े लूट

बनियापुर। बनियापुर में दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान में लूट की घटना के बाद दुकानदारों में भय व्याप्त हो गया है। शनिवार को ग्राहक बनकर आये लुटेरों ने बनियापुर में ज्वेलरी दुकान से लगभग एक लाख रुपये मूल्य के आभूषण लूट लिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की गहनता से जांच पड़ताल शुरू कर दी। बताया जाता है कि दोपहर दो बजे के करीब एक ही बाइक पर सवार होकर दो लुटेरे ज्वेलरी दुकान पर आए थे। दोनो लुटेरे इत्मीनान से दुकान में बैठ गए फिर झुमका खरीदने की बात दुकानदार से कही। ग्राहक समझकर दुकानदार ने झुमका दिखाया। लुटेरों ने पायल और फिर कान की बाली भी देखने के लिए मांगी। इसके बाद देखने के लिए मांगी गई सभी आभूषणों को दोनो ने एक झोला में रख लिया। आभूषण को झोले में रखने देख दुकानदार ने विरोध किया। जिसके बाद दोनो ने देशी कट्टा दिखा दुकानदार को भयाक्रांत कर काउंटर में पड़े अन्य आभूषण भी झोले में रख फरार हो गए।

22 मतदान केंद्र अति संवेदनशील

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। जमालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत खड़गपुर प्रखंड के 11 पंचायत में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी अंतिम चरण में पूरी कर ली गई है। जिला मुख्यालय द्वारा मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर विभिन्न पंचायत में नाटक का मंचन किया जा रहा है। कल 90 मतदान केंद्रों पर लोग अपने मत का प्रयोग करेंगे। जिसमें 22 मतदान केंद्र नक्सल प्रभावित इलाके में होने के कारण यहां सुरक्षा व्यवस्था का ठोस इंतजाम किया गया है।

चिकित्सा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। भारतीय ग्रामीण चिकित्सा संघ शाखा हवेली खड़गपुर के संरक्षक मोहम्मद जमाल का निधन हो गया। पैसे का आवाज खाजेचक पहुंचकर लोगों ने श्रद्धांजलि समर्पित किया। श्रद्धांजलि देने वालों में डॉक्टर अखिलेश कुमार संघ के शाखा अध्यक्ष सुरेश कुमार सचिव मोहम्मद रजि आलम जिला उपाध्यक्ष अवधेश कुमार मनोज कुमार रुपेश रंजन ललन कुमार स्वदेश कुमार गुप्ता दयानंद निराला सहित अन्य लोग शामिल थे।

वारंटी गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। खड़कपुर पुलिस ने कोर्ट से संबंधित एक मामले में वारंटी सौरभ कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसकी पुष्टि थाना अध्यक्ष ने की है।

मारपीट में महिला जख्मी

असरगंज (मुंगेर) थाना क्षेत्र ने विशनपुर गांव में बच्चों के विवाद में हुई मारपीट में महिला फरजाना खान गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया डॉक्टर प्रेमलता कुमारी ने बेहतर इलाज के लिए उसे भागलपुर रेफर कर दिया।

सात मोबाइल के साथ चोर गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुरगंज हाट के समीप सात मोबाइल के साथ संदीप राजू बिन्द को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष ने बताया की गस्ती के दौरान मुजफ्फरपुर गंज हाट के समीप पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा। उसे खदेड़कर जब पकड़ा गया और तलाशी लिया गया तो उसके पास से सात मोबाइल बरामद किया गया है। मोबाइल चोरी का लगता है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कारा बंदियों को दिया जा रहा है उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण: डीएम

भागलपुर। शहीद जुब्बा सहनी केन्द्रीय कारा, भागलपुर एवं महिला मंडल कारा भागलपुर के प्रांगण में यूको आरसेटी भागलपुर द्वारा छः दिवसीय सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ्भ किया गया। प्रशिक्षण की शुरूआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक यूको आरसेटी के आनंद कुमार सिंह, कारा अधीक्षक, युसूफ रिजवान, उपाधीक्षक अशोक कुमार सिंह, सहायक अधीक्षक सह बंदी कल्याण पदाधिकारी पूजा कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

केंद्र में सरकार बनी तो 500 रु में गैस सिलेंडर 200 यूनिट बिजली फ्री एवं एक करोड़ लोगों को नौकरी : तेजस्वी यादव

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर /बारियापुर (मुंगेर)। मध्य विद्यालय महादेवा के मैदान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सह प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने हुंकार भरते हुए कहा कि केंद्र में यदि महागठबंधन की सरकार बनी तो 500 रुपया में गैस सिलेंडर 200 यूनिट बिजली फ्री एवं एक करोड़ लोगोंको नौकरी दी जाएगी । महादेवा के मैदान पर कड़ी धूप के बावजूद हजारों की संख्या में तेजस्वी यादव एवं मुकेश सहनी के भाषण सुनने के लिए एकत्रित हुए थे हेलीकॉप्टर स तेजस्वी यादव एवं मुकेश साहनी के उतरते ही राष्ट्रीय जनता दल एवं लालटेन छाप जिंदाबाद के नारे से पुरा मैदान गूंज रहा था तेजस्वी ने कहा नीतीश कुमार कहते थे की शिक्षक की बहाली कर आप के घरसे पैसे ला कर देगा लेकिन मैंने 5 लाख लोगों से ज्यादा को शिक्षक का नौकरी देने का काम किया और 3 लाखका अनुशंसा किया स्वास्थ्य विभाग में लगातार छापेमारी कर उसे सुधारने का काम किया जाति आधारित गणना करवाया रक्षाबंधन में प्रतिवर्ष हर बहन के खाते में एक लाख रुपया देने का काम करूंगा मुझे जनता की पीड़ा है डॉक्टर ने बेड रेस्ट कहा है उसके बावजूद कमर में बेल्ट लगाकर आप लोगोंसे मिलने आया हु अगर केंद्र में महा गठबंधन की सरकार बनती है तो गरीबों का ध्यान रखते हुए 5 सौ रुपया में गैस सिलेंडर दिया जाएगा 200 यूनिट प्रतिमा बिजली फ्री रहेगी अग्नि वीर योजना को समाप्त किया जाएगा बेरोजगारी दूर करने के लिए 01 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा मैं बिहार में मात्र 17 महीना के कार्यकाल में 5 लाख युवाओं को रोजगार देने का काम किया एनडीए गठबंधन धर्म केनाम पर मंदिरके नाम पर मस्जिद के नाम पर आपस में लड़ाई करवा कर वोट लेना जानती है इसलिए उससे दूर रहे महा गठबंधन के अतिपिछड़ा समाज समाज से राजद प्रत्याशी कुमारी अनिता को अपना एक-एक मत देते हुए अपार बहुमत से जीताने का काम करें मुकेश सहनी ने कहा एनडीए की सरकारने आरक्षण के नाम पर अति पिछड़ा समाज के साथ अन्याय किया।

जिस कारण मैंने एनडीए गठबंधन से अपना नाता तोड़कर अतिपिछड़ा समाज के राजद प्रत्याशी कुमारी अनिता को जीतने के लिए आप लोगों के बीच आया हूं राजद प्रत्याशी कुमारी अनिता ने कहा मैं अति पिछड़ा समाज से अतिपिछड़ा समाज के दर्द को बखूबी समझती हूं मेरे लिए पिछड़ा अति पिछड़ा दलित महादलित सबों का सम्मान करते सबों के विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहूंगी युवाओं के शिक्षा एवं रोजगार के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहूंगी मंच पर कांग्रेस विधायक अजय सिंह राजद नेता एवं पूर्व मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव पूर्व विधायक का बीमा भरती राजद नेता अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव राजद जिला अध्यक्ष त्रिलोकी शर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष देवकीनंदन राजद प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार धानुक उत्थान संघ के बिट्टू कुमार सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे।

ताला तोड़कर गोदाम में रखा गेहूं व मकई अनाज की ढाई सौ बोरी अज्ञात चोरों ने उड़ाया

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। इन दिनों पुलिस जिला के बिहपुर थाना क्षेत्र इलाके में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। चोर गिरोह का हौसला इतना बुलंद है कि खुलेआम पुलिस को चुनौती दे अपने मंसूबों को अंजाम देने के साथ मौके से निकलने में सफल हो जाते हैं, चोरों का कही भी योजनाबद्ध तरीके से खुलेआम अपने कारनामों को अंजाम दे पुलिस को धत्ता बता निलकलने में सफल हो रहे हैं। इसी कड़ी में एक और घटना बिहपुर एनएच 31 बिहपुर चौक के समीप से निकल कर सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि स्थानीय हरियो जाने वाली सड़क किनारे स्थित एक मकई व्यवसाई के गोदाम में खुलेआम अज्ञात चोरों ने गेट का ताला तोड़कर अपना हाथ साफ कर गेहूं और मकई की ढाई सौ बोरी का पैकेट ले उड़ा है। वही दूसरी तरफ घटना की जानकारी तब हुई जब मकई व्यवसाई सुबह जब अपने गोदाम पर पहुंचे थे। मामले को लेकर पीड़ित मकई व्यवसाई हरियो गांव के बिट्टू कुमार पिता सुभाष साह ने बताया कि गोदाम में किसान से खरीदा हुआ मकई-गेहूं की पांच सौ बोरियां रखा गया था। जब गोदाम पहुंचा तो सारा का सारा यत्र-तत्र बिखरा पड़ा हुआ था। वही गेट में लगा ताला भी टूटा हुआ गोदाम के समीप ही फेंका हुआ मिला है। जिसके बाद चोरी की घटना को लेकर मकई व्यवसाई बिट्टू कुमार ने बिहपुर थाना में लिखित आवेंदन देकर अज्ञात चोर के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। उन्होंने आवेंदन में लिखा है कि महेश्वरी सिंह के गोदाम में रखा एक सौ बोरियां गेहूं और डेढ़ सौ बोरियां मकई, जिसकी कीमत तीन लाख से भी अधिक है, जिसे अज्ञात चोरों ने योजनाबद्ध तरीके से रात्रि के अंधेरे में गायब करने में सफल हो गया है। वही पीड़ित किसान ने स्थानीय बिहपुर थाना पुलिस से चोरी हुए अनाज की बरामदगी की गुहार लगाई है। जिसे लेकर बिहपुर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि आवेंदन मिला है गोदाम में हुई चोरी घटना का जल्द ही खुलासा होगा। जिसके लिए पुलिस टीम द्वारा घटना की जांच में जुट गई है।

शहर को खूबसूरत बनाने को लेकर हुई बैठक : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी की उपस्थिति में नगर निगम भागलपुर एवं शहर के प्रमुख चौक-चौराहों के स्थानीय नागरिकों के साथ संयुक्त रूप से शहर को खूबसूरत एवं आकर्षक बनाने, व जाम से मुक्त रखने के अलावा सभी भवनों के बाहरी दीवार को एक रंग में पेंट करवाने को लेकर समीक्षा भवन में बैठक आयोजित की गई। इस क्रम में जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भागलपुर शहर को इंदौर, जयपुर, दार्जिलिंग एवं सिलीगुड़ी की तरह स्वच्छ एवं आकर्षक बनाया जा सकता है, इसके लिए केवल हमें अपनी मानसिकता को बदलनी होगी। हमारी मानसिकता बन गई है कि साफ-सफाई करने का काम प्रशासन व सरकार का है। जब तक शहर के सभी लोग अपने शहर को स्वच्छ और साफ रखने की मानसिकता नहीं रखेंगे, तब तक यह संभव नहीं हो सकता है।

वही उन्होंने भागलपुर के तिलकामांझी चौक सहित कई प्रमुख चौक का उदाहरण दिया और बताया कि वहां कितनी गंदगी रहती है। वहां के आसपास के धार्मिक स्थल के साथ स्थानीय घरों की दीवारें भी देखने में उदास लगता है। वही पर्याप्त जगह रहने के बावजूद दुकानदार अपनी दुकान सड़क तक लगते हुए नजर आते है। वही दुकान के समान की गुणवत्ता यादी अच्छी रहेगी तो वह कहीं भी चलेगा। वही उन्होंने कहा कि यदि मानसिकता अगर गलत हो तो भी दुकान सड़क पर लगाने से नहीं चलेगी, लेकिन हमारी मानसिकता बन गई है कि जो दुकान सड़क पर लगती है, वही ज्यादा चलती है। साथ ही चौक-चौराहा के समीप जिनके भी घर हैं, यदि वे सभी अपने घर के बाहरी दीवार को एक रंग से पेंट करवा लें, तो कितना सुंदर लगेगा, ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने का भी मन करेगा। जब हम अपने परिवार के साथ निकलते हैं या हमारे बच्चे स्कूल आने-जाने के क्रम में जाम में फंसते हैं, तो हमें कितना बुरा लगता है। उनके पूछने पर की जाम की समस्या दूर होनी चाहिए कि नहीं बैठक में शामिल सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि समस्या दूर होनी चाहिए।

वही उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं आपकी रोजी-रोटी चलती रहे, लेकिन दुकान बीच चौक पर न लगाकर कुछ दूर हट कर पीछे लगाइए, जहां पर्याप्त जगह हो, इसके लिए हमने शहर के सौंदर्यीकरण की योजना बनाई है। आगामी कुछ समय में भागलपुर में नगर वन बनाया जाएगा, इसके लिए स्थानीय सैंडिस कंपाउंड मैदान को और सुंदर और विकसित किया जाएगा। जहां भी सड़क ऊबड़ खाबड़ है उसे ठीक किया जाएगा, लेकिन इसमें हमे शहर के सभी लोगों के सहयोग की जरूरत है।

इसी दौरान नगर आयुक्त नितिन कुमार सिंह ने कहा कि भागलपुर नगर निगम द्वारा जितने भी चौक हैं, जहां महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित कर लगी हुई है उनका सौंदर्यीकरण करने की योजना है, साथ ही उल्टा पुल के नीचे पिलर एवं सीकर डालकर ठेला भेंडर वालों को शिफ्ट करने की भी योजना बनाई है। वही कुछ लोगों ने कहा कि मेरी दुकान के सामने जो दुकान लगता है उसे कहने पर भी वह नहीं हटता है। जिस पर जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को वैसे दुकानदारों की वीडियोग्राफी कराकर वहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही जिलाधिकारी के अपील पर नागरिक विकास समिति के सत्यनारायण प्रसाद के नेतृत्व में भवनों को पेंट करवाने हेतु एक रंग का चयन करने हेतु एक पांच सदस्यीय समिति बनाई गई है। जिसमें अशोक बाजोरिया, श्रवण बाजोरिया, डॉ. आमिर रहमान एवं लाइंस क्लब के अध्यक्ष शामिल हैं। वही गठित समिति द्वारा चौक चौराहों के पास के भवनों को किसी खास रंग से वहां के भवन मालिक के माध्यम से पेंट कराने हेतु पेंट का एक कलर चयन कर 11 मई तक नगर आयुक्त को अवगत कराया जाएगा की बात कही गई है। वही नगर आयुक्त को भी नए भवनों के बाहरी दीवारों को चयनित रंग से पेंट कराने हेतु नक्शा पास करवाने वाले भवनों के मालिकों को निर्देशित करने हेतु निर्देश दिया गया है। इस दौरान शहर के नागरिकों ने कहा कि चयनित पेंट से सर्वप्रथम वैरायटी चौक एवं स्टेशन चौक के पास के भवनों की पेंटिंग करवाई जाएगी। जिसे लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी 12 जून से मानसून प्रारंभ हो जाएगा। इसलिए आगामी 19 मई तक वैरायटी चौक एवं स्टेशन चौक की पास के भवनों की पेंटिंग हो जाए एवं मई के अंत तक सभी चौक चौराहों के समीप के भवनों की पेंटिंग करवा लिया जाए के निर्देश दिये। इस मौके पर संयुक्त निदेशक जनसंपर्क नागेंद्र कुमार गुप्ता मौजूद रहे थे।

जमीन पर अवैध कब्जा किये जाने के मामले को लेकर न्याय की गुहार ले बुजुर्ग पहुंचा एसएसपी कार्यालय

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर इन दिनों जिले भर के थाना क्षेत्र इलाके में जमीन कब्जा करने के दर्जनों मामले सामने आए हैं। इसी कड़ी में एक और मामला नाथनगर थाना क्षेत्र इलाके से उभर कर सामने आया है, जहां एक पीड़ित बुजुर्ग अपने जमीन पर इलाके के दबंग लोगों के द्वारा अवैध कब्जा किये जाने के मामले को लेकर न्याय की गुहार लगाने कई बरीय अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। वही मामले को लेकर नाथनगर थाना परिक्षेत्र के राघोपुर गांव के बुजुर्ग अजय मंडल अपनी गुहार ले आज एसएसपी कार्यालय प्रांगण में पहुंचा है। जहां उन्होंने कहा कि हमारे पैतृक संपत्ति पर बदमाशों का पहले से नजर है, उक्त जमीन का जिला निबंधन कार्यालय में मेरे नाम से जमाबंदी भी है फिर भी हमारे ही गांव के विनोद मंडल, सुबोध मंडल, कारु मंडल एवं अन्य व्यक्ति के द्वारा जबरदस्ती हमारे जमीन को दखल कब्जा करना चाहते हैं, इसको लेकर जब नाथनगर थाना पहुंचे तो वहां से हमें डांट फटकार कर भगा दिया गया। इसके बाद हम एसएसपी साहब के कार्यालय में अपना आवेदन दे न्याय की गुहार लगाने आए हैं। वही अब देखने वाली बात होगी कि क्या जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक हमारे जमीन पर हमें कब्जा दिला पाते हैं या नही इस सवाल खड़े कर आम ग्रामीणों के बीच न्याय व्यवस्था को लेकर चर्चा का विषय बना चल रहा है।

वेस्ट सामानों से बनाया चाय का कप : रितेश

प्रात : किरण बसंत कुमार

भागलपुर। हमारे बीच प्रकृति के द्वारा दिए गए कोई भी सामग्री इस धरती पर वेस्ट नहीं है। इस वेस्ट सामानो को सदुपयोग में लाने के लिए एक बेहतरीन तरीके से इस्तेमाल करने का एक उदाहरण पेश कर उसे जमीनी स्तर पर लोगों के बीच अपने व्यवसाय के क्षेत्र में इस्तेमाल करने का एक विषय व अत्याधुनिक तरीके से तैयार एक बेहतरीन व्यापारी के रूप में कई लोगों ने खुद को बेहतर साबित कर दिखाया है। इसी कड़ी में नवगछिया के रहने वाले किसान के एक बेटे के रितेश कुमार ने अपने दृढ़ संकल्प के साथ अपने बुलंद हौसले के साथ खुद को बेहतर साबित करने की मिसाल पेश किया है। रितेश ने वेस्ट सामानों को ऐसा बेस्ट बना दिया कि लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल रितेश वेस्ट चीजों से चाय पीने वाला कप तैयार कर रहा है, और इस कप को लोग पसंद भी काफी कर रहे हैं। दाम कम होने की वजह से अच्छी खासी डिमांड स्थानीय बाजारों में भी यह ज्यादा प्रचलित हो रही हैं वही उसके बनाये कप की डिमांड को बेहतरीन डिजाइन के साथ भारी संख्या में बाजारों में भी आ चुकी है। इस कप को लेकर जब रितेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इसको हम कई वेस्ट मटेरियल से तैयार करते हैं, इसे मैने गन्ना के बचे वेस्ट मटेरियल से तैयार किया है, साथ ही इसमें चावल के बचे वेस्ट मटेरियल, लकड़ी की कुन्नी, मौसंबी का छिलका, केला का पत्ता, केला का थंब समेत कई चीजों को मिलाकर इस कप को तैयार किया गया है। यह देखने में काफी खूबसूरत लगता है, और सबसे खास बात यह है कि लोग जब गन्ने के बने कप में चाय पीते हैं तो उसकी मिठास दोगुनी हो जाती है। इसका कारण है कि गन्ना पहले से मीठा होता है, और उसमें जब चाय रहता है तो उसकी मिठास और बढ़ जाती है। इसलिए लोगों को यह कप काफी पसंद आ रहा है। साथ ही रितेश ने बताया कि हम अपने दोस्त के साथ मिलकर जब पढ़ाई किया करते थे, तो एक दोस्त ने लाइब्रेरी खोल लिया और वह हर हमेशा एक ही बात बोलता था कि देखो हम कुछ कर रहे हैं, तुम कुछ क्यों नहीं करते हो इस बात से परेशान होकर मैंने युटुब पर सर्च करना शुरू किया तो मुझे इस कप के बारे में पता चला और उसमें दिखाए गए तकनीक आइडिया भी काफी पसंद आया और तभी मैं इस कप को बनाना शुरू कर दिया था। वही उन्होंने बताया कि अभी यह बिहार समेत तीन राज्यों में यहां का कप जाता है, वही अन्य राज्यों में मध्य प्रदेश, उड़ीसा व बिहार में इस कप की काफी डिमांड बड़ गई है। उसने बताया कि सबसे खास बात है कि आज के समय में यह 1 रुपये के कप आम लोगों के बीच उपलब्ध हो जाता है। ये कम बड़ी बात नहीं है, जो काबिले तारीफ है। ऐसे सोच व हुनर को लेकर आज अपने लोगों के बीच रितेश एक मिसाल बन गया है।

कार्यालय दुरुस्त हेतू कार्रवाई को लेकर हुई समीक्षा : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी के द्वारा जारी आदेश के आलोक में विगत 7 मई से चल रहे प्रखंड स्तर कार्यालयों की साफ-सफाई कर स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने की कार्रवाई की दिशा में कार्यालय सौन्दर्यकरण को लेकर सरकार के निदेर्शानुसार सभी वांछित पंजी के संधारण की कार्रवाई की ऑनलाइन समीक्षा की गई थी। वही समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा था कि प्रखंड स्तरीय कार्यालय में साफ-सफाई हर हाल में 10 मई की संध्या तक हो जानी चाहिए। जिसे लेकर जिले के सभी बीडीओ एवं सीओ की संयुक्त रूप से अपने प्रखंड के सभी कार्यालय में जाकर इसे देख लेंने के निर्देश दिये गए थे। साथ ही उन्होंने कहा था कि जिला से अग्रेतर कार्रवाई हेतु प्रखंडों में पत्र भेजे जाते हैं, यह पत्र खासकर बीडीओ, सीओ एवं सीडीपीओ के नाम से ही भेजे जाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की अन्य पदाधिकारी को वह काम नहीं करना है। वही बीडीओ प्रखंड स्तरीय किसी भी पदाधिकारी को कोई भी जिम्मेदारी दे सकते हैं। इसी क्रम में उन्होंने यह भी कहा था कि अब जिला स्तर से पदाधिकारीयों का भ्रमण प्रखंडों में होगा, भ्रमण नियमित या अकस्मात हो सकता है, वें जाकर कार्यालय की कार्य पद्धति जांच कर देखेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रखंड के सभी पंचायत स्तरीय पर कोई भी कर्मी या पदाधिकारी यदि काम नहीं करता है तो उसकी सूची जिला को उपलब्ध कराई जाए ताकि उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके।

वही आगामी जून में तबादले के दौरान ऐसे कर्मियों को ध्यान में रखा जाएगा। वही उन्होंने कहा था कि कार्य करने से पहले उस कार्य की योजना बना लेनी चाहिए, इससे कार्य बेहतर होता है। यदि किसी पदाधिकारी को निरीक्षण के दौरान किसी कार्यालय में साफ-सफाई या किसी पंजी का संधारण मुकम्मल नहीं पाया गया तो वहां के प्रधान सहायक और संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कही गई थी। वही संबंधित अंचलों में दाखिल खारिज, जमाबंदी सुधार एवं एलपीसी के मामले के लंबित प्रकरण में चल रहे हैं। जिसे लेकर संबंधित कर्मचारियों को अंचल में बुलाकर सीओ द्वारा उसकी समीक्षा करने आदेश जारी कर दिये गए थे और लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन कराये जाने के निर्देश भी दिये गए थे। साथ ही पंचायत सरकार भवन के लिए आवंटित कई जमीन को लेकर भी कई सुझाव दिए गए थे, जिसे लेकर अब उक्त जमीन को लेकर उपयुक्त नहीं बताया जा रहा है, इससे संबंधित मामले को चार से पांच दिन में निपटारा हेतू निर्देशित किया गया साथ ही स्वच्छता प्रेक्षक, पंचायत सेवक, पंचायत सचिव, विकास मित्र के कार्यो की समीक्षा की बात कही गई थी। वही प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय कर्मियों से विगत 10 दिनों में किए गए कार्य से संबंधित प्रतिवेदन प्राप्त किये जाने हेतू निर्देश दिये गए थे। इसके लिए संबंधित पदाधिकारी को एक प्रपत्र डिजाइन करने को निर्देश दिए गए थे। विकास मित्र विगत महीने में क्या कार्य किया गया है, उक्त संबंधित प्रखंड कल्याण पदाधिकारी द्वारा उस कार्यो की पूरी समीक्षा करें की बात कही गई थी। वही जिलाधिकारी ने आगामी 15 मई तक प्रखंड स्तर के लंबित सभी कार्यो को निष्पादित करने एवं कार्यालय को दुरुस्त कर लेने का निर्देश दिया गया था। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा था कि किसी प्रखंड में कोई भी दुर्घटना होती है तो सिविल पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच जरूर अवलोकन करें, खासकर एक से अधिक मृतक के मामले में घटना स्थल पर तुरंत पहुंचे, यह सिविल पदाधिकारी की पहली प्राथमिकता होगी की बात कही गई है। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाना, मृतकों के शव काइनक्वेस्ट करना तथा पोस्टमार्टम कराना, यह सिविल पदाधिकारी की प्राथमिकता सूची में शामिल है। इसलिए कहीं भी दुर्घटना होती है तो एसडीओ व एसडीपीओ त्वरित संबंधित स्थल पर मूव करें। वही संबंधित इलाके के बीडीओ एवं सीओ सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे इस बात को लेकर भी जोड़ दिया गया है। इस मौके पर उप विकास आयुक्त कुमार अनुराग, एडीएम पीजीआरओ, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, संयुक्त निदेशक जन संपर्क एवं अन्य पदाधिकारी ओन लाइन मौजूद रहे थे।

निर्वाचन में प्रत्याशी कर रहे है अपने अपने जीत के दावे : अधिवक्ता

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जिला विधिक संघ के निर्वाचन को लेकर 11 पदों पर चुनाव संपन्न होना सुनिश्चित है। इसके लिए तमाम विधिक प्रतायाशियों ने अपनी अपनी नमांकन पर्चा दाखिल कर दिया है। वही निवर्तमान डीबीए के महासचिव विमल कुमार विमल और भोला मंडल के बीच सीधी टक्कर होना मानी जा रही है, जबकि महासचिव पद के लिए अधिवक्ता अंजनी दुबे भी अबकी बार चुनावी मैदान में उतर गये हैं। इसी कड़ी में अधिवक्ता सह सचिव पद के प्रत्याशी अंजनी दुबे के द्वारा प्रेसवार्ता आयोजित कर उन्होंने महासचिव पद को लेकर अपनी दावेदारी को लेकर जीत हासिल करने के लिए सुनिश्चित कर ली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर विधिक अधिवक्ताओं का उन्हें समर्थन प्राप्त हुआ तो वह निश्चित रूप से अपनी जीत हासिल कर पूरे जिला विधिक संघ के रूपरेखा में बड़ा बदल कर देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम विधिक अधिवक्ताओं के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी को लेकर आवाज उठाएंगे, जिसके बाद न्यायालय प्रांगण सहित बाहरी इलाके में बैठे अधिवक्ता के बीच पेयजल व बैठने को लेकर व्यवस्था मुहैया कराने की मांग व सुलभ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित हो इसको लेकर चौमुखी स्तर पर आवाज उठाएंगे। इस मौके पर उनके कई समर्थक अधिवक्ता मौजूद थे।

3.5 लाख लूटकांड में शामिल और तीन अपराधकर्मी चढ़ा पुलिस के हत्थे : एसडीपीओ

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। विगत दिनों हुई लूटकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। मामले की जानकारी को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओमप्रकाश ने अपने कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के क्रम में जानकारी साझा करते हुए कहा कि लूटकांड का सफल उद्भेदन पुलिस टीम द्वारा किया गया है। ज्ञात हो कि विगत 11 जनवरी की संध्या करीब पांच बजे नवगछिया थाना अंतर्गत श्रीपुर रिंग बांध के समीप एक बाइक पर सवार तीन अपराधकर्मियों के द्वारा एसबीआई नवगछिया शाखा से 3.5 लाख रुपया निकासी कर अपने घर वापसी के क्रम में सीएसपी संचालक को बीच रास्ते में रोक हथियार का भय दिखाकर रुपये से भरा बैग छिनतई की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के संबंध में पीड़ित सीएसपी संचालक के द्वारा नवगछिया थाना पुलिस को सूचना दी गई थी। जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंच घटना की जांच के बाद पीड़ित द्वारा दिये आवेदन के आधार पर कांड दर्ज किया गया था। उक्त लूटकांड को गंभीरता से लेते हुए नवगछिया पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई व अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्यवाई का निर्देश दिये गये थे। उक्त जारी आदेश के आलोक में विशेष टीम में थानाध्यक्ष नवगछिया, खरीक, ढोलबज्जा एवं डीआईयू टीम नवगछिया को शामिल किया गया था। वही गठित टीम के द्वारा तकनीकी व मानवीय अनुसंधान के क्रम में घटना में शामिल अप्राथमिकी अभियुक्त ढोलबज्जा थाना क्षेत्र के ढोलबज्जा बाजार के राजेश कुमार पिता सरयुग शर्मा, कदवा थाना क्षेत्र के पचगछिया टोला कदवा निवासी पप्पू कुमार पिता स्व. सत्यनारायण प्रसाद सिंह और पूर्णिया जिला के मोहनपुर थाना क्षेत्र के शांतिनगर के दिलीप कुमार पिता अशोक महतो को लूटी गई रकम में कुल 45 हजार रुपया के साथ गिरफ्तार किया गया है। साथ ही एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया कि इन गिरफ्तार तीनो अपराधकर्मियों के विरुद्ध लूट की योजना बनाने एवं रेकी करने की संलिप्तता पाई गई है। वही पूर्व में इस कांड के अन्य अभियुक्तों को लूट छिनतई की रकम में से कुल 1 लाख 58 हजार रूपए की बरामदगी के साथ खरीक थाना पुलिस के द्वारा विगत 7 मई को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। वही मामले के फरार अन्य अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है।

समस्याओं पर सुधार लाने को लेकर एकजुट हुए व्यवसायी

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। इन दिनों जिले भर के शहरी इलाके में कई तरह की समस्याओं से लोग जूझ रहे हैं, साथ ही व्यवसाय के क्षेत्र में भी आयी कई तरह की व्यापारिक समस्याओं को लेकर व्यवसायिक लोगों को काफी परेशानियों से जूझते नजर आ रहे हैं। वही कई व्यापारियों को अपने व्यवसाय को लेकर काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में कई महत्वपूर्ण बिंदू को लेकर ईस्टन बिहार चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभी पदाधिकारी व कर्मी एकजुट होकर एक बैठक की। इसी क्रम में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि शहरी व्यापारी के बीच उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर एक विकल्प तैयार कर व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए त्रिकोणीय रणनीति तैयार करने के साथ जल्द से जल्द निदान किया जाएगा। इस विषय बिंदू को लेकर व्यवसाय प्रकोष्ठ के सदस्यों ने कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा के साथ वार्ता की। वही इस बैठक में पूर्वी बिहार ऑफ चैंबर कॉमर्स के कई पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सरवन कुमार बाजोरिया ने की। इस मौके पर व्यवसासियों व सदस्यों की काफी तादाद में भीड़ मौजूद रही थी।

भारत की स्टार पहलवान बेटी निशा दाहिया ने आखिरी मोमेंट पर पलटी बाजी

भारत को दिलाया ओलिंपिक कोटा

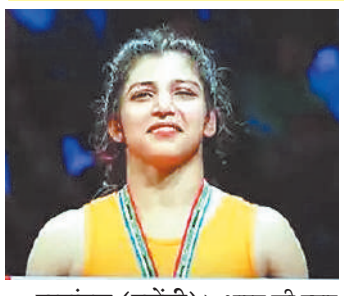

इस्तांबुल (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान निशा दहिया विश्व ओलिंपिक क्वॉलिफायर में 68 किग्रा सेमीफाइनल में रोमानिया की एलेक्सांद्रा अनघेल को हराने के बाद पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने वाली पांचवीं भारतीय महिला पहलवान बन गईं। यह पहली बार होगा जब हर चार साल में होने वाली प्रतियोगिता में भारत की पांच महिला पहलवान शामिल होंगी। निशा ने इससे पहले बेलारूस की युवा अलिना शाउचुक को 3-0 से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनायी।

फिर इस 25 साल की पहलवान ने चेक गणराज्य की कई यूरोपीय चैम्पियनशिप पदक विजेता एडेला हानजलिकोवा को 7-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। विश्व अंडर-23 कांस्य पदक विजेता और एशियाई चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता निशा ने 58वीं रैंकिंग की पहलवान के खिलाफ पहले पीरियड में 8-0 की बड़ी बढ़त बना ली थी। अगर वह इसमें जीत जातीं तो वह पेरिस कोटा हासिल करने वाली देश की पांचवीं महिला पहलवान बन जाती।

मानसी (62 किग्रा) प्री क्वॉर्टर फाइनल में बेलारूस की प्रतिद्वंद्वी वेरानिका इवानोवा से हार गईं। हालांकि, वह रेपेशाज से कांस्य पदक के दौर में जगह बना सकती हैं और ओलिंपिक कोटा जीतने की उम्मीद कर सकती हैं लेकिन इसके लिए वेरानिका को फाइनल में पहुंचना होगा। भारत की चार महिला पहलवानों ने पहले ही ओलिंपिक कोटा हासिल कर लिया है जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) शामिल हैं।

रोहित शर्मा की बातचीत का 'वीडियो लीक', राज खुलते देख केकेआर ने हटाया

मेरा मंदिर है वो, मेरा तो आखिरी है...

मैच से पहले पुराने यार अभिषेक नायर और रोहित शर्मा मिले

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2024 का एक अहम मुकाबला कोलकाता में कोलकाता नाइटराइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच होना है। इसके लिए दोनों टीमें जब स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही थीं तो मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा कोलकाता के कोच और अपने पुराने दोस्त अभिषेक नायर से मिले। इस दौरान दोनों के बीच जो बातचीत हुई उसने मुंबई इंडियंस के सारे राज खोल दिए। बता दें कि 2024 संस्करण से ठीक पहले जब पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने घोषणा की कि वे रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बना रहे हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी का यह दांव सफल नहीं रहा।

हार्दिक पंड्या के कप्तान बनने के बाद मुंबई इंडियंस बेहाल – यह कदम मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका था और वे रोहित के समर्थन में स्टेडियम में उमड़ पड़े। उनका नाम लेकर नारे लगाने लगे। यहां तक कि पंड्या का भी जोरदार मजाक उड़ाया। पंड्या के प्रति नफरत इतनी बढ़ गई थी कि जब मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले टॉस के लिए मुंबई इंडियंस के कप्तान आए थे पूर्व क्रिकेटर से कॉमेंटेटर बने संजय मांजरेकर को प्रशंसकों से अच्छा व्यवहार करने की सलाह देनी पड़ी।

मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 प्लेऑफ से हो चुकी है आउट – मुंबई इंडियंस का पतन इतना अधिक हुआ है कि वे 12 में से 8 मैच हारकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है और अब अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। पंड्या की कप्तानी सवालों के घेरे में रही है और पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके रवैये और अव्यवस्थित निर्णयों के लिए उनकी आलोचना की गई है। अब शनिवार को ईडन गार्डंस में कोलकाता नाइटराइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले मैच से पहले एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें रोहित शर्मा को केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर से बात करते देखा जा सकता है।

अभिषेक नायर से रोहित शर्मा ने बातचीत में खोले राज – रोहित के लिए प्रशंसकों द्वारा लगातार जयकारे लगाने के कारण वीडियो में शोर स्पष्ट नहीं है, लेकिन उन्हें बहुत कुछ राज खोलते सुना जा सकता है। रोहित बातचीत में कहते हैं- एक एक चीज चेंज हो रहा है (टीम में बहुत कुछ बदल गया है)... वो उनके ऊपर है... जो भी है वो मेरा घर है भाई (मुंबई इंडियंस मेरा घर है), वो मंदिर जो है ना मैंने बनवाया है (मुंबई को 5 बार चैंपियन बनाया)। चैट में सुनाई देने वाली अंतिम पंक्ति है- भाई मेरा क्या मेरा तो ये आखिरी है।

प्लेऑफ की रेस में दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका, ऋषभ पंत पर लगा बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024।में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। पंत अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आगामी मैच में दिखाई नहीं देंगे। यह तीसरी बार है जब पंत पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। पहले दो अपराधों के लिए उन पर जुर्माना लगाया गया था, लेकिन डीसी द्वारा मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीसरी बार आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के बाद पंत को एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है।

आईपीएल ने फैसले की घोषणा करते हुए आधिकारिक बयान जारी किया जिसमें लिखा था, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 07 मई 2024 को अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है और एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने मैच 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखी थी। न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया और एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया। बयान में कहा गया, प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों सहित इम्पैक्ट प्लेयर पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 8 के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स ने मैच रेफरी के फैसले को चुनौती देते हुए अपील दायर की। इसके बाद अपील को समीक्षा के लिए बीसीसीआई लोकपाल के पास भेजा गया। लोकपाल ने एक आभासी सुनवाई की और पुष्टि की कि मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले मंगलवार को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला खेला और प्लेऑफ में जगह पक्की करने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखते हुए 20 रन से जीत हासिल की थी।

पंत के बैन से अब दिल्ली का क्या होगा – इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम प्लेऑफ की रेस में फिलहाल बरकरार है। दिल्ली की टीम अब तक कुल 12 मैच खेल चुकी है जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल कर कुल 12 अंक जुटाए हैं। टीम के पास अभी मौका है कि वह 16 अंक तक पहुंचे लेकिन उसके लिए उसे अपने दोनों ही मैच में जीत हासिल करनी होगी। सिर्फ जीत ही नहीं, दिल्ली को अपने रनरेट को भी बेहतर करना होगा। ऐसे में अगर कप्तान ऋषभ पंत टीम के 13वें मैच में मैदान पर नहीं उतरते हैं तो ना सिर्फ इसका असर बल्लेबाजी में पड़ेगा बल्कि कप्तानी और विकेटकीपिंग में भी टीम को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। दिल्ली की टीम के लिए इस सीजन की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी, लेकिन कप्तान ऋषभ पंत की कप्तानी और बैटिंग के कारण टीम जीत की पटरी पर लौटी थी। ऐसे में पंत की कमी से टीम को एक बड़ा नुकसान हो सकता है।

आरसीबी के साथ है टीम का अगला मैच – दिल्ली कैपिटल्स का अगला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ है। यह मैच आरसीबी के होमग्राउंड एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मैदान पर खूब चौके और छक्के लगते हैं। वहीं दिल्ली की गेंदबाजी की बात करें तो इस सीजन में बहुत खराब रही है। ऐसे में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

प्लेआफ में पहुंच सकता है गुजरात, चमत्कार होते हैं, जीत के बाद बोले शुभमन गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को उम्मीद है कि उनकी टीम आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाएगी हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हराने के बावजूद उसके लिए राह आसान नहीं है। गुजरात 12 मैचों में 10 अंक लेकर आठवें और चेन्नई 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। गिल ने कहा, 'हमारी क्वालीफाई करने की संभावना 0.1 या 1 प्रतिशत है। हम सभी को लगता है कि हम अभी भी प्लेऑफ में जगह बना सकते हैं। उन्होंने कहा, 'क्योंकि मैने देखा है कि इस टीम ने चमत्कर किए हैं और हम फिर कर सकते हैं। चेन्नई के खिलाफ शतक जमाकर टीम को तीन विकेट पर 231 रन तक पहुंचाने वाले गिल का मानना है कि उनकी टीम कुछ रन पीछे रह गई। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि हम 10-25 रन पीछे रह गए। एक समय 15 ओवर में बिना किसी नुकसान के स्कोर 195 रन था और 250 तक पहुंचना चाहिए था।

दबाव में शांतचित होकर खेलने वाले सुदर्शन ने जीता स्मिथ और मूडी का दिल

अहमदाबाद(एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आक्रामक शतक लगाकर गुजरात टाइटंस की जीत के सूत्रधार रहे बी साई सुदर्शन ने ग्रीम स्मिथ और टॉम मूडी जैसे धुरंधरों को प्रभावित किया है। तीसरे नंबर पर उतरने वाले सुदर्शन का शुक्रवार तक स्ट्राइक रेट 131.67 था लेकिन चेन्नई के खिलाफ पारी की शुरूआत करते हुए उन्होंने 201.96 की स्ट्राइक रेट से 51 गेंद में 103 रन बनाए। स्मिथ ने कहा, 'सुदर्शन इस सत्र में गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बना चुका है। सबसे तेजी से आईपीएल में 1000 रन पूरे किए हैं। उसके बारे में और बात होनी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला और मशहूर कोच रहे टॉम मूडी ने कहा, 'उसे बल्लेबाजी करते देखने में मजा आता है। वह दबाव में इतना शांत रहता है। उसके पास सही समय पर हमेशा सही जवाब होते हैं। उसे पता है कि कब आक्रामक खेलना है और वह खेल की रफ्तार बनाए रखता है। उन्होंने शुभमन गिल और सुदर्शन के बीच 210 रन की साझेदारी के बारे में कहा, 'यह असाधारण थी। दोनों ने एक दूसरे के साथ पूरे तालमेल के साथ खेला।

रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में गुकेश ने कार्लसन से ड्रॉ खेला

प्रगनानंदा संयुक्त तीसरे स्थान पर

वारसॉ , एजेंसी। प्रगनानंदा ने पांचवें दौर में हालैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है. विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए शुक्रवार को यहां सुपरबेट रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से ड्रॉ खेलने से पहले हमवतन आर प्रगनानंदा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को शिकस्त दी।

प्रगनानंदा ने पांचवें दौर में हालैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है, जबकि प्रगनानंदा और शेवचेंको 7-7 अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 6-6 अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। ये सभी स्थानीय स्टार डुडा जान क्रिस्तोफ से पूरे एक अंक आगे हैं। चार अंक से केमर नौवें स्थान पर हैं और गिरी से पूरे एक अंक आगे हैं। हालांकि रोमानिया के किरिल शेवचेंको का स्वप्निल सफर एरिगेसी ने समाप्त किया जिन्होंने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। पहले दो दौर में हार के बाद ड्रॉ खेलने वाले गुकेश ने चौथे दौर में प्रगनानंदा को 41 चाल में पराजित किया। इसके बाद गुकेश ने केमर को हराया और कार्लसन से बाजी ड्रॉ कराई।

फॉर्म में चल रही आरसीबी के लिए दिल्ली के खिलाफ आज 'करो या मरो' का मुकाबला

बेंगलुरु(एजेंसी)। लगातार चार मैच जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अपना दावा बनाए रखने के लिए रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा जबकि दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत निलंबन के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। पंत को इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था।

पंत की गैर मौजूदगी से आरसीबी को फायदा मिलेगा जबकि दिल्ली के लिये यह बड़ा झटका है। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को दो बार हराने के अलावा पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। गुजरात और पंजाब से आरसीबी को कोई चुनौती नहीं मिली और सनराइजर्स को उसने करीबी मुकाबले में हराया। दूसरी ओर दिल्ली के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम ने 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस पर दस रन से मिली जीत में चार विकेट पर 257 रन बनाए थे तो 29 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 9 विकेट पर 153 रन ही बना सकी।

आरसीबी 12 मैचों में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है और अब हारने से उसके लिए रास्ते बंद हो जाएंगे। लगातार चार जीत और विराट कोहली के जबर्दस्त फॉर्म के दम पर उसके हौसले बुलंद है। कोहली ने इस सत्र में सर्वाधिक 634 रन बना लिये हैं और उनका स्ट्राइक रेट 153 का रहा है। कोहली के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार, कैमरन ग्रीन और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छी पारियां खेली हैं।

गेंदबाजों ने भी शुरूआती मैचों के औसत प्रदर्शन के बाद अपना काम बखूबी किया है। पिछले चार मैचों में मोहम्मद सिराज ने अपनी लय हासिल कर ली जबकि यश दयाल और स्पिनर स्वप्निल सिंह भी उपयोगी साबित हुए हैं। पंजाब के खिलाफ मैच के बाद सिराज और दयाल का इकॉनामी रेट इस सत्र में पहली बार दस के नीचे गया। इस सत्र में लग रहे रनों के पहाड़ के बीच इसे अच्छा प्रदर्शन कहा जाएगा। इनकी परीक्षा दिल्ली के जैक फ्रेसर मैकगुर्क के सामने होगी जो 235.87 के स्ट्राइक रेट से सात मैचों में 309 रन बना चुके हैं।

डेविड वॉर्नर ने सात मैचों में 135 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाए थे और चोट के कारण उनके बाहर होने के बाद मैकगुर्क खेल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने भी 157 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। कप्तान पंत और ट्रिस्टन स्टब्स ने अच्छी पारियां खेली है लेकिन आरसीबी के खिलाफ पंत के बिना स्टब्स पर दबाव अधिक होगा।

गेंदबाजी में दिल्ली का पलड़ा भारी है। उसके पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर हैं जो मिलकर 24 विकेट ले चुके हैं। उनका इकॉनॉमी रेट भी नौ से कम रहा है। तेज गेंदबाज खलील अहमद 14 और मुकेश कुमार 15 विकेट ले चुके हैं और दिल्ली को उनसे शुरूआती सफलताओं की उम्मीद होगी।

संभावित प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू – विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विल जैक्स, रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, यश दयाल, मोहम्मद सिराज

दिल्ली कैपिटल्स – जेक फ्रेजर-मैकगर्क, पृथ्वी शॉ, डेविड वार्नर (कप्तान), रिकी भुई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, खलील अहमद, लिज़ाद विलियम्स

समय – शाम 7.30 बजे से।

ओलंपिक चयन के लिए ट्रायल शनिवार से, कुल 37 पिस्टल और राइफल निशानेबाज लेंगे हिस्सा

भोपाल (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजों के ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) तीन और चार यहां शनिवार से शुरू होंगे जिसमें कुल 37 पिस्टल और राइफल निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाजों ने पिस्टल और राइफल में 16 कोटा स्थान हासिल कर लिए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ देश में शीर्ष पांच के बीच ट्रायल करा रहा है ताकि पेरिस ओलंपिक के लिये टीम चुन सके।

निशानेबाजी में ओलंपिक कोटा देश को मिलता है और चयन ट्रायल में शीर्ष रहने पर ही कोटा जीतने वाले निशानेबाज के खेलों में भाग लेने की गारंटी होती है। हर स्पर्धा में शीर्ष दो निशानेबाज पेरिस का टिकट कटाएंगे। पहले दो ट्रायल दिल्ली में पिछले महीने हुए हैं और अगले दो यहां मप्र प्रदेश निशानेबाजी अकादमी में होंगे।

महिला वर्ग में ओलंपियन मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान 25 मीटर स्पोर्टर्स पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल में भाग लेंगी । पुरूषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू नजर आएंगे।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर लगा 24 लाख रुपए का जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिये 24 लाख रूपए जुर्माना लगाया गया है। यह टीम का इस सत्र में धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था।

इसके लिए हर खिलाड़ी पर छह लाख रुपए या मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हराकर प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी है। गुजरात इस समय 12 मैचों में 10 अंक लेकर आठवें स्थान पर है जबकि चेन्नई 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

गौर हो कि गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर प्लेऑफ की रेस रोचक कर दी है। गुजरात ने न सिर्फ प्लेऑफ में जाने के अपने चांस बढ़ाए है बल्कि चेन्नई के साथ लखनऊ और दिल्ली के लिए भी मुसीबत खड़ी कर दी है। मैच की बात करें तो गुजरात के दोनों ओपनर्स शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने इतिहास बनाते हुए शतक जड़े। इसी के साथ आईपीएल इतिहास के 100 शतक भी पूरे हो गए। गुजरात ने 231 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी चेन्नई की टीम 8 विकेट खोकर 196 रन ही बना पाई। धोनी (26) ने अंत में आकर बड़े शॉट लगाए लेकिन यह टीम के काम नहीं आए।

संक्षिप्त समाचार

निहार शांति पाठशाला फनवाला के सहयोग से विराट को मिली प्रेरक जीत

नईदिल्ली, एजेंसी। 5वीं कक्षा में पढ़ने वाले 10-वर्षीय विराट पांडे ने एक शानदार उपलब्धि हासिल की है- उसने भारत की सबसे बड़ी इंग्लिश प्रतियोगिता की राज्यग-स्तरीय वर्ड पावर चैम्पियनशिप जीती है। यह प्रतियोगिता केवल क्षेत्रीय भाषाओं के स्कूली विद्यार्थियों के लिये आयोजित होती है। इस प्रतियोगिता में न केवल विराट की स्पेलिंग में योग्य?ता को परखा गया, बल्कि उसकी लगन भी देखी गई। विराट चैंपियन बनकर उभरा। साधारण

पृष्ठपभूमि के बावजूद विराट की हालिया उपलब्धि सफल होने के लिये उसका जुनून और प्रतिबद्धता साबित करती है। राज्यउ-स्तरीय राउंड में सफल होने के बारे में विराट ने कहा, ''वह एक बेहतरीन अनुभव था। जब मेरा नाम विजेता के तौर पर घोषित हुआ, तब मैं और मेरे माता-पिता खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। इस सफर में अपनी पूरी मेहनत और समर्पण का हमें यह परिणाम मिला।''पिछले साल, विराट मुंबई में डब्यूी म पीसी फाइनल्सा में पहुँचा था, एक दर्शक के रूप में। हालांकि उस अनुभव ने उसे इस बार प्रतियोगी बनकर भाग लेने की प्रेरणा दी। उसके पास जीत का सपना था और उसकी लगन प्रेरक थी। अपना सपना पूरा होने पर आँखें मटकाते हुए, विराट ने कहा, ''मुंबई में एक दर्शक के तौर पर वह इवेंट देखने के बाद इस साल के लिये मेरा सपना था उसमें भाग लेना और जीतना।'' डब्यूनौ पीसी फाइनल्सश्च तक विराट का सफर आसान नहीं रहा, क्योंकि एक गांव में चैम्पियनशिप के लिये सही मटेरियल खोजना चुनौती था।

शादी की खुशियां मातम में बदली, सड़क हादसे में दूल्हा सहित 4 की मौत

झांसी, एजेंसी। यूपी के झांसी-कानपुर हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ है। यहां बारात लेकर जा रहे एक दूल्हे की कार में डीसीएम ट्रक से टक्कर के बाद आग लग गई। इसमें दूल्हा समेत चार लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा झांसी के बड़ा गांव थाना क्षेत्र के पारीछा ओवर ब्रिज के पास हुआ। बताया जा रहा है कि पीछे से आ रहे डीसीएम ने कार में टक्कर मार दी। जिससे डीसीएम अचानक से बेकाबू होकर लहराते हुए कार से टकराया और उस पर चढ़ गया। इसमें कार और डीसीएम दोनों में आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में दूल्हा आकाश अहिरवार (उम्र 25 साल), दूल्हे का सगा भाई आशीष अहिरवार, भतीजा मयांक (उम्र 4 साल) और कार का ड्राइवर जयकरन उर्फ भगत शामिल हैं। वहीं दो लोगों रवि अहिरवार और रमेश को बचा लिया गया। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

झांसी के एरच थाना क्षेत्र के बिलाटी गांव में रहने वाले आकाश अहिरवार की 10 मई दिन शुक्रवार को शादी थी। बारात बड़ा गांव थाना क्षेत्र के छपार गांव के लिए निकली थी। कार जब बड़ा गांव थाना क्षेत्र में कानपुर हाईवे स्थित पारीछा ओवर ब्रिज के पास पहुंची तो पीछे से आ रही डीसीएम गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद कार और डीसीएम में आग लग गई।दूल्हे के परिवारीजनों का कहना है कि डीसीएम ट्रक काफी देर से कार के पीछे-पीछे चल रहा था। उसने पीछे से कार में टक्कर मारी। टक्कर लगते ही कार में आग लग गई और सीएनजी का सिलेंडर फट गया। हादसे के बाद डीसीएम का ड्राइवर फरार हो गया। आग की लपटों के बीच घिरी का कार में लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास से राहगीर वहां जुट गए। उनमें से किसी ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसी दौरान पीछे से रिश्तेदारों की गाड़ी भी वहां पहुंच गई। उन्होंने किसी तरह जलती कार के कांच तोड़कर दो लोगों को बाहर निकाला। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहीं दूल्हे आकाश, भाई आशीष, भतीजे ऐशू और ड्राइवर भगत की जिंदा जलकर मौत हो गई।

केरल के मंदिरों में ओलियंडर के फूलों का इस्तेमाल होगा बंद

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मंदिरों में ओलियंडर के फूलों का इस्तेमाल बंद करने के लिए कहा गया है। राज्य ज्यादातर मंदिरों का प्रबंधन करने वाले 2 प्रमुख देवास्वोम बोर्ड ने प्रसाद के लिए इन फूलों का उपयोग बंद करने का निर्देश दिया। त्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड और मालाबार देवास्वोम बोर्ड ने इन फूलों की जहरीली प्रकृति के बारे में चिंता जताई और यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया। बोर्ड ने कहा कि इन फूलों से मनुष्यों और जानवरों को नुकसान पहुंच सकता है। टीडीबी के अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने गुरुवार को बोर्ड की बैठक के बाद अपने अधिकार क्षेत्र के तहत मंदिरों के संबंध में इस निर्णय की घोषणा की।

प्रशांत ने तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से कहा, 'टीडीबी के तहत मंदिरों में नैवेद्य (ईश्वर को चढ़ाए जाने वाले पदार्थ) और प्रसाद में ओलियंडर के फूलों के उपयोग से पूरी तरह से बचने का निर्णय लिया गया है। इसके बजाय, तुलसी की मंजरी, थेची (इक्सोरा), चमेली और गुलाब जैसे अन्य फूलों का उपयोग किया जाएगा। मालाबार देवास्वोम बोर्ड के अध्यक्ष एम आर मुरली ने कहा कि उसके अधिकार क्षेत्र के तहत 1,400 से अधिक मंदिरों में अनुष्ठानों के लिए अरली के फूलों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

आखिर रोक लगाने की क्या वजह

मुरली ने से कहा, 'मंदिरों में अनुष्ठानों में अरली के फूल का व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अध्ययन में पाया गया है कि इस फूल में जहरीले पदार्थ होते हैं।' उन्होंने कहा कि इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी किया गया। सूत्रों ने कहा कि यह फैसला अलप्पुझा और पथानामथिट्टा में सामने आई कई घटनाओं के बाद लिया गया है। अलाप्पुझा में एक महिला की हाल में कथित तौर पर ओलियंडर के फूल और पत्तियां खाने के बाद मृत्यु हो गई थी। 2 दिन पहले पथानामथिट्टा में ओलियंडर की पत्तियां खाने से एक गाय और बछड़े की मौत होने की भी खबरें आई थीं।

काफी देर तक बात की, फिर अचानक हिंडन में कूदे कपल; प्रेमिका को लोगों ने बचाया, प्रेमी की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेमी युवक ने मंगलवार रात दस बजे के करीब नोएडा के छिजारसी के हिंडन नदी में एकसाथ छलांग लगा दी। युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई, जबकि युवती को आसपास के लोगों ने बचा लिया। इस मामले में मृतक युवक के परिजनों ने अभी तक पुलिस से शिकायत नहीं की है। शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। युवक-युवती दोनों जौनपुर के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक मंगलवार रात दस बजे के करीब एक युवक और युवती छिजारसी गांव के पास हिंडन पुल पर पहुंचे। दोनों काफी देर तक एक दूसरे से बात करते रहे।

करीब 20 मिनट बाद दोनों एक साथ हिंडन नदी में कूद गए। बगल की वाल्मीकि बस्ती में रहने वाले लोगों ने दोनों को कूदते हुए देख लिया। इसके बाद लोग भी दोनों को बचाने के लिए नदी में कूद गए और युवती को सकुशल बचा लिया। युवक को लोग नदी में काफी देर तक तलाशते रहे पर वह नहीं मिला। बुधवार को जब नदी का जलस्तर थोड़ा सा बढ़ा तो युवक का शव हिंडन नदी पुल से करीब 50 कदम दूर छिजारसी कॉलोनी की तरफ उतराते हुए मिला। लोगों ने इसकी सूचना सेक्टर-63 पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। मृतक की जेब में मोबाइल भी था। मोबाइल में पानी भर गया था। उसके मोबाइल के सिम को जब दूसरी मोबाइल में लगाया गया तो परिजनों समेत अन्य लोगों की कॉल उसके मोबाइल पर आने लगी। इसके बाद मृतक की पहचान जौनपुर के जलालपुर गांव के अंकित के रूप में हुई। वर्तमान में युवक बहलोलपुर गांव में रहता था।

हादसे के बाद चली गई युवती – मृतक के परिजनों से बातचीत करते पर पता चला कि अंकित के साथ जो युवती कूदी थी वह भी उसी के गांव के रहने वाली है। दोनों के बीच बीते चार सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती की पहचान रागिनी उर्फ रानी के रूप में हुई है। अंकित बहलोलपुर में रहकर यहां पर नौकरी करता था। वहीं रानी दिल्ली में रहती थी।

राहुल ने दिए कांग्रेस में बदलाव के संकेत, बोले गलतियां तो हुई हैं

लखनऊ, एजेंसी। आने वाले समय में यानी लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में बड़े पैमाने पर बदलाव हो सकते हैं। इसके संकेत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने खुद दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने भी गलतियां की हैं और उन्हें भविष्य में अपनी राजनीति बदलनी होगी। ये बात मैं कांग्रेस पार्टी से होते हुए कह रहा हूं। हालांकि, राहुल गांधी ने इस बात का जिक्र नहीं किया कि कांग्रेस ने क्या गलतियां की। अब जानकार बयान के मायने निकाल रहे हैं। माना जाने लगा है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस पार्टी में बड़े बदलाव के संकेत हो सकते हैं। बता दें कि चुनाव के दौरान कई कांग्रेस नेता सक्रिय होकर ऐसे बयान देते हैं जिससे कई बार कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ता है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि 90 प्रतिशत आबादी एससी/एसटी, ओबीसी, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और सामान्य समुदाय के गरीबों की है, जिन्हें समान भागीदारी नहीं दी जाती है। अगर देश को मजबूत करना है, तो 90 फीसदी को शामिल किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। अगर आप कहते हैं कि 90 फीसदी नौकरशाही, खेल, मीडिया, न्यायपालिका और यहां तक कि सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भी नहीं आएंगे, तो आप कौन सी महाशक्ति बनेंगे। क्या आप 10 प्रतिशत आबादी को महाशक्ति बनाना चाहते हैं

लोकसभा चुनाव 2024 के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ में मोदी सरकार के खिलाफ निशाना साधा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को समृद्ध भारत फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि राजनीति में दो तरह के लोग होते हैं। एक, जो सुबह से शाम तक सत्ता के लिए दौड़ते हैं। सच्चाई नहीं स्वीकार करते हैं। बस किसी भी तरह सत्ता में आ जाएं, इसी में लगे रहते हैं। दूसरे वे लोग होते हैं जो सच्चाई सामने दिख रही है उसको स्वीकार करते हैं।

केजरीवाल के बाहर आते ही आक्रामक होगा आप का चुनावी प्रचार, पार्टी में आई नई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जेल से रिहाई हो गई है। आज वे दो रोड शो करने जा रहे हैं। उनके बाहर आने से आप में नई जान आ गई है। अब आप का चुनाव प्रचार और आक्रामक हो जाएगा। सीएम शनिवार को कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रेसवार्ता करेंगे। इसके बाद आप के चुनाव प्रचार की कमान केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही घूमेगी।चुनावी रणनीति में सीएम के कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना शुरू गया है। केजरीवाल के जेल जाने के बाद आप का चुनाव अभियान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने संभाल रखा था। उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया और राजधानी में आप प्रत्याशियों के लिए रोड शो

किया।दिल्ली में चार लोकसभा सीटों पर आप और तीन पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। आप सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री कम समय में ज्यादा से ज्यादा चुनावी कार्यक्रम कर सकते हैं। इसके लिए शनिवार तक केजरीवाल से बातचीत कर रणनीति तैयार कर ली जाएगी।

आम आदमी पार्टी राजधानी में उनके रोड शो और जनसभाओं की रूपरेखा बनाने में जुट गई है। मुख्यमंत्री आप के साथ-साथ सहयोगी दलों की सीटों पर भी प्रचार करेंगे। लंबे समय से केजरीवाल चुनाव से पहले और बाद में सीपी के हनुमान मंदिर जाते रहे हैं। इस बार हनुमान जयंती पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल अकेली ही हनुमान मंदिर पहुंची थीं और उन्होंने कहा था कि जल्दी सर जी के साथ आऊंगी। जेल से अंतरिम जमानत पर छूटने के बाद केजरीवाल ने सबसे पहले हनुमान मंदिर जाने की घोषणा की है। इसके बाद वह पार्टी कार्यालय पहुंचेंगे। अब तक पार्टी का चुनाव प्रचार 'जेल का जवाब वोट से' नारे पर चल रहा था। केजरीवाल के जेल से छूटने के बाद आप चुनाव प्रचार तेज करेगी। छोटी जनसभा और रोड शो के साथ सोशल मीडिया पर भी पार्टी प्रचार तेज करेगी। सीएम की गिरफ्तारी पर वह केंद्र सरकार पर विपक्ष को जबरन जेल में डालने का आरोप लगाती रही है, अब मुख्यमंत्री खुद इस मामले पर कमान संभालेंगे।

यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर कब्जाने के करीब रूस, मिसाइलें बरसा रही पुतिन की सेना

भारतीय-अमेरिकी अरबपति के फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुए राष्ट्रपति बाइडन, पार्टी ने जुटाए 15 लाख

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अरबपति विनोद खोसला ने चुनावी फंडरेजर के लिए सिलिकॉन वैली में स्थित अपने आवास पर राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी की। इस दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवारों ने 15 लाख रुपये (1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) जुटाए। सन माइक्रोसिस्टम्स के सह- संस्थापक और खोसला वेंचर्स के संस्थापक विनोद खोसला के आवास पर शुक्रवार को फंडरेजर के लिए टिकटों की कीमत 6,600 अमेरिकी डॉलर से लेकर 100,000 अमेरिकी डॉलर तक थी।

2024 में ऐसा पहली बार हुआ है कि राष्ट्रपति बाइडन किसी भारतीय-अमेरिकी द्वारा आयोजित फंडरेजर में शामिल हुए। सिलिकन वैली इलाके में आयोजित इस फंड रेजर कार्यक्रम में 15 लाख से भी अधिक रुपये जुटाए गए। वहां लगभक 50 लोग बैठे थे, जबकि 30 के करीब खड़े थे। इस दौरान राष्ट्रपति बाइडन ने आव्रजन और महिलाओं के अधिकार पर ज्यादा फोकस किया।

बाइडन ने कहा, अमेरिका जेनोफोबिक (विदेशियों के प्रति अत्यधिक नापसंदगी या डर रखने वाला) देश नहीं है। उन्होंने इस दौरान भारत और जापान का नाम नहीं लिया। दरअसल, इससे पहले वॉशिंगटन में एक फंड रेजर कार्यक्रम के दौरान बाइडन ने भारत और जापान को जेनोफोबिक देश बताया था, जिसके बाद वह विवादों में घेरे में आ गए थे। बाइडन ने कहा, अप्रवासी इस देश की कार्यनीति में एक महत्वपूर्ण योगकर्ता रहे हैं, शानदार। हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं, इसका एकमात्र कारण यह है कि हम जेनोफोबिक नहीं है। हमारे पास यहां आने वाले अप्रवासियों का इनपुट है। इससे हमारे देश का आर्थिक विकास हो रहा है।

राष्ट्रपति बाइडन ने किया विनोद खोसला का धन्यवाद

फंडरेजर कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे विनोद खोसला ने राष्ट्रपति बाइडन का परिचय कराया। राष्ट्रपति ने कहा, विनोद और नीरू आपका धन्यवाद। परिचय कराने के लिए आपका बहुत धन्यवाद। आप जानते हैं एक बड़े परिवार में किसी बच्चे के लिए बुरी खबर यह है कि आपके पास इससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं होता है। राष्ट्रपति ने आगे कहा, हमें अपने आवास में निमंत्रित करने के लिए आपका धन्यवाद। मैं यहां आपके कुत्तों को देखने आया हूं। मुझे कभी कभी लोगों की तुलना में कुत्ते ज्यादा पसंद आते हैं। बाइडन के भाषण लेखक विनय रेड्डी भी व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों में से एक हैं। वह भी स फंडरेजर कार्यक्र में शामिल हुए। खोसला आवास की तरफ जाने के दौरान रास्ते में इस्राइली और फलस्तनी समर्थकों ने राष्ट्रपति बाइडन का स्वागत किया। बता दें कि संघीय चुनाव आयोग की रिकॉर्ड के अनुसार, खोसला ने अब तक डेमोक्रेटिक संगठनों और अभियानों के लिए 14 लाख रुपये दिए हैं।

शहबाज शरीफ के कैबिनेट में शामिल नहीं होगी बिलावल भुट्टो की पार्टी, विदेश मंत्रालय हुआ था ऑफर

इस्लामाबाद , एजेंसी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) संसद में बजट पेश होने से पहले या बाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले संघीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी।

यह उन खबरों के बीच आया है कि पीपीपी को सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था और इसके लिए मंत्रालयों की भी पेशकश की गई थी।

बैठक में समर्थन को लेकर नहीं हुई चर्चा – सूत्रों ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बिलावल के बीच हाल ही में हुई बैठक के दौरान संघीय कैबिनेट में शामिल होने पर कोई चर्चा नहीं हुई। इसके बजाय बिलावल ने बैठक के दौरान गेहूं की खरीद को अनिवार्य बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

हालांकि, अन्य अंदरूनी सूत्र भी थे, जिन्होंने हाल ही में खुलासा किया था कि सत्तारूढ़ पीएमएल-एन और पीपीपी सत्ता-साझाकरण समझौते को अंतिम रूप देने के करीब थे और बिलावल के पाकिस्तान के विदेश मंत्री के रूप में लौटने की संभावना थी।

दोबारा विदेश मंत्री बनने को तैयार थे बिलावल– उन्होंने दावा किया कि बिलावल, जो शुरू में कैबिनेट में शामिल होने के लिए इच्छुक नहीं थे, दूसरी बार विदेश मंत्री बनने के लिए सहमत हो गए थे। दोनों पक्ष अब पीपीपी को संघीय मंत्रिमंडल में औपचारिक रूप से शामिल करने के विवरण और समय पर काम कर रहे थे। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री और बिलावल ने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के लिए राज्यपालों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए पीएम आवास पर मुलाकात की थी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पीएम शहबाज और बिलावल ने देश की समग्र राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। हालांकि, एक पीपीपी नेता ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ गठबंधन में अन्य दल कैबिनेट में पीपीपी चाहते थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने अभी तक इस मामले पर अपने पिछले रुख को बदलने का फैसला नहीं किया है।

भारतीय टैलेंट के मुरीद हुए सिंगापुर के पीएम, भारत के आइआइटी-आइआइएम की जमकर तारीफ की

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग 15 मई को अपना पद छोड़ेंगे। अगले बुधवार को अपने डिप्टी लॉरेंस वोंग को कार्यभार सौंपने से पहले ली ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने 20 साल के कार्यकाल को लेकर एक विस्तृत साक्षात्कार में चर्चा की। पीएम ली सीन लूंग ने कहा कि सिंगापुर विश्व स्तर पर प्रतिभाओं की खोज करता है। यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) के स्नातकों की सबसे बड़ी संख्या है। विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वे भारत में शीर्ष संस्थान हैं और उनमें स्थान हासिल करना मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी या हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने के बराबर है। वहां के पेशेवरों (आईआईटी-आईआईएम पूर्व छात्रों) ने सिंगापुर में एसोसिएशन बनाई हैं और समय-समय पर समारोह आयोजित करते हैं।

÷अगर मुझे ऐसा कोई पूल मिल जाए तो मैं यहां आऊं और काम करूं, यह हमारे लिए बहुत बड़ा लाभ है।÷

भारत से आए वर्कर्स के समुदाय का हवाला देते हुए ली ने कहा कि सिंगापुरवासी उनकी आमद पर ध्यान देते हैं क्योंकि संख्या छोटी नहीं है। हालांकि, वे प्रतिभाशाली लोग हैं और सिंगापुर के लिए बहुत मूल्यवान हैं और जब हम प्रवाह का प्रबंधन करते हैं तो हमें उनका स्वागत करना चाहिए।

सिंगापुर में विदेशी प्रतिभा लाना जरूरी– प्रधानमंत्री ने आईआईटी-आईआईएम के पूर्व छात्रों की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला और जनशक्ति की मांग को पूरा करने के लिए सिंगापुर द्वारा विदेशी प्रतिभाओं को लाना जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिंगापुर विश्व स्तर पर प्रतिभाओं की खोज करता है और चीन, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देश, विशेष रूप से पड़ोसी मलेशिया इसके मुख्य स्रोत हैं।

ली ने यह भी बताया कि विदेश से आने वालों को शहर-राज्य के बहु-नस्लीय समाज में उचित रूप से एकीकृत करना होगा। चैनल न्यूज़ एशिया द्वारा प्रकाशित साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि सामाजिक एकजुटता चाहने और अप्रवासियों को लाने के बीच अंतर्निहित तनाव का प्रबंधन करना सबसे कठिन मुद्दा है, जिससे उन्हें निपटना पड़ा है।

अगले बुधवार को अपने डिप्टी लॉरेंस वोंग को कार्यभार सौंपने से पहले, ली ने प्रधान मंत्री के रूप में अपने 20 साल के कार्यकाल का जायजा लेते हुए विस्तृत साक्षात्कार में इस विषय को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, लोगों को सहज महसूस कराना और खतरा महसूस न करना या सामाजिक तनाव पैदा न करना, ऐसा कुछ है जिसे प्रबंधित करना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि हमारे पास नकारात्मक पक्ष पर बहुत अधिक गुंजाइश नहीं है।आप यह नहीं कह सकते कि मैं सभी विदेशी कामगारों को भेज दूंगा और फिर कल हम ठीक हो जाएंगे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555